फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 320 प्रभात जयपुर, शनिवार 25 जून, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

Halwa hai kya?

Halwas are divine and utterly sinful that even glancing fearfully in their direction can make you put on weight. So I'm disciplined about polishing off, but with my eyes firmly closed.

Ayurvedic Myths & Facts

Rashtradoot Lauded as Rajasthan's Best Brand

जैगुआरुंडी जिसे जैगुआरोंडी भी कहते हैं, ''न्यू वर्ल्ड'' (उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका) की जंगली बिल्ली की एक प्रजाति है। छोटे आकार की यह बिल्ली दक्षिणी अमेरिका से लेकर साउथ वैस्टर्न युनाइटेड स्टेट्स तक देखी जाती है, तथापि, मैक्सिको के उत्तर में काफी दुर्लभ है। पानी के समीप रहने वाले इस जानवर को ऑटर कैट भी कहते हैं, क्योंकि देखने में यह कुछ-कुछ ऑटर (ऊद बिलाव) की तरह लगता है और तैरने में भी माहिर है। वयस्क जैगुआरुंडी 90 से 130 सेंटीमीटर लम्बा होता है (जिसमें 30 से 60 सेंटीमीटर लम्बी पूंछ भी शामिल है) तथा छोटे कान, छोटी टांगें और लम्बी पूंछ इसकी पहचान हैं। ये बहुत संकोची जानवर हैं और अकेले रहते हैं तथा नर और मादा भी सिर्फ प्रजनन काल में ही साथ दिखते हैं। वैसे तो ये जानवर दिनभर सक्रिय रहते हैं पर सुबह 11 बजे के आसपास सर्वाधिक सक्रिय होते हैं। तैराकी में माहिर होने के साथ-साथ ये पेड़ पर भी चढ़ सकते हैं। इतना ही नहीं, इनकी 13 अलग-अलग प्रकार की आवाजें रिकॉर्ड की गई हैं, जिनमें चिड़ियों जैसी चहचहाट भी शामिल है। मादा अपने बच्चों को पुकारने के लिए हल्की सी म्यांऊ जैसी आवाज निकालती है और बच्चे चूंचू की आवाज से जवाब देते हैं। चेतावनी देने के लिए जैगुआरुंडी फुफकारते हैं। ये जीव ''पॉलीजिनस'' होते हैं, जिसका अर्थ है कि प्रजनन काल में एक नर का कई मादाओं के साथ मेटिंग का एकाधिकार होता है। प्रजनन काल के लिए कोई फिक्स समय नहीं है, मैक्सिको में ये नवम्बर-दिसम्बर में प्रजनन करते हैं। मादा 63 से 75 दिनों की गर्भावस्था के बाद एक से 4 बच्चों को जन्म देती है। जन्म के समय बच्चे दृष्टिहीन और बहुत कमजोर होते हैं। दो माह के होने के बाद जब वो सक्रिय होते हैं तब मादा उन्हें शिकार करना सिखाती है। दस माह के होने के बाद बच्चे स्वतंत्र हो जाते हैं और दो से तीन साल की आयु में प्रजनन करने योग्य हो जाते हैं। प्राकृतिक आवास के विनाश और जंगलों की कटाई के कारण इनकी आबादी निरंतर घट रही है। इसके अलावा स्थानीय किसान भी इनका शिकार करते हैं क्योंकि ये मुर्गियों को खा जाते हैं। इन्टरनैशनल यूनियन फॉर कंज़र्वेशन ऑफ नेचर की रैड लिस्ट के अनुसार यह कम नजर आने वाली प्रजाति है और इसकी आबादी भी सघन नहीं है। अर्जेन्टीना में इसे संकट के करीब (निअर थ्रैटन्ड) और मैक्सिको में ''थ्रैटन्ड'' प्रजाति माना गया है। वहीं, वैश्विक स्तर पर यह ''लीस्ट कंसर्न'' (कम चिंताजनक स्थिति) वर्ग में है।

विद्रोहियों से लड़ने के लिये मु.मंत्री उद्धव ठाकरे ने कमर कसी

एक तरफ तो उन्होंने शिव सेना के कार्यकर्ताओं और नेताओं में समर्थन जुटाने का प्रयास किया। साथ ही 16 विद्रोही विधायकों को विधानसभा से ''डिस्क्वालिफाय' करवाने की कार्यवाही आरम्भ की

-डॉ.सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। शिवसेना के अंदर गंभीर बगावत से जूझ रहे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे इस संकट से निबटने के लिए सभी विकल्पों को खंगाल रहे हैं तथा 56 वर्ष पुरानी अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं का ठोस समर्थन प्राप्त करने के लिए रात दिन एक कर रहे हैं।

जहां एक तरफ, शिवसेना ने एकनाथ शिंदे द्वारा किये गये विद्रोह की प्रतिक्रिया में आज चार और विधायकों को अयोग्य घोषित किये जाने की मांग की, वहीं ठाकरे ने आज अपने पार्टी कार्यकर्ताओं से कह दिया बताते हैं कि विद्रोही विधायक पार्टी को ''तोड़ने की कोशिश'' कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि एकनाथ शिंदे ने दावा किया है कि उन्हें 50 विधायकों का समर्थन हासिल है जिसमें 40 विधायक शिवसेना के हैं।

ठाकरे ने उन्हें छोड़कर जाने वाले विधायकों को निशाना बनाते हुए कहा,''जो लोग (मुझे) छोड़ गये हैं, मैं उनका बुरा क्यों मानूँ?'' शिवसेना और ठाकरे के नामों का उपयोग किये बिना, आप आगे कैसे चलेंगे?

- **दूसरी ओर विद्रोही नेता एकनाथ शिंदे ने, 50 विधायकों का समर्थन पाने का दावा किया, तथा ''डिस्क्वालिफिकेशन'' नोटिस पाते ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने का इरादा जताया। विद्रोही विधायकों ने चुनाव आयोग के समक्ष अर्जी दी है, पार्टी के चुनाव चिन्ह व संगठन पर अधिकार पाने के लिये।**
- **इस प्रकरण में अब राज्यपाल भगत सिंह कोशियारी की भूमिका अतिमहत्वपूर्ण हो गयी है, वे सदन में विश्वास मत दर्शाने पर जोर देते हैं, या कोई और कदम उठाते हैं।**
- **मु.मंत्री उद्धव ठाकरे खेमे के नेता संजय राउत ने व्यंगात्मक ढंग से कहा, ''शिव सेना एक बड़ा समुद्र है, जिसमें छोटी-मोटी लहरें आती ही रहती हैं।''**

इस समय जबरदस्त विद्रोह का सामना कर रही पार्टी शिवसेना के अध्यक्ष ने आज अपनी पार्टी के पदाधिकारियों से संपर्क किया तथा अपने राजनैतिक दल एवं एम.वी.ए. सरकार के अस्तित्व से संबंधित आशंकाओं को शांत करने की कोशिश की। उन्होंने कहा,''पार्टी में पहले भी विद्रोह हुए हैं, लेकिन उन सब के बावजूद,पार्टी दो बार सत्ता में आ चुकी है। मुख्यमंत्री का सरकारी आवास ''वर्षा''जो मुझसे छूट सकता है, मेरा दृढ़ संकल्प नहीं।''

मूल प्रश्न यह है कि क्या पार्टी के चुनाव चिन्ह पर निर्वाचित हुए किसी विधायक, जिसने पार्टी एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत के प्रति निष्ठा की घोषणा की है, द्वारा व्यक्तिगत फायदे के लिए पार्टी को छोड़ देना न्यायोचित है?

एक और चकरा देने वाला प्रश्न,जो इस समय राजनैतिक हल्कों में चर्चा का विषय बना हुआ है, यह है कि शिन्दे एम.वी.ए.सरकार को गिराने की पूरी कार्यवाही मुंबई दूर,भाजपा-शासित राज्यों-गुजरात तथा असम में बैठकर कैसे कर रहे हैं। इस प्रकार एम.वी.ए.सरकार को अपदस्थ करने के इस पूरे मामले पर भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व की मुहर साफ तौर पर स्पष्ट नजर आ रही है।

कांग्रेस और नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के साथ मिलकर बने सत्तारूढ़ महाविकास अगाड़ी गठबंधन में शामिल शिवसेना को तोड़ देने की विद्रोही विधायकों को महाराष्ट्र से बाहर ले जाने के लिए एक चार्टर्ड विमान, तीन लग्जरी बसों तथा हवाई अड्डे से एक किलोमीटर के फासले पर स्थित होटल की व्यवस्था करना एकनाथ शिंदे के लिए बहुत ही महंगा मामला है।

यह पूरा ड्रामा मंगलवार तथा उसके बाद वाली रात को उस समय शुरु हुआ,जब राज्य के मंत्री एकनाथ शिंदे विद्रोही विधायकों के समूह को लेकर भाजपा शासित राज्य गुजरात के नगर सूरत में चले गये। इन विधायकों में निर्दलीय विधायक भी शामिल थे। जैसे ही रात हुई, हवाई अड्डे पर एक चार्टर्ड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश के ''इंन्टैलिजैन्स सैट-अप'' में भारी नई नियुक्तियाँ

दिनकर गुप्ता को, एन.आई.ए. का मुखिया, सामन्त कुमार गोयल को रॉ का चीफ, तथा तपन कुमार डेका को आई.बी. का अगला निदेशक नियुक्त किया गया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। पंजाब में आतंक रोधी गुप्तचर अभियानों के लिए जाने जानेवाले राज्य पुलिस के पूर्व प्रमुख दिनकर गुप्ता जिन्हे कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाए जाने के बाद एकाएक पद से हटा दिया गया था को नैशनल इन्वैस्टिगेशन एजेंसी (एन.आई.ए.) का महानिदेशक बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली अपॉइन्टमैन्ट्स कमेटी ऑफ कैबिनेट (ए.सी.सी.) ने इस नए काम के लिए उनका चयन किया है और वह अपनी सेवानिवृत्ति तिथि 31 मार्च 2024 तक इस पद पर सेवारत रहेंगे। वे सी.आर.पी.एफ. महानिदेशक कुलदीप सिंह का स्थान लेंगे, जो एन.आई.ए. का अतिक्ति चार्ज संभाल रहे थे। वर्ष 1984 बैच के अधिकारी

- **दिनकर गुप्ता, इंटैलिजैन्स आधारित आतंकवादी ऑपरेशन के विशेषज्ञ थे, तथा पंजाब पुलिस के महानिदेशक थे, परन्तु कैप्टन अमरिंदर सिंह को मु.मंत्री पद से हटाने के साथ-साथ दिनकर गुप्ता को भी डी.जी.पी. पंजाब के पद से हटाकर, पंजाब पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन का मुखिया नियुक्त किया गया था।**

वाय.सी. मोदी की सेवानिवृत्ति के बाद एन.आई.ए. प्रमुख का पद रिक्त चल रहा था।

पंजाब में आंतकवाद के बेहद गंभीर दौर के दौरान गुप्ता जालंधर और लुधियाना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक थे। वह वर्ष 1987 बैच के आई.पी.एस. अधिकारी हैं। वह जालंधर और लुधियाना के रेंज डी.आई.जी. भी रह चुके हैं। वह निवर्तमान में पंजाब पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के प्रमुख हैं, जो कोई सक्रिय पद नहीं है।

गुप्ता, वर्ष 2004 से 2012 के दौरान गृह मंत्रालय में रहे जहां वह डिग्नीटरी प्रोटैक्शन डिवीजन के प्रमुख थे। उन्होंने टैक्नॉलॉजी बेस्ड ऑपरेशन्स का नेतृत्व कर 50 से अधिक टैरर मॉड्यूल्स को बेनकाब किया और कई खतरनाक अपराधियों का खात्मा किया।

उनकी पत्नी विनी महाजन वर्ष 1987 बैच की आई.ए.एस. अधिकारी हैं। वह वर्ष 2020 में पांच अन्य आई.ए.एस. अधिकारियों को सुपरसीड कर पंजाब की मुख्य सचिव बनी थी। गुप्ता दंपती राज्य प्रशासन में सर्वाधिक सशक्त थे। विनी महाजन वर्ष 2005 से 2012 तक प्राइम मिनिस्टर्स ऑफिस (पी.एम.ओ.) में भी सेवारत रही हैं। उनके पिता भी पंजाब कैडर में आई.ए.एस. अधिकारी थे।

दिनकर गुप्ता को फरवरी 2019 में उनके कई सीनियर्स को सुपरसीड का पंजाब पुलिस के डी.आई.जी. पद पर चयनित किया गया था। इससे पहले वह पंजाब इन्टैलीजेंस को डी.जी.पी. थे। तब उन्होंने राज्य के इन्टैलीजेंस और आंतकवादी रोधी स्कॉड का प्रबन्धन किया था।

इसके अलावा स्वागत दास को गृह मंत्रालय में आतंरिक सुरक्षा का विशेष सचिव नियुक्त किया गया है। वह अपनी सेवानिवृत्ति तिथि 30 नवम्बर 2024 तक इस पद पर रहेंगे। दास छत्तीसगढ़ कैडर के वर्ष 1987 बैच के आई.पी.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सरकार कहां है?'

जयपुर, 24 जून (का.सं.)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 83 में से 51 दिन राज्य सरकार के गैर हाजिर रहने पर तंज कसा। शेखावत ने पूछा, राजस्थान में कहने को सरकार है, लेकिन जमीन पर है कहां?

- **केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्य सरकार के 83 में से 51 दिन गैर हाज़िर रहने पर तंज कसा। शेखावत ने पूछा, राजस्थान में कहने को सरकार है, लेकिन जमीन पर है कहां? ये बताना मुश्किल है।**

ये बताना मुश्किल है।

ट्वीट कर केंद्रीय मंत्री ने पूछा कि आपको कहीं दिखे तो दिन, तारीख, समय नोट कर लें, लुप्तप्राय चीजों का रिकार्ड रखना चाहिए। अगले चुनाव के बाद वैसे भी इसका अस्तित्व नहीं रहेगा।

'अग्निपथ स्कीम देश के सिक्यूरिटी ढ़ांचे में असंतुलन उत्पन्न करेगी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। राजस्थान में कांग्रेस के पूर्व सांसद मानवेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की अग्निपथ स्कीम भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में व्यवधान पैदा करेगी क्योंकि वह पहले ही लाखों अभ्यार्थियों के सपने चूर कर चुकी है, जैसा कि बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में इसके विरोध में सड़कों पर हुए प्रदर्शनों से देखा गया है।

ए.आई.सी.सी. मुख्यालयपर यहां एक प्रैस कांफैंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने स्कीम को लागू करने से पहले इसकी जांच कमी नहीं की। उन्होंने प्रश्न किया कि ऐसे वातावरण में सामंजस्य कैसे बैठेगा जिसमें अग्निवीर उन सेवारत सैनिकों के साथ काम करेंगे जिन्हे अग्निवीरों की तुलना में छुट्टियों के तीन गुना लाभ सहित पेंशन, उदार लाभ एवं भत्ते मिले हुए हैं।

उनके द्वारा उठाए गए कुछ अन्य प्रश्न हैं :

- **कांग्रेस के पूर्व सांसद मानवेन्द्र सिंह ने कहा, अग्निवीर सिपाहियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर, युद्ध भूमि में लड़ेंगे, पर सिपाहियों को पैंशन आदि सुविधाएं मिलेंगी, पर अग्निवीरों को नहीं। क्या इससे असंतुलन पैदा नहीं होगा।**

सरकार इस नई भर्ती योजना में क्षेत्रीय संतुलन कैसे स्थापित करेगी? सशस्त्र सेनाओं की भर्ती में सभी क्षेत्रों और समुदायों को प्रतिनिधित्व देना राष्ट्रीय हित में जरूरी है और प्रत्येक राज्य व क्षेत्र की भर्ती योग्य पुरूष आबादी को ध्यान में रखकर यह भर्ती सुनिश्चित की जाती रही है। ऑन लाइन एप्लीकेशन सिस्टम से यह कैसे सुनिश्चित होगा?

आधुनिक युद्ध क्षेत्र की जरूरतों के लिए क्या छह माह की प्रशिक्षण अवधि पर्याप्त है? क्या अग्निवीरों को इस हद तक प्रेरित किया जाएगा कि वे अपने सीमित सेवाकाल में ही जान की बाजी लगा दें, जबकि उन्हें ज्ञात है कि सेवा समाप्ति के बाद उन्हें नई नौकरी ढूंढ़नी होगी।

ऐसे नाजुक समय में ऐसी विध्वंसात्मक स्कीम को लागू करने की क्या अत्यावश्यकता है?

क्या सरकार ने कम नौकरियों के वातावरण में लोगों को इतनी बड़ी संख्या में सैन्य प्रशिक्षण देने और उनके अपराध की दुनिया के प्रति दिलचस्पी लेने के जोखिम को लेकर पहले कुछ सोचा है?

सरकार ने घोषणा की है कि अग्निवीरों को कोस्ट गार्ड, असम रायफल्स, सैन्ट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेस (सी.ए.पी.एफ.), सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों और निजी कारोबारों में प्राथमिकता दी जाएगी। तथापि पूर्व सैनिकों को नौकरियों में लेने का सरकार का पुराना ट्रैक रिकॉर्ड काफी खराब है और इसे लेकर कोई स्पष्टता नहीं है कि इस खराब स्थिति को कैसे सुधारा जाएगा।

लगभग 50,000 युवक युवतियां गत तीन वर्षों से सेना में भर्ती के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्कूल कॉलेजों पर पुलिस गश्त

जयपुर, 24 जून (का.सं.)। राज्य मानवाधिकार आयोग ने शिक्षण संस्थानों के बाहर छेड़छाड़ की घटनाओं को लेकर गंभीरता दिखाई है। आयोग ने पुलिस महानिदेशक को आदेश दिए हैं कि वह इस संबंध में सभी पुलिस

- **शिक्षण संस्थानों के बाहर छेड़छाड़ की बढ़ती घटनाओं पर गंभीरता दिखाते हुए राज्य मानवाधिकार आयोग ने पुलिस महानिदेशक शिक्षण संस्थाओं के बाहर पुलिस गश्त बढ़ाने के आदेश दिए।**

अधीक्षकों को निर्देश देते हुए परिपत्र जारी करें। परिपत्र में सभी पुलिस थानों को निर्देश दिए जाएं कि उनके एरिया में सरकारी और गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों के खुलने और बंद होने के समय पुलिसकर्मी वाहन में नियमित गश्त करें और वाहन में हैड कांस्टेबल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने एस.आई.टी. की रिपोर्ट को सही माना व मोदी को दी गयी ''क्लीन चिट'' की पुष्टि की!

कांग्रेस सांसद जाफरी, जो 2002 दंगे में मारे गये थे, की पत्नी ज़ाकिया जाफरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दर्ज की थी कि, गुजरात के तत्कालीन मु.मंत्री मोदी ने साजिश रचकर अहमदाबाद में दंगे कराये थे

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 जून। सर्वोच्च न्यायालय ने एक स्पेशल इन्वेस्टीगेशन टीम (एस.आई.टी.) द्वारा प्रधानमंत्री को दी गई ''क्लीन चिट'' की शुक्रवार को पुष्टि कर दी। अदालत ने इस संबंध में ज़किया जाफरी द्वारा दायर की गयी याचिका को खारिज कर दिया। जकिया जाफरी पूर्व कांग्रेसी सांसद एहसान जाफरी की विधवा हैं। ज्ञातव्य है कि गुजरात की गेटेड गुलबर्ग सोसायटी में रहने वाले एहसान जाफरी 2002 के गुजरात दंगों में मारे गये थे।

न्यायमूर्ति ए.एम.खान विल्कर की अध्यक्षता वाली 3 जजों की बैंच ने, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी द्वारा लिखे गये 452 पृष्ठों के फैसले में ज़किया जाफरी की उस याचिका को

- **सुप्रीम कोर्ट ने एमिकस क्यूरे (न्याय मित्र) द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के बारे में कहा कि, एस.आई.टी. ने वरिष्ठ जी.आई.जी. भट्ट के आरोपों को भी गंभीरता से लेते हुए सही तरीके से निस्तारण किया है। ज्ञातव्य है कि एमिकस क्यूरे की रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ डी.आई.जी. भट्ट ने मुख्यमंत्री मोदी पर दंगे के मुतल्लिक जो आरोप लगाए हैं उन्हें प्रेरित मान लेना उचित नहीं है और क्योंकि अन्य पुलिस अफसरों ने भट्ट के आरोपों की पुष्टि नहीं की सिर्फ इसलिए भट्ट के आरोपों को गलत कहना भी सही नहीं है।**
- **इस प्रकार सुप्रीम कोर्ट ने एस.आई.टी. की रिपोर्ट को पूर्णतया स्वीकार करते हुए, तत्कालीन मु.मंत्री मोदी व 63 अन्य व्यक्तियों को दोष मुक्त करते हुए क्लीन चिट दी।**

खारिज कर दिया, जिसमें एस.आई.टी. द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को दी गयी क्लीन चिट को चुनौती दी गयी। बैंच ने इस केस को मैरिटविहीन (डिवॉइड ऑफ मैरिट) बताया। इस बैंच, जिसमें न्यायमूर्ति सी.टी. रविकुमार भी शामिल थे, ने 9 दिसंबर, 2021 अपने फैसले को सुरक्षित रख लिया था।

बैंच ने अपील को खारिज करते हुए कहा, ''इस प्रकरण पर विचार करने के बाद, हम उस मजिस्ट्रेट के फैसले को बरकरार रखते हैं जो उन्होंने एस.आई. टी. द्वारा 9 फरवरी 2012 को पेश की गयी संदर्भित निर्णायक रिपोर्ट को, यथावत, स्वीकार करते हुए दिया था तथा अपीलार्थी द्वारा दायर प्रोटेस्ट अपील को खारिज कर रहे हैं।''

ज़किया पूर्व कांग्रेसी सांसद जाफरी की विधवा हैं, जो 28 फरवरी, 2002 को अहमदाबाद की गुलबर्ग सोसायटी में हुई हिंसा के दौरान 67 अन्य लोगों के साथ मारे गये थे। ज्ञातव्य है कि इससे एक दिन पूर्व ही, गोधरा में ट्रेन को जला दिया गया था तथा उसमें जलकर मरे 50 लोगों, जो सब हिन्दू थे, के शव अहमदाबाद लाये गये थे। साबरमती एक्सप्रेस जिसमें गुजराती तीर्थ यात्री अयोध्या से आ रहे थे, का स्लीपर कोच एस-6 गोधरा स्टेशन पर आग के हवाले कर दिया गया था।

सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को एस.आई.टी.की 8 फरवरी, 2012 की उस रिपोर्ट का अनुमोदन कर दिया था, जिसमें मोदी तथा 63 अन्य लोगों, जिनमें शीर्ष पुलिस अधिकारी भी शामिल थे, को निरपराध ठहरा दिया गया था तथा कहा था कि इनके खिलाफ ''मुकदमा चलाने योग्य कोई साक्ष्य (प्रॉसिक्यूटेबल एविडेन्स) नहीं'' है।

जाफरी की ओर से प्रस्तुत हुए वरिष्ठ वकील

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वी.सी. रिमोट पॉइन्ट

जयपुर, 24 जून (का.सं.)। एसएमएस मैडिकल अस्पताल और इससे जुड़े शहर के अन्य राजकीय अस्पतालों में कार्यरत चिकित्सकों को अब मुकदमों में अपनी गवाही देने के

- **एस.एम.एस. अस्पताल में राजस्थान हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एस. एस. शिंदे ने वी.सी. रिमोट पॉइन्ट का उद्घाटन किया, अब चिकित्सकों को मुकदमों में गवाही देने के लिए अदालत के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।**

लिए अदालतों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। एसएमएस अस्पताल परिसर में शुक्रवार से वीसी रिमोट पॉइंट का शुभारंभ हो गया है। सीजे एसएस शिंदे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

जो निर्बलों पर दया नहीं करता, उसे बलवानों के अत्याचार सहने पड़ेंगे। –शेख सादी

मुल्क को तबाह करने को आमादा अधिकांश नेता

भारतीय राजनीति में यह चरितार्थ हो रहा है कि नेता वही बनेगा जिसे लन्द-फन्द आता हो, जोड़-तोड़ आता हो। सीधे-साधे, सज्जन और सेवाभावी व्यक्ति अब राजनीति में अपवाद हैं। अब तो वही व्यक्ति राजनीति में आता है जो सत्ता चाहता है या स्वर्ण चाहता है या सुंदरी चाहता है। भारतीय जनता भी इन्हीं नेताओं की अभ्यस्त हो गई है। शायद वह चाहने भी यह लगी है कि भ्रष्ट नेता ही सत्ता में जावें जो भ्रष्ट आचरण कर भ्रष्टाचार बढ़ायें, भ्रष्ट तरीके अपनाने वालों की मदद कर सकें। आज शायद यह कहना भी उचित होगा कि अधिकांश नागरिक स्वार्थी हैं और वे ऐसे लोगों को ही चाहते हैं जिनसे उनके स्वार्थ की पूर्ति हो। भारत का इतिहास साक्षी है कि भारतीय जनता अपने फूट-फजीते से ही दासता की शिकार रही है। कितने अंग्रेज़ आये थे भारत में? एक मुट्ठी भर अंग्रेज़ भारत पर शासन करते रहे। उसी तरह मुट्ठी भर मुगल भी आये और हुकूमत करते रहे।

सैकड़ों वर्षों की दासता ने दास रहना ही सिखा दिया। सुभाष बोस, भगतसिंह, चन्द्रशेखर, सुखदेव, खुदीराम जैसे कुछ वीरों के बलिदान से स्वतंत्रता मिली तो 75 वर्षों में फिर विभाजक और दासता प्रेमी तत्व हावी होने लगे हैं। आज देश की जो स्थिति है, उसके लिये कौन ज़िम्मेदार है? क्या छोटे-छोटे अंतराल वाले सत्ताधारी अथवा छ दशक तक सत्ता में रहने वाले? इन्होंने ही भ्रष्टाचार, पक्षपात, परिवारवाद, अन्याय, तुष्टीकरण, जातिवाद आधारित ऐसी राजनीति को पाला पोसा कि आज एक नहीं अनेक भस्मासुर पैदा हो गये हैं और इनमें से कोई एक भस्मासुर सारे देश को लीलने हेतु काफी है।

सभी जानते हैं शिक्षा ही समाज में परिवर्तन लाने का सबसे बड़ा साधन है। आज समाज की जो दुर्दशा है वह लम्बी अवधि की सत्ता की ही देन है। पूछिये उनसे कि उन्होंने भारतीय संस्कृति, सभ्यता को क्यों नष्ट किया?

भारतीय जनता का यह दोष है कि वह भावुकता में क्षमा बहुत जल्दी कर देती है। मेवाड़ के क्षत्रियों ने दुश्मन की स्त्रियों को भी सम्मान दिया, उन्हें सुरक्षित रखा। अजयमेरू के राजा पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गौरी को कैद से न छोड़ा होता तो शायद इतिहास ही बदल गया होता। भारतीय जनता बाह्य व्यक्तित्व से जल्दी प्रभावित हो जाती है। गोरी चमड़ी को श्रेष्ठ मान लेती है। इतिहास में यह भूल उसने बार-बार दोहराई है। देश के हों या विदेश के सभी गोरी चमड़ी वालों से प्रभावित होती रही है। हम विश्वास भी जल्दी कर लेते हैं और विश्वासघात के शिकार हो रहे हैं।

मुगलों व अंग्रेज़ों ने 'डिवाइड एन्ड रूल' की नीति अपनाई। हमारे आपसी झगड़े एकता में बाधक बने। जातिवाद का जहर हमें दुर्बल करता रहा। कभी भाषा, कभी धर्म और कभी जाति के नाम पर हमें खूब लड़ाया गया। धर्म के नाम पर नेताओं ने भारत के कई टुकड़े करा दिये। स्वार्थी नेताओं ने धर्म के नाम पर और अपने अहं की पूर्ति हेतु हिंदुस्तान-पाकिस्तान का निर्माण कराया और उसके बावजूद पाकिस्तान में हिंदुओं का वजूद ही खत्म होने के कगार पर है परंतु भारत में रह रहे कुछ अल्पसंख्यक और उनके नेता पुनः उसी राह पर हैं। जब तक उन्हें वर्चस्व प्रदान किया जाता है, उन्हें प्राथमिकता दी जाती है, उन्हें उचित या अनुचित रूप से संतुष्ट रखा जाता है, वे शांत रहते हैं, और जैसे ही सारी भारतीय जनता के साथ न्याय का अब प्रयास किया जाता है, वे विरोध में खड़े हो जाते हैं। उनका और उनके पक्षधर सभी नेता धर्म को मज़हब से जोड़ कर कहने लगते हैं कि धर्म खतरे में है। इसी नीति के कारण विश्व के रंगमंच पर देश के बाद देश और राज्य के बाद राज्य के रंग, स्वरूप, आबादी व मज़हब बदल गये। भारत को भी कटा-फटा कर दिया परंतु यहाँ विराम नहीं लगा, कश्मीर से केरल तक यही प्रक्रिया अभी भी चालू है। पाकिस्तान व चीन के प्रपंच और अन्य अंतर्राष्ट्रीय साज़िशें बदस्तूर चालू हैं, और हम हैं कि अपने नेताओं द्वारा मुल्क की बर्बादी के प्रयासों से अभी भी अनजान हैं।

विपक्ष सबल हो, सशक्त हो, परंतु देश को हानि पहुँचा कर नहीं, तबाही के रास्ते पर ले जाकर नहीं। कर्मफल तो मिलेगा ही, पर उस समय तक देश की काफी हानि हो चुकी होगी, अतः उचित होगा कि अधिकांश नेता जो देश का अहित कर रहे हैं, अभी से सचेत हों और नकारात्मक तथा विध्वंसात्मक राजनीति से बाज़ आयें।

लम्बे समय तक शासन में रहने वाले दल से टूटे, कुछ हेर फेर के साथ समकक्ष व समानान्तर दल एक ही काम कर रहे हैं फूट डालो और राज करो। उनकी राजनीति का आधार व लक्ष्य मात्र एक है कि देश भले ही बिखर जाये पर सत्ता मिल जाये। ऐसे दलों ने हर न्यायपूर्ण कदम का विरोध करना शुरू कर दिया है। समस्त देश व समस्त जनता के प्रति न्याय न हो बस एक वर्ग विशेष ही संतुष्ट रहे, उसकी अन्यायपूर्ण बात भी मानी जाय, यह प्रयास है।

मुल्क को बर्बाद करने के इन प्रयासों पर ज़रा नजर तो डालिये। कश्मीर से धारा 370 हटाने की बात हो या नागरिकता संशोधन अधिनियम, विपक्ष के सभी शीर्ष नेता ये बतायें कि क्या ये निर्णय भारत की जनता और देश के हित में नहीं हैं? क्या सैकड़ों वर्ष के बाद उच्चतम न्यायालय के निर्णय से राम मंदिर का निर्माण और महिलाओं के समान अधिकार देने और उनका शोषण रोकने हेतु तीन तलाक गलत निर्णय है? हज़ारों मंदिरों का विध्वंस कर मस्जिदें बनाने और भारतीय संस्कृति के परिचायक सड़कों व नगरों के नाम बदलना जायज़ था और जनप्रतिनिधियों के बहुमत अथवा न्यायालय के निर्णय से उन्हें पूर्व स्थिति में लाना नाजायज़ क्यों है?

एक देश, एक कानून के लिये कोमन सिविल कोड क्या राष्ट्र विरोधी है? विपक्षी दल विशेष रूप से अल्पसंख्यकों की हिंसात्मक कार्रवाइयों, दंगों, प्रदर्शनों व पत्थरबाजी का समर्थन क्यों करते हैं? ओबेसी भाई, मौलाना, मौलवी, और इमाम हिंदू देवी-देवताओं के बारे में व बहुसंख्यकों के बारे में कुछ भी अनर्गल व भड़काऊ कहें वह वाजिब है, और बहुसंख्यकों में कोई एक-दो व्यक्ति उनके मजहब के बारे में कोई सही व प्रामाणिक बात कह दें तो सारा देश जलाया जाय, क्या यह देश विरोधी कार्रवाई नहीं है, जबकि सरकार व न्यायालय अपना कार्य बाखूबी कर रहे हैं? इन सभी बातों से तो यही लगता है कि विपक्ष और अल्पसंख्यक नेता व धर्मगुरु अल्पसंख्यकों को अपने भाषणों व मदरसों में यह सिखा रहे हैं कि यह देश तुम्हारा नहीं है, शरियत कानून लागू हो तो ही यह देश तुम्हारा है, भारतीय संविधान में और देशहित में उनकी कोई रुचि नहीं है।

हर कानूनी कार्रवाई को राजनीतिक रंग देना, उसका विरोध करना, अल्पसंख्यकों को भड़काना, जातिगत विद्वेष को बढ़ाना ही अधिकांश शीर्ष विपक्षी नेता कर रहे हैं। हाल ही में ई.डी. द्वारा एक शीर्ष नेता को पूछताछ हेतु बुलाने पर जो हंगामा, प्रदर्शन और तथाकथित सत्याग्रह किया गया, उसकी जितनी भर्त्सना की जाय कम है। आश्चर्य तो यह है कि उनके अन्य बड़े-बड़े नेता व मुख्यमंत्री भी चापलूसी का कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। क्या यह प्रजातंत्र की रक्षा हेतु है या एक व्यक्ति की रक्षा हेतु है?

विपक्ष अधिकांशतः परिवारवाद का पोषक बन रहा है, जिसने लोकशाही को खोखला किया है। क्या औचित्य है कि एक दल में एक ही परिवार की पाँच पीढ़ियाँ कुण्डली मार कर सिंहासन पर विराजी रहें? राजस्थान के मुख्यमंत्री एक वरिष्ठ एवं बुज़ुर्ग नेता हैं, आश्चर्य है कि वे भी इस तथाकथित निरर्थक तथा अनावश्यक 'सत्याग्रह' के संभागी हैं। आश्चर्य तो यह है कि नेता लोग जन भावनाओं से खिलवाड़ कर रहे हैं, इससे उन्हें क्या लाभ होगा या हानि यह तो समय बतायेगा। अधिकांश नेता इस मुल्क को अपना मुल्क क्यों नहीं समझते? क्या जातिगत आरक्षण ने इस देश में विषमता पैदा नहीं की? क्या जातिगत जनगणना उसे और नहीं बढ़ायेगी? क्या जनसंख्या नियंत्रण विधेयक आवश्यक नहीं है, जो कई अधिक आबादी वाले देशों में लागू है? जो भी देश का हित चिंतक है वह हैरान है सैन्य सशक्तीकरण के विरोध पर, तथा रफाल व अन्य युद्ध सामग्री की खरीद के विरोध पर। विपक्ष सबल हो, सशक्त हो, परंतु देश को हानि पहुँचा कर नहीं, तबाही के रास्ते पर ले जाकर नहीं। कर्मफल तो मिलेगा ही, पर उस समय तक देश की काफी हानि हो चुकी होगी, अतः उचित होगा कि अधिकांश नेता जो देश का अहित कर रहे हैं, अभी से सचेत हों और नकारात्मक तथा विध्वंसात्मक राजनीति से बाज़ आयें।

कृषि विधेयक, ई.डी. की पूछताछ व अग्निपथ योजना आदि को लेकर भी विपक्ष का जो उग्र प्रदर्शनात्मक व हिंसात्मक रवैया रहा है, वह यह दर्शाता है कि विपक्ष के अधिकांश नेता मुल्क को तबाह करने पर आमाद हैं।

–अतिथि सम्पादक,
कैलाश विहारी वाजपेयी,
(स्वतंत्र चिंतक व लेखक)

समाचार चैनलों से दूर होते आम नागरिक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

रॉयटर्स इंस्टीट्यूट की हालिया रिपोर्ट इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि दुनिया के देशों में लोगों का समाचार चैनलों द्वारा दिखाए जा रहे समाचारों की लोकप्रियता, दर्शनियता और विश्वसनीयता कम होती जा रही है और इस कारण से लोगों को इलेक्ट्रोनिक मीडिया पर दिखाए जाने वाले समाचारों के प्रति रुझान लगातार कम होता जा रहा है। यहां तक होने लगा है कि लोग एक समय जिस तरह से समाचारों को बेसब्री से इंतजार किया करते थे आज कई देशों में तो आधे से अधिक लोग समाचार देखना ही पसंद नहीं करते। लगभग यही स्थिति हमारे देश में होती जा रही है। लोगों का समाचारों के प्रति रुझान लगातार कम होता जा रहा है या यों कहें कि टीवी चैनलों पर लोगों का भरोसा कम होता जा रहा है। इसके कारण भी है। जिस तरह से समाचारों को सनसनी बनाकर प्रस्तुत किया जाता है और जिस तरह से घटनाओं को लेकर बहस होती है उसका स्तर इतना गिर गया है कि लोग देखना ही पसंद नहीं करने लगे हैं।

समाचार चैनलों पर जिस तरह से राई को पहाड़ और बहस के दौरान प्रवक्ताओं द्वारा एक दूसरे पर छींटाकसी की जाती है, एक-दूसरे को नीचा दिखाने के प्रयास होते हैं, जिस तरह से वितण्डा पर आ जाते हैं उससे लोगों का इन बहसों और समाचारों से मोह भंग होता जा रहा है। यही कारण है कि समाचार चैनलों को अब अपने प्रोग्राम में कुछ अन्य तरह के कार्यक्रम जैसे क्राइम समाचार, ज्योतिष, स्वास्थ्य या अन्य को जोड़ना पड़ रहा है। यह कोई हमारे देश की चिंता या यथार्थ नहीं है अपितु अधिकांश देशों में यही हो रहा है।

रॉयटर्स इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट के अनुसार ब्राजील में 54 प्रतिशत तो अमेरिका में 42 प्रतिशत लोगों ने चैनलों पर न्यूज देखना ही छोड़ दिया है। इंग्लैण्ड में 46 प्रतिशत लोगों ने तो आस्ट्रेलिया में 41 प्रतिशत, फांस में 36 प्रतिशत, स्पेन में 35 प्रतिशत, जर्मनी में 29 प्रतिशत और जापान में 14 प्रतिशत लोगों ने समाचार देखना ही बंद कर दिया है। दरअसल इसके पीछे जो कारण है वह टीआरपी के चक्कर में समाचारों की मनमानी तरीके और बेहद सनसनी बनाकर प्रस्तुत करना है। लोगों को समाचारों से उब भी इसलिए हो गई है कि जो समाचार सीधे-सपाट तरीके से दिखाया जा सकता है उसे जलेबी की तरह फैला दिया जाता है और अंत में समाचारों का रायता इस तरह से फैल जाता है कि उसे समेटना मुश्किल हो जाता है। समाचारों पर केन्द्रित बहस कार्यक्रमों में तो एक-दूसरे को नीचा दिखाना ही स्तर रह गया है। समाचारों के प्रति जिस तरह से लोगों का रुझान कम हो रहा है इसे लेकर चैनलों को भी समय रहते सोचना होगा।

हमारे देश की बात करें तो हमें अधिक नहीं कुछ दशक पहले ही जाना होगा, टीवी आने से पहले के दिन याद कीजिए पुरानी पीढ़ी के लोग उस समय के समाचार बुलेटिन की अहमियत समझते थे और राष्ट्रीय समाचारों के लिए रेडियों पर सुबह आठ बजे और रात पौने नौ बजे के समाचारों का बेसब्री से इंतजार करते थे। घड़ी का भी समय समाचारों से मिलाया जाता था तो समाचारों की विश्वसनीयता भी थी। इसी तरह से लोकल समाचारों के भी समय तय थे और उनका इंतजार रहता था। उस जमाने में पान की दुकानों पर भी लोग समाचार सुनने के लिए एकत्रित हो जाते थे। रेडियों पर सुने गए समाचारों पर लोगों को विश्वास रहता था। अविश्वास का तो प्रश्न ही नहीं। उस जमाने के समाचार वाचक किसी डिग्निटी से कम नहीं माने जाते थे। इसके बाद दूरदर्शन के शुरुआती दौर में भी समाचार बुलेटिनों का अपना महत्व रहा। जब शुरुआत में निजी समाचार कार्यक्रम आज तक शुरु हुआ तो लोगों में क्रेज रहा। वैसे देखा जाए तो टीवी चैनल्स के समाचारों के प्रति लोगों की विश्वसनीयता अधिक होनी चाहिए क्योंकि इसमें विजुअल भी होते हैं पर टीआरपी के चक्कर में जिस तरह से समाचार प्रस्तुत होने लगे उससे लोगों का रुझान अपने आप कम होने लगा है।

विशेषज्ञों की माने तो न्यूज की मनमानी प्रस्तुति और सनसनीखेज प्रस्तुतिकरण से लोगों का मोहभंग होने लगा है। एक अन्य कारण समाचार चैनलों पर गिरता बहस का स्तर है। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एक दूसरे पर व्यक्तिगत छींटाकसी के स्तर पर आ जाते हैं और तर्क के स्थान पर कुतर्क के कारण लोग अब इन बहसों से दूर होने लगे हैं। यह सही है कि बहस में अपना पक्ष रखा जाना चाहिए पर अपने पक्ष के स्थान पर तू-तू मैं-मैं के स्तर पर आना और चैनल पर जोर जोर से बोलते हुए सब्जी मण्डी का दृश्य बना देना किसी को भी अच्छा नहीं लगता। नहीं तो देखा जाए तो बहस के माध्यम से अपना पक्ष रखने और अपनी बात कहने का अच्छा प्लेटफार्म मिलता है पर हो इसके उलट ही रहा है। कई बार तो ऐसा लगने लगता है कि प्रस्तोता ही किसी विचारधारा विशेष के प्रमोटर लगते हैं और यही कारण है कि बहस का स्तर स्तर नहीं रह पाता है।

अब समय आ गया है जब समाचार चैनलों को अपनी भूमिका नए सिरे से तय करनी होगी। कभी रेडियो जिस तरह से आम आदमी के दिलोदिमाग में रच-बस गया था वैसी इमेज समाचार चैनलों को बनानी होगी। बहसों में भी प्रवक्ताओं को पूरी तैयारी के साथ आना होगा और दूसरे पर कटाक्ष के स्थान पर अपना पक्ष या चर्चा के विषय पर सार्थक बहस करनी होगी तो समाचार चैनल अपने अस्तित्व को बचाए रख सकेंगे। कारण साफ है अच्छी प्रस्तुति को लोग देखना पसंद करते हैं और टीआरपी अपने आप बढ़ती है। सनसनी से आप कुछ समय के लिए तो टीआरपी बढ़ा सकते हैं पर अपनी पहचार खो देते हैं। मीडिया विशेषज्ञों को भी इस दिशा में सोचना और प्रयास करना होगा।

–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

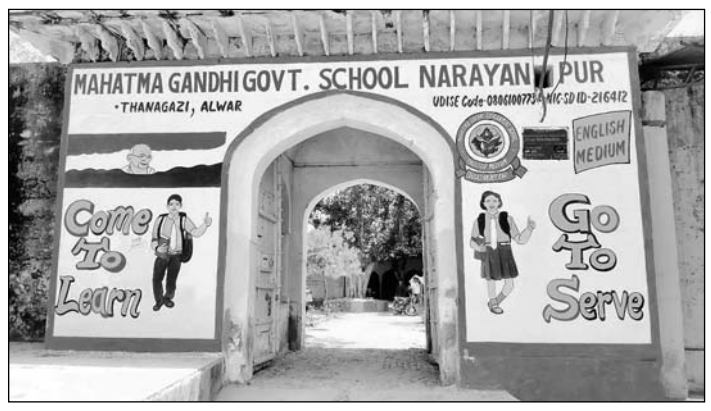

नारायणपुर में बालिका स्कूल से रूपांतरित हुई इंग्लिश मीडियम स्कूल।

हिन्दी मीडियम गर्ल्स स्कूल को अंग्रेजी मीडियम बनाने पर रोष

नारायणपुर, (निसं)। राज्य सरकार द्वारा कस्बे में स्थित बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय व मुण्डावरा में स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय को महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम में रूपांतरित किये जाने पर ग्रामीणों ने अब इन स्कूलों का विरोध करना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि उपखंड क्षेत्र में एक ही बालिका सीनियर सैकण्डरी स्कूल है जिसमें करीब 374 छात्रा अध्ययनरत हैं। इसको सरकार ने कक्षा 1 से 8 तक इंग्लिश मीडियम स्कूल में रूपांतरित कर दिया है। इससे बालिका पढ़ने के लिए कहा जायेंगी इसकी चिंता उन्हें सताने लग गई है।

दरअसल इस बार उपखंड क्षेत्र में 10वीं और 12वीं में सरकारी और निजी स्कूलों में लड़कों के मुकाबले 4 बेटियों ने सर्वाधिक अंक प्राप्त करके नारायणपुर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इधर ग्राम पंचायत मुण्डावरा में भी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में करीब 650 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं जिसको भी महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में मर्ज कर दिया गया है, जबकि उनमें से अधिकांश छात्रा है और करीब 7 किलोमीटर की दूरी में कोई सीनियर स्कूल नहीं है, जिसमें दो संकाय संचालित हैं। इसको लेकर ग्राम पंचायत सरपंच और ग्रामीणों ने सीनियर स्कूल को एकीकरण से मुक्त करने के लिए उद्योग मंत्री शकुंतला रावत को पत्र दिया है। इधर पूर्व मंत्री डॉ. रोहिताश शर्मा ने बताया कि सरकार द्वारा जो विद्यालय मर्ज किए गए वो गलत हैं और सरकार द्वारा क्षेत्र की बालिका और हिंदी मीडियम के विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। इसे हम कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे और अगर सरकार द्वारा शीघ्र नारायणपुर बालिका व मुंडावरा स्कूल को एकीकरण से मुक्त नहीं किया तो आंदोलन किया जायेगा।

दबंगों से परेशान परिवार ने एसपी ऑफिस पर धरना दिया

एक महीने पहले भी परिवार कलेक्ट्रेट में भूख हड़ताल में बैठा था

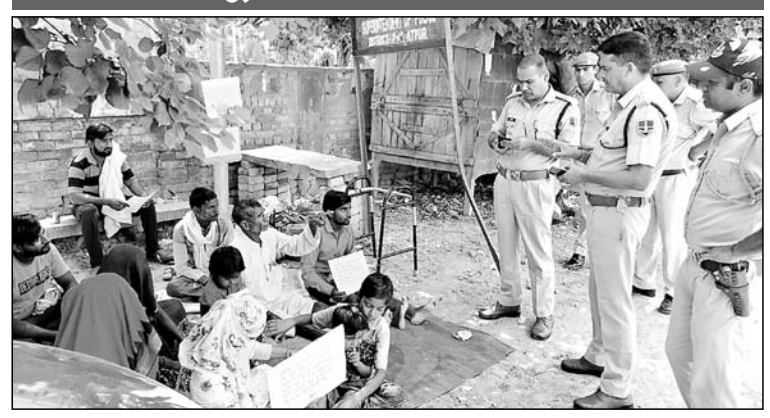

धरने पर बैठे पीड़ित परिवार से पुलिस प्रशासन ने समझाइश की।

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के नदबई थाना क्षेत्र का एक परिवार दबंगों से परेशान होकर एसपी ऑफिस पर धरना दिया। पीड़ित परिवार ने दबंगों का विरोध किया तो दबंगों ने पीड़ित परिवार से मारपीट कर दी। इन्साफ के लिए परिवार अधिकारियों के चक्कर काट-काट कर परेशान हैं। एक महीने पहले भी परिवार कलेक्ट्रेट में भूख हड़ताल में बैठा था। जिस पर पुलिस प्रशासन ने आश्वाशन दिया की जल्द ही दबंगों के खिलाफ कार्रवाई कर दी जाएगी लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं जिससे नाराज पीड़ित एसपी ऑफिस के सामने अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गया।

ऊंच गांव के रहने वाले पूरन ने बताया कि उनका गांव में एक प्लॉट है। जिसकी पैमाइश करवा दी गई है, लेकिन हेतराम ने उनके प्लॉट पर पट्टियां गाढ़ कर अतिक्रमण कर लिया है। जब अतिक्रमण का विरोध किया गया तो दबंगों ने पीड़ित परिवार की पिटाई कर डाली। जिसकी शिकायत नदबई थाने में दर्ज करवाई लेकिन आरोपी खुले में घूम रहे हैं और पीड़ित परिवार को धमकियां दे रहे हैं, लेकिन पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही।

आरोपी लगातार मुक़दमे में राजीनामे का दबाव बना रहे हैं। जिससे परेशान होकर पीड़ित परिवार एक महीने पहले कलेक्ट्रेट पर भूख हड़ताल पर बैठ गया। लेकिन पुलिस प्रशासन ने आश्वाशन दिया की जल्द ही कोई न कोई कार्रवाई की जाएगी। लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई जिसके बाद आज फिर से पीड़ित परिवार एसपी ऑफिस के सामने धरने पर बैठ गया।

प्रसिद्ध धार्मिक स्थल नईनाथ धाम में लव-कुश वाटिका बनेगी

नईनाथ धाम को पर्यटन स्थल का जल्द दर्जा दिलाने के लिए बस्सी विधायक प्रयासरत

बस्सी, (निसं)। पर्यावरण संरक्षण के प्रति शिक्षित एवं जागरूक करने व बच्चों, बड़ों एवं आमजन में वनानुभाव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश की गहलोत सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में 2-2 करोड रुपए की लागत से लव-कुश वाटिकाओं का निर्माण किया जा रहा है।

इसी तरह जयपुर जिले के बस्सी विधानसभा क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल नईनाथ धाम में भी लव-कुश वाटिका का निर्माण किया जाएगा। क्षेत्रीय वन अधिकारी पृथ्वीराज मीणा ने बताया कि इन वाटिकाओं में वहां के स्थानीय वातावरण एवं पारिस्थितिकी के अनुकूल स्थानीय वनस्पतियां, छायादार फल-फूल एवं औषधीय पौधे लगाए जाएंगे ताकि लोगों को वनानुभव मिल सके। इसके साथ ही लोगों को प्रकृति का अहसास हो सके, इसके लिये इन वाटिकाओं के निर्माण में भी प्राकृतिक सामग्री का उपयोग किया जाएगा।

वहीं बस्सी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान गणेश नारायण शर्मा ने बताया कि बस्सी में लव-कुश वाटिका का निर्माण इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि नईनाथ धाम जयपुर जिले समेत आस पास के जिले के लोगों की धार्मिक आस्था का केंद्र है। इसके साथ ही यहां के लोग भी नईनाथ धाम को पर्यटन स्थल के रूप में देखना चाहते हैं। इसके लिए बस्सी विधायक लक्ष्मण मीणा ने ही सरकार से आग्रह किया था और उनके आग्रह पर ही बस्सी के नईनाथ धाम में लव कुश वाटिका का निर्माण किया जाएगा ताकि आगे सही समय पर पर्यटन स्थल के सभी मापदण्ड पूरे होने के बाद नईनाथ धाम को पर्यटन स्थल के रूप में दर्जा मिल सके।

इसके साथ ही शर्मा ने बताया कि फिलहाल नईनाथ धाम को पर्यटन स्थल का दर्जा नहीं मिला हुआ लेकिन फिर भी इस धार्मिक स्थल पर पर्यटकों की भीड रहती है और लगातार यहां लोगों की आस्था बढती जा रही है। साथ ही 17 लाख रुपए की लागत से नईनाथ मंदिर से 1 किलोमीटर पहले गणेश जी मोड पर 21 फीट उंचाई एवं साढे 35 फीट चौडाई का मुख्य प्रवेश द्वार बनाया जाएगा जिसमें एक गेट से प्रवेश तो दूसरे गेट से निकास होगा। इसके अलावा 50 लाख रुपए की लागत से यहां पर पार्किंग, सुलभ शौचालय एवं पानी की भी उचित व्यवस्था की जायेगी ताकि आने वाले समय में नईनाथ धाम को पर्यटन स्थल का दर्जा मिल सके।

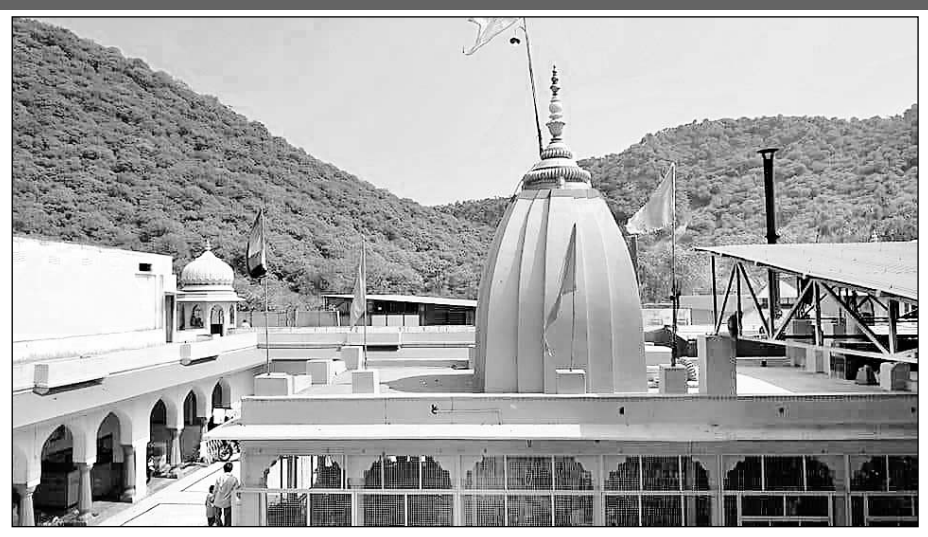

जयपुर जिले के बस्सी क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल नईनाथ धाम।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शनिवार 25 जून, 2022

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, भरणी नक्षत्र दिन 10:24 तक, धृति योग रविवार प्रातः 5:53 तक, कौलव करण दिन 12:11 तक, चन्द्रमा सांय 5:02 पर वृष राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

त्रिपुष्कर योग दिन 10:24 से रात्रि 1:10 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:21 से 9:04 तक, चर 12:29 से 2:12 तक, लाभ-अमृत 7:21 से 5:37 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:20

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अनावश्यक धन खर्च होगा। पारिवारिक व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है।

वृष
आर्थिक/वित्तीय मामलों में प्रगति होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय के नवीन स्त्रोत सामने आयेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिव कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
धार्मिक कार्यों में आस्था बढ़ेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिव स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालने का प्रयास करे। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बना रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। मन का भय समाप्त होगा।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। मन खिन्न रहेगा। परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा।

मकर
परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

मीन
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

नैनो यूरिया उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी उपयोगी : श्रेया गुहा

जयपुर, (का.सं.)। प्रमुख शासन सचिव, सहकारिता श्रेया गुहा ने कहा कि किसान कृषि कार्यों में यूरिया के स्थान पर नैनो यूरिया का इस्तेमाल करे। नैनो यूरिया उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी बहुत उपयोगी है। सहकारी समितियां सहकार जन के माध्यम से नैनो यूरिया के इस्तेमाल एवं इससे होने वाले फायदों के बारे में किसानों को जागरूक करें। उन्होंने कहा कि कृषि एवं सहकारिता विभाग को नैनो यूरिया की जानकारी पहुंचाने के लिए जिला एवं ब्लॉक लेवल पर सम्मेलन करने चाहिए।

गुहा सहकार भवन में आयोजित राज्य स्तरीय सहकार सम्मेलन को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि नैनो यूरिया किसानों के हित का नया उत्पाद है। जिसका फायदा किसानों के साथ-साथ सहकारी समितियों को भी होगा। उन्होंने कहा कि सहकारिता का आंदोलन समुदाय को सशक्त करने के लिए हुआ है और केन्द्र में भी नया सहकारिता मंत्रालय बनने और राज्य के भी सहयोग से आने वाले दिनों में सहकारिता को और बल मिलेगा।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रेया गुहा ने सहकार भवन में आयोजित राज्य स्तरीय सहकार सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान रजिस्ट्रार मुक्तानंद अग्रवाल, प्रबंध निदेशक राजफैड उर्मिला राजोरिया, राजफैड के पूर्व अध्यक्ष मांगीलाल डागा, इफको के क्षेत्रीय निदेशक किशन सिंह सहित विभिन्न सहकारी समितियों के अध्यक्ष, व्यवस्थापक उपस्थित थे।

कार्यक्रम के अध्यक्ष इफको के प्रबंध निदेशक डॉ. उदय शंकर अवस्थी ने कहा कि अगले वर्ष नैनो डीएपी को भी किसानों के हित में उपयोग के लिए लाया जाएगा। भारत सरकार ने इफको के नैनो यूरिया को स्वीकृति दे दी है। उन्होंने कहा कि यूरिया का उपयोग कृषि के साथ वातावरण को भी नुकसान पहुंचाता है। राजस्थान में पानी की कमी को देखते हुए नैनो यूरिया का उपयोग अच्छे परिणाम दे रहा है। आज विज्ञान के क्षेत्र में नैनो तकनीक का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में भी नैनो तकनीक के माध्यम से कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ पर्यावरण के अनुकूल एवं उतम स्वास्थ्य के लिए कृषि तकनीक का उपयोग शुरू हुआ है।

रजिस्ट्रार सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने कहा कि किसानों को रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर जैव उर्वरक का उपयोग करना चाहिए। नैनो यूरिया सुगम तरीके से खेती के कार्यो में अपनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता ने कृषि के क्षेत्र में कई

- 'किसान की आमदनी बढ़ाने में कृषि क्षेत्र में नैनो तकनीक का बढ़ावा दिया जाए'
- 'खेती किसानी के लिए वर्ष 2023 में नैनो डीएपी सहकारी समितियों को मिलेगा'

परिवर्तन किए है। इसमें नैनो यूरिया के साथ आने वाले समय में नैनो तकनीक के कृषि कार्य में उपयोग बढ़ेगा। इसमें सहकारिता अपनी भूमिका से किसानों की आमदनी बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक राजफैड उर्मिला राजोरिया, राजफैड के पूर्व अध्यक्ष मांगीलाल डागा, इफको के क्षेत्रीय निदेशक किशन सिंह सहित विभिन्न सहकारी समितियों के अध्यक्ष, व्यवस्थापक उपस्थित थे। केन्द्रीय सहकारी बैंक अजमेर के अध्यक्ष मदन मोहन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विश्वविद्यालयों में एक समान पाठ्यक्रम तैयार करने के निर्देश

संविधान दिवस से पूर्व बनकर तैयार हो जाएं संविधान पार्क : राज्यपाल

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने विश्वविद्यालयों में नई शिक्षा नीति के अनुरूप अद्यतन और एक समान विषयवार पाठ्यक्रम 30 अक्टूबर तक तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इसके लिए राजभवन स्तर से समन्वय स्थापित कर विभिन्न विषयों के अनुसार विश्वविद्यालय कुलपतियों के समूह बनाकर समयबद्ध रूप से पाठ्यक्रम युगानुकूल करने का कार्य किया जाए।

राज्यपाल मिश्र शुक्रवार को यहां राजभवन में प्रदेश के राज्य वित्तपोषित विश्वविद्यालयों की 'कुलपति संवाद' बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में च्वॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) और क्रेडिट ट्रांसफर सहित नई शिक्षा नीति को समग्र रूप में लागू करने के लिए सभी विश्वविद्यालयों को पूरी गंभीरता से प्रयास करने होंगे।

राज्यपाल मिश्र ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क आगामी संविधान दिवस (26 नवम्बर) से पूर्व ही बनकर तैयार हो जाने चाहिए। उन्होंने कुछ विश्वविद्यालयों में संविधान पार्क के निर्माण में आ रही व्यावहारिक कठिनाइयों को दूर करने के लिए कार्यकारी एजेंसी आरएसआरडीसी से बात करने के निर्देश भी दिए।

कुलाधिपति ने कहा कि जिन विश्वविद्यालयों का रेडक्रॉस से अनुबन्ध हो चुका है, वे अपने यहां विद्यार्थियों की रेडक्रॉस गतिविधियों से जुड़े प्रशिक्षण शीघ्र शुरू करवाएं। साथ ही, शेष विश्वविद्यालय भी रेडक्रॉस से जल्द अनुबंध कर विद्यार्थियों को इससे ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों के गोद लिए गांवों में विद्यार्थियों की गतिविधियां बढ़ाए जाने का भी आव्हान किया। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना जगाने में मदद मिलेगी।

मिश्र ने इस दौरान महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमपीयूएटी) को प्रदेश के राजकीय विश्वविद्यालयों में उत्कृष्टता के लिए कुलाधिपति सम्मान प्रदान किया। राज्यपाल की पहल पर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में शैक्षिक उत्कृष्टता और नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के उद्देश्य से नवम्बर 2019 में कुलाधिपति सम्मान दिए जाने की घोषणा की गई थी।

श्री राजपूत करणी सेना के संस्थापक लोकेन्द्र सिंह कालवी की तबियत में सुधार

जयपुर (कासं)। श्री राजपूत करणी सेना के संस्थापक लोकेंद्र सिंह कालवी की तबीयत में अब तेजी से सुधार हो रहा है, उन्हें 21 जून को होश आ गया है, लेकिन फिलहाल डॉक्टर्स ने उन्हें वेंटीलेटर पर ऑब्जर्वेशन में रखा हैं। ज्ञात रहे कि लोकेन्द्र सिंह कालवी को गत 11 जून को पैरालिसिस अटैक (लकवे) और ब्रेन स्टोक की शिकायत थी। इस पर उन्हें सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। जहां न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जन विभाग के डॉक्टर्स की देखरेख में उनका ऑपरेशन किया गया और अब उपचार चल रहा है। यह जानकारी उनके छोटे बेटे प्रताप सिंह कालवी ने दी है।

प्रताप सिंह कालवी ने वीडियो संदेश जारी कर बताया कि उनके पिताजी की तबियत में अब काफी सुधार है। डॉक्टर्स ने तबियत खतरे से बाहर बताई है। 21 जून को उन्हें होश आ गया था, तब से वे काफी ठीक है। शरीर के दाहिने हिस्से में लकवे और ब्रेन स्ट्रोक के कारण फिलहाल बातचीत नहीं कर रहे, लेकिन डॉक्टर्स का कहना है कि उनकी रिकवरी बहुत तेजी से हो रही हैं। फिलहाल उन्हें मेडिकल आईसीयू में ऑब्जर्वेशन में वेंटीलेटर पर रखा गया है, अगले एक हफ्ते में अस्पताल से छुट्टी देने की बात की जा रही है।

- गत 11 जून को लकवे और ब्रेन स्टोक के कारण सवाई मानसिंह अस्पताल में हुआ था ऑपरेशन

पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ लगातार एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुधीर भंडारी और प्रताप सिंह से फोन पर बातचीत करके लोकेन्द्र सिंह कालवी के स्वास्थ्य और उपचार के बारे में जानकारी ले रहे है। प्रताप सिंह ने कहा कि श्री राजपूत करणी सेना के पदाधिकारी और सर्व समाज के लोग लगातार हवन-यज्ञ, पूजा-पाठ करके उनके पिता लोकेंद्र सिंह कालवी के उत्तम स्वास्थ्य और जल्द ठीक होने के लिए प्रार्थना कर रहे है। सभी लोगों की प्रार्थनाओं और डॉक्टर्स की मेहनत का असर ही हैं कि उनकी तबीयत तेजी से सुधर रही है।

बैटरी चलित वाहनों के पंजीयन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

जयपुर, (का.सं.)। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग के आयुक्त कन्हैया लाल स्वामी ने बैटरी चलित वाहनों के पंजीयन के सम्बंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने समस्त पंजीयन अधिकारियों एवं प्रवर्तन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि बैटरी चलित दोपहिया श्रेणी के वाहन विक्रेताओं द्वारा बेचे जाने वाले वाहनों की पूर्ण जांच की जाए कि वे वाहन मोटर वाहन की श्रेणी से मुक्त होने योग्य हैं।

परिवहन आयुक्त ने सभी पंजीयन और प्रवर्तन अधिकारियों को निर्देशित किया कि जांच के दौरान वाहनों के मानदंडों में अंतर पाए जाने पर वाहन विक्रेताओं के विरूद्ध मोटर वाहन अधिनियम, 1988 और मोटर यान नियम, 1989 एवं भारतीय दंड संहिता के तहत कठोर कार्यवाही अमल में लाई जाए। परिवहन आयुक्त ने बताया कि कुछ बैटरी चलित दोपहिया वाहन निर्माता या विक्रेता वाहन को मोटर वाहन की श्रेणी से मुक्त रखे जाने वाले मानदंडों को दर्शा रहे हैं ताकि इन्हें पंजीयन के दायरे से बाहर रखा जाए, जबकि इन वाहनों की गति, बैटरी क्षमता, विद्युत मोटर क्षमता और वाहन का भार वास्तविक रूप से कहीं अधिक होता है। उन्होंने कहा कि ऐसा करना अपराध है और अपराध प्रमाणित होने पर वाहन निर्माता के विरूद्ध एक वर्ष तक के कारावास या एक अरब रूपये तक का जुर्माना या दोनों और वाहन विक्रेता के विरूद्ध एक वर्ष तक के कारावास या एक लाख रूपये तक का जुर्माना या दोनों से दंडित किए जाने का प्रावधान है।

वे बैटरी चालित वाहन जो मोटर वाहन की श्रेणी से मुक्त हैं उनमें ऐसे वाहन जिनकी गति 25 किलोमीटर प्रति घंटा से कम हो, जिनमें 0.25 किलोवाट से कम की 30 मिनट शक्ति वाली विद्युत मोटर लगी हो, वाहन का वजन 60 किलोग्राम से अधिक ना हो (बैटरी का वजन अलग), व वाहन पर ब्रेक लगे हों और आगे एक सफेद एवं पीछे लाल रेट्रोरिफ्लेक्टर लगा हो।

प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा के लिए निःशुल्क यात्रा सुविधा

जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा मुख्यमंत्री की बजट घोषणा की पालना के क्रम मे राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा आयोजित होने वाली 28 जून से 30 जून को प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा-2022 में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों को साधारण एवं एक्सप्रेस बसों मे परीक्षा केन्द्र आने तथा वापस जाने के लिए निःशुल्क यात्रा प्रदान की गई है।

राजस्थान रोडवेज मुख्यालय से सभी मुख्य प्रबन्धको को पाबन्द किया गया है कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा आयोजित होने वाली 28 से 30 जून को प्रयोगशाला सहायक सीधी भर्ती परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों को आने व जाने की सुविधा प्रवेश पत्र के साथ फोटो युक्त आई.डी. के आधार पर एक दिवस पूर्व एवं परीक्षा के एक दिवस बाद के लिये निःशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध करावें।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhbarajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/929 दिनांक-20.6.2022
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 117/467, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 72.00 वर्ग मीटर /वर्ग गज का आवंटन श्री मोहन गुरनानी पुत्र श्री साधूराम गुरनानी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2016 दिनाक 25.01.1988 को जारी किया गया। इनके द्वारा [illegible] श्री मोहन गुरनानी की मृत्यु दिनांक 20.10.2021 को हो जाने के कारण इनकी पत्नी श्रीमती धन्नी देवी गुरनानी पत्नी स्व.श्री मोहन गुरनानी ने मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवदेन किया है। श्रीमती धन्नी देवी गुरनानी पत्नी स्व.श्री मोहन गुरनानी के द्वारा मण्डल अभिलेख में उक्त आवास का मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण अपने पक्ष में करने का निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती धन्नी देवी गुरनानी पत्नी स्व. श्री मोहन गुरनानी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।
उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक वृत्त द्वितीय, जयपुर

इत्तलानामा बनाम रेस्पाडेन्ट
न्यायालय राजस्थान राज्य सहकारी न्यायाधीकरण, जयपुर राजस्थान
अपील नम्बरी मुतफरिक या इजराय 19/15
डिग्री नं......सन्.....
बिनाराजी तजबीज..........
अदालत मुकाम.......... मुकाम..........
मवरिखा..........सन..........
कंवरपाल जैन..........अपीलान्ट
बनाम
पंच निर्णायक एवं निरीक्षक व अन्य
बनाम
(3) अनिक कुमार जैन पुत्र श्री उम्मेदमल जैन, जाति जैन, मकान नम्बर 313, ब्रहम्पुरी, जयपुर।
(4) अमर सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह, निवासी-प्लाट नम्बर 367, खातीपुरा, जसवन्त नगर, जयपुर
मुत्तिला हो कि अपील बिनाराजी डिग्री व तारीख..... इस मुकद्दमें में ने पेश किया और इस अदालत की तजबीज 15 माह 07 सन् 2022 ई. वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई है अगर खुद आप या आपके वकील या कोई और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब व सवालत करने का माजज हो हाजिर न आवेगा तो उसकी समाअत और की जायगी।
आज तारीख 23 माह 06 सन् 22 ई. मेरे दस्तखत और मोहर आदालत से जारी किया।
(मोहर) सहायक रजिस्ट्रार
राजस्थान राज्य सहकारी अधिकारी न्यायालय परिसर बनीपार्क, जयपुर

खोया पाया
मेरे प्लॉट नं. सी-63, श्याम नगर जोन 5 के मूल दस्तावेजों की फाईल जिसमें जेडीए पट्टा, रजिस्ट्री व अन्य कागजात थे वैशाली नगर में कहीं खो गयी है। मिलने पर सूचित करें। दुर्गा पंवार 9829128664

मेरे फ्लैट ए-703, रामाकृष्णा अपार्टमेन्ट मानसरोवर जयपुर के सन्दर्भ में मेरा अलॉटमेन्ट लेटर नं.3305 दिनांक 9/3/2011, रिवाईज अलॉटमेन्ट लेटर दिनांक 15/9/2011, पजेशन लेटर नं.183 दिनांक 11/5/2011, फ्लैट सुपुर्दगी पत्र दिनांक 20/5/2011 एवं नो ड्यूज सर्टिफिकेट नं. 58/407 दिनांक 10/5/2011 खो गये है। सूचित करें-जगेन्द्र सिंह राठौड़ 9887099169

मेरे आवास संख्या 6/एमबी/13 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर का मूल आवंटन पत्र, कब्जा पत्र व सेवन डेज पत्र कहीं खो गये है। यदि किसी को मिले तो निम्न नम्बरों पर सूचित करें। मो.-9351435500

आम सूचना हम डॉ.मोहम्मद सिराज पुत्र मरहूम अब्दुल सत्तार एवं श्रीमती शाहिना परवेज पत्नि डॉ.मोहम्मद सिराज निवासी डी-35 रामनगर शास्त्रीनगर जयपुर सर्वसाधारण को सूचित करते है कि हम एक अचल संपत्ति प्लाट नंबर डी-36 रामनगर, शास्त्रीनगर जयपुर को उसके स्वामी अब्दुल हफीज पुत्र मुनीर मोहम्मद से क्रय कर रहे है। इस संपत्ति का नीलामी पुष्टि पत्र 1976 जोकि किशनचन्द मोहनानी के नाम जारी हुआ था, वह पत्र गुम हो गया है। हम इस संपत्ति पर एस.बी.आई.आमेर ब्रांच कोड 31034 से ऋण ले रहे है। यदि किसी व्यक्ति, संस्था को आपत्ति हो तो हमसे ओर एस.बी.आई.आमेर ब्रांच कोड 31034 से 15 दिवस के भीतर सम्पर्क करे। (डॉ.मौहम्मद सिराज) मो.9414269647

अपील की सुनवाई के लिये नियत दिन की प्रत्यर्थी को सूचना
(आदेश 41 के नियम 14)
नाम न्यायालय अपर जिला न्यायधीश, क्रम-6 स्थान जयपुर महानगर प्रथम
मोहम्मद आजम खां विरूद्ध नगर निगम जयपुर व अन्य
दीवानी विविध अपील सीएमए
अपील नं. 10/2017
अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्रम-3, जयपुर महानगर जयपुर के न्यायालय की तारीख 11.09.2017 के आदेश की अपील पेशी 01.7.2022
1. वसीम खान पुत्र आबिद, जाति मुसलमान, निवासी-मकान नं. 3646, चौकडी तोपखाना हुजुरी, बंजारा बस्तर, जयपुर
2. मोहम्मद शब्बीर पुत्र शहजाद खां, जाति मुसलमान, निवासी -ए-3636, मस्जिद नद्दाफन के पास, बाबू का टीबा, चौकडी तोपखाना हुजूरी, जयपुर।
आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में उक्त आदेश की अपील अप्रार्थी /प्रतिवादी द्वारा उपस्थित की गई है और इस न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिये न्यायालय द्वारा दिनांक 01.07.2022 नियम की गई है।
यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिये विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नही होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति मे सुनी और विनिश्चत की जावेगी।
यह आज तारीख 24 माह 5 सन् 22 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
(मोहर) वरिष्ठ रीडर
न्यायालय अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश क्रम-6, जयपुर महानगर प्रथम

आत्महत्या के लिए उकसाने वाले पति को कारावास

जयपुर। जिले के सत्र न्यायालय ने पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले पति कमल कुमार उर्फ कमलेश रैगर को पांच साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। जुर्माना अदा नहीं करने पर अभियुक्त को छह माह जेल में अतिरिक्त काटने होंगे।

अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक राघवेन्द्र पारीक ने अदालत को बताया कि 20 मई 2019 को मोहनलाल रैगर ने आईसी थाना, जमवारामगढ़ में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि उसकी छोटी बहन सुनीता की शादी करीब बीस साल पहले केला का बास निवासी कमलेश के साथ हुई थी। शादी के बाद अभियुक्त और उसके ससुराल वाले उसे परेशान करते थे। दो दिन पहले अभियुक्त के ताऊ के लड़के के विवाह समारोह के दौरान अभियुक्त ने परिवादी के साथ मारपीट की और सुनीता को जान से मारने की कोशिश की। इस पर अभियुक्त ने सुनीता को पीहर पक्ष के लोगों से मिलने पर मारने की धमकी दी। रिपोर्ट में कहा कि अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर सुनीता के मरने की जानकारी दी। इस पर पीहर पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे। जहां पता चला कि सुनीता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

भारत दुनिया का सबसे समृद्ध देश था इसीलिए बार-बार लूटा गया : पाठक

जयपुर, (का.सं.)। भारत दुनिया का सबसे समृद्ध देश रहा है, यहां की संस्कृति, खान-पान, यहां का खगोल, गणित, आयुष, दर्शन सभी मायनों में भारत के मुकाबले दुनिया में दूसरा देश नहीं था इसीलिए इस देश को आक्रांताओं ने बार-बार लूटा। ग़रीब और संस्कृति विहीन देश पर तो किसी ने आक्रमण नहीं किया। यह कहना था भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी के.के पाठक का। वो शुक्रवार को झालाना स्थित अकादमी संकुल में शुरू हुए तीन दिवसीय संस्कार संस्कृति शिविर के उद्घाटन के मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

- हर व्यक्ति के लिए उसका जीवन आईना है : जस्टिस गोपाल कृष्ण व्यास

अकादमी संकुल में आज़ादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कला एवं संस्कृति विभाग, राजस्थान संस्कृत अकादमी, राजस्थान ललित कला अकादमी, राजस्थान सिंधी अकादमी एवं करुणा संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में 24 से 26 जून तक तीन

दिवसीय संस्कार - संस्कृति शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में कक्षा 10 से स्नातक तक सरकारी/निजी शिक्षण संस्थाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इस मौके आई.ए.एस के.के पाठक के बाद जस्टिस गोपाल कृष्ण व्यास और संस्कृतिविद् पंकज ओझा ने भी विचार रखे।

के. के पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दु धर्म नहीं है ये एक संस्कृति है। 'बहु संस्कृति वाद' का भाव केवल हिन्दु धर्म में ही समाहित है।

जस्टिस गोपाल कृष्ण व्यास ने अपने उद्बोधन में राष्ट्र, समाज और परिवार विषय पर अपने विचार रखते हुए कई रोचक उदाहरणों से कर्तव्य की महत्ता समझाई। उन्होंने कहा कि कोई भी काम छोटा नहीं होता। पिता से कोई काम करने की सलाह मांगने पर उन्होंने कहा कि घर के बाहर जो मोची है उसके पास तू भी एक दुकान लगा ले और उस जैसा बन क्योंकि वो बेहतरीन पॉलिश करता है इसलिए उसके यहां पॉलिश के लिए लोग दो-दो दिन की प्रतीक्षा करते हैं। व्यास ने कहा कि मेरे कहने का अर्थ ये है कि इनसान कोई भी काम करे उसे अपने काम में माहिर होना चाहिए। हर व्यक्ति का जीवन उसका दर्पण होता है जिसमें झांककर वो खुद का विश्लेषण कर सकता है।

नागौर जिले में करोना संक्रमित मरीज की मौत

जयपुर (कासं)। राज्य के नागौर जिले में शुक्रवार को एक करोना संक्रमित रोगी की मौत हुई है। जबकि 14 जिलों में 120 नए रोगी मिले है और 85 मरीज इस बीमारी से रिकवर हुए है। अब प्रदेश में एक्टिव केस बढ़कर 785 हो चुके है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को प्रदेश में विगत दिनों के मुकाबले कोरोना के नए संक्रमितों की संख्या में इजाफा हुआ है। प्रदेश में जहां 120 नए संक्रमित मिले हैं। जयपुर जिले में भी इस दिन 56 नए कोरोना मरीज सामने आए हैं। हालांकि यहां इस दिन 37 कोरोना मरीज ठीक हुए है। और अब जयपुर में 317 एक्टिव केस हो गए हैं। जयपुर के अलावा जोधपुर जिले में 17, उदयपुर में 9, अजमेर में 7, बीकानेर में 6, चूरू में 5, भीलवाड़ा, नागौर और दौसा में 3-3, बाड़मेर और गंगानगर में 2-2 तथा बारां और सिरोही में एक-एक संक्रमित मिला है।

- शुक्रवार को प्रदेश में 120 नए रोगी मिले, इनमें सबसे ज्यादा 56 मरीज जयपुर में सामने आये हैं

जयपुर जिले में शुक्रवार को वैशाली नगर और मानसरोवर में 7-7, जगतपुरा और मालवीय नगर में 5-5, चांदपोल और जवाहर नगर में 3-3, आदर्श नगर, बापू नगर, बरकत नगर, सिविल लाइन्स, दुर्गापुरा, सांगानेर, सोडाला और तिलक नगर में 2-2 संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा अजमेर रोड, बजाज नगर, गोविन्दगढ़, सी स्कीम, घाट गेट, जामडोली, जौहरी बाजार, कोटपूतली, सांभर में एक-एक संक्रमित मिले हैं। जबकि एक संक्रमित का गलत पता लिखाया गया है।

आम सूचना
बाबा आर. गोड ग्रह निर्माण स. समिति की योजना देव विहार बक्सावाला में प्लाट नं. 96 एरिया 150 वर्गगज मैंने भूपेन्द्र कुमार पुत्र श्री गोपाल लाल के नाम से आवंटन पत्र लिया था जिसकी रसीद संख्या 30340/01.04.1998 को किया था वह चोरी हो गया है। किसी को मिले तो जमा करवा दें। भवदीय
(अनीता स्वर्णकार) मो. नं.- 8104146747

आम सूचना हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य श्री पदम कुमार काला पुत्र स्वर्गीय श्री विमल चन्द जैन, अपना मकान नम्बर 499, बोरडी का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर 302003 को बेचान अर्थात विक्रय कर रहा है, जिस किसी को उक्त मकान को बेचने में किसी भी प्रकार की आपत्ति या उज्र हो तो विज्ञपति जारी होने के 15 दिवस में अपनी अपनी आपत्ति मय सबूत निम्नहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय समय 5 पी.एम.से 8 पी.एम. तक प्रस्तुत करे बाद मियाद मेरा अभिभाष्य उक्त मकान मय तामीरात का विक्रय करने को स्वतन्त्र रहेगा अर्थात बाद मियाद कोई आपत्ति या आक्षेप मान्य नहीं होगी ना ही ऐसे आक्षेप से बाध्य ही होगें। सूचित रहे।
यश शर्मा, एफ-26 घीया मार्ग, बनीपार्क जयपुर, मो.नं. 9660656565

कार्यालय नगर निगम, ग्रेटर, जयपुर
क्र.- एफ-6( )उपा.राज.-द्वि.(सा.प्र.)/ननिज/2022/1110
सार्वजनिक सूचना दिनांक-24.06.2022
मूल भूखण्ड संख्या 130, आदर्श नगर जयपुर का पुर्नवास विभाग, जयपुर द्वारा श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री नरसिंह दास के नाम से क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज भूमि का आवंटन किया गया था। श्रीमती शान्ति देवी एवं उनके पति की मृत्यु उपरान्त श्रीमती शान्ति मदान पुत्री स्व. श्री नरसिंह दास उक्त भूखण्ड में से अपना अविभाजित 1/5 हिस्से का मुख्त्यारनामा आम श्रीमती वीना सेठी पत्नी श्री विनोद कुमार सेठी को नियुक्त किया। श्री महेन्द्र कुमार सेठी पुत्र स्व. श्री नरसिंह दास उक्त भूखण्ड में से अपना अविभाजित 1/5 हिस्से का मुख्त्यारनामा आम श्रीमती वीना सेठी पत्नी श्री विनोद कुमार सेठी को नियुक्त किया। श्रीमती सुदेश लूथरा पुत्री स्व. श्री नरसिंह दास उक्त भूखण्ड में से अपना अविभाजित 1/5 हिस्से का मुख्त्यारनामा आम श्रीमती वीना सेठी पत्नी श्री विनोद कुमार सेठी को नियुक्त किया। श्रीमती वीना सेठी पत्नी श्री विनोद कुमार सेठी बहैसियत मुख्त्यारआम 1. श्री महेन्द्र कुमार सेठी 2. श्रीमती शान्ति मदान 3. श्रीमती सुदेश लूथरा द्वारा उक्त भूखण्ड संख्या 130, गुरूनानकपुरा, जयपुर में से अपना- अपना अविभाजित हिस्सा श्री विनोद कुमार सेठी के पक्ष पक्ष में रजिस्टर्ड हक त्याग किया गया। आवेदक द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र की, रजिस्टर्ड मुख्त्यारनामा आम, रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र, Relinquishment Deed, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा श्री विनोद कुमार सेठी पुत्र स्व. श्री एन.डी.सेठी के पक्ष में क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज का पट्टा जारी किया जाना है। इस पट्टा जारी किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी
उपायुक्त (राजस्व- द्वितीय), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

इत्तला नामा बनाम रेस्पोडेंट
न्यायालय राजस्थान राज्य सहकारी अधिकरण, जयपुर राजस्थान
अपील संख्या 58/2022
स्थान संख्या 60/2022
बिनाराजी तजबीज.........
अदालत मुकाम.......मुकाम.......
मवरिखा.......सन्.......
नाथूराम गुर्जर बनाम उम्मेद सिंह व अन्य बनाम
प्रत्यर्थी सं.- 1 उम्मेद सिंह लोढ़ा पुत्र श्री बी.एल.लोढ़ा, निवासी-ए-110, आत्रेय पथ, श्याम नगर, अजमेर रोड, जयपुर -302019
प्रत्यार्थी सं.-4 पंच निर्णायक एवं सहायक रजिस्ट्रार, कार्यालय विशेष लेखा परीक्षक सहकारी समितियॉ, जयपुर शहर जयपुर
मुत्तिला हो कि अपील बिनाराजी डिग्री व तारीख .....इस मुकदमें मे...... ने.....पेश किया है और इस अदालत की तजबीज 04 माह 07 सन् 2022 ई.वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई है अगर खुद आप या आपके वकील या कोईऔर शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा मे जवाब व सवालात करने का माजज हो जाहिर न आवेगा तो उसकी समाअत और की जावेगी।
आज तारीख 23 माह 6 सन् 2022 ई. मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया।
सहायक रजिस्ट्रार
राजस्थान राज्य सहकारी अधिकरण महानगर न्यायालय परिसर, बनीपार्क,
(मोहर) जयपुर-302016

रेलवे में स्वीकृत कार्यों के शीघ्र निपटान के दिये निर्देश

जयपुर, (का.सं.)। महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे विजय शर्मा ने उत्तर पश्चिम रेलवे पर विभागों के विभागाध्यक्षों तथा चारों मण्डलों के मण्डल रेल प्रबंधको के साथ आज कार्य समीक्षा बैठक की। समीक्षा बैठक में महाप्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे ने स्वीकृत कार्यों के लक्ष्यानुसार पूरा करने पर विशेष ध्यान देने के दिशा-निर्देश प्रदान किये।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार कार्य समीक्षा बैठक में महाप्रबन्धक ने निर्धारित लक्ष्यों के अतिरिक्त स्वीकृत कार्यों को भी पूरा करने, वर्ष 2022-23 में अम्ब्रेला वर्क के कार्यों के प्रस्ताव के साथ ही गतिशक्ति योजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली एवं कार्यों को शीघ्र पूरा करने के दिशा-निर्देश प्रदान किये। मानसून काल को मद्देनजर रेलसेवाओं के सुरक्षित एवं संरक्षित संचालन पर विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिये। बैठक में महाप्रबन्धक ने हॉस्पिटल मैनेजमेंट इन्फोर्मेशन प्रणाली, ई-ऑक्शन प्रणाली पर विशेष बल देते हुए समस्त मण्डलों के इसके क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की।

महाप्रबंधक उत्तर-पश्चिम रेलवे विजय शर्मा ने रेलवे पर विभागों के विभागाध्यक्षों तथा चारों मण्डलों के मण्डल रेल प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक ली।

बैठक में मण्डल रेल प्रबन्धकों ने भी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से मण्डलों की प्रगति के बारे में जानकारी प्रदान की। विजय शर्मा ने कहा कि संरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि है एवं यात्री सुविधाओं संबंधित कार्य यथा लिफ्ट, एस्केलेटर, फुट ओवर ब्रिज इत्यादि पर सतत् निगरानी के साथ-साथ रेल पथ कार्यो की मॉनिटरिंग सुचारू रूप से करने के निर्देश भी दिये। रेलवे पर चल रहे आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के कार्यो यथा विद्युतीकरण एवं दोहरीकरण कार्यो को समय सीमा में पूर्ण करने के लिए विशेष मॉनिटरिंग पर भी बल दिया गया।

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि.जयपुर
5वीं व 6ठीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone: 0141-271805, E-mail:rschfjaipur@yahoo.com
क्रमांक-100/22 दिनांक-23.6.2022
आम सूचना संघ की आवासीय योजना कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड, जयपुर का भवन संख्या-2-च-10 श्री जी.सी.गुप्ता को आवंटित किया गया था श्री गुप्ता द्वारा श्री [illegible] ललित कुमार [illegible] 10 कमला [illegible] ललित कुमार [illegible]
(आर.के.शर्मा) प्रबंध निदेशक, आवासन संघ लि, जयपुर

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम कंचन हरप्लानी पत्नी श्री सुरेश हरप्लानी निवासी डी-76/206, घीया मार्ग, बनीपार्क से बदलकर सीमा हरप्लानी रख लिया है। भविष्य में मुझे सीमा हरप्लानी के नाम से जाना जावें।

I have changed my name from Pooja Khubani to Pooja Teckchandani Therefore I will be known or distinguished in public by new name of Pooja Teckchandani Add.: 18, Mansukh 3rd Floor Near D.C.M. Heera Nagar Ajmer Road, Jaipur.

नगर निगम जयपुर, हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पास)
(आयोजना-प्रथम प्रकोष्ठ)
क्रमांक: एफ-13 () उपा. आयो. प्रथम/ननिज./2022/800 दिनांक 21/6/2022
-: सार्वजनिक सूचना :-
विषय:- जयपुर विकास प्राधिकरण अधिनियम 1982 की धारा 25 (3) एवं राजस्थान नगर पालिका (भू-उपयोग परिवर्तन) नियम 2010 के नियम 4 (1) भू-उपयोग परिवर्तन नियम 2021 के अन्तर्गत आपत्तियां/ सुझाव करने हेतु विज्ञप्ति।
नगर निगम, जयपुर में निम्न वर्णित भूखण्ड धारक में कॉलम 4 में वर्णित मास्टर प्लान विकास योजना 2025 (जयपुर रीजन), आवासीय में निर्धारित भू-उपयोग का कॉलम 5 में वर्णित आवासीय से व्यवसायिक भू-उपयोग हेतु आवेदन किया है जिसका ब्यौरा निम्नानुसार है-

क्र. सं.	आवेदक का नाम, भूखण्ड संख्या योजना का नाम	आवंटित आवासीय भूखण्ड का क्षेत्रफल	मास्टर विकास योजना 2025 (जयपुर रीजन) में निर्धारित उपयोग	आवेदक द्वारा चाहा गया भू-उपयोग
1	2	3	4	5
1	श्री गोवर्धन प्रसाद सिंघल भू. सं. ओ-21-बी, अशोक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर	1080.86 व.ग.	व्यावसायिक	व्यावसायिक

यदि किसी व्यक्ति/ संस्था को उपरोक्त केसम्बन्ध में कोई आपत्ति/ सुझाव हो तो इस सूचना के जारी होने की तिथि से 15 दिन की अवधि तक अपनी आपत्ति/ सुझाव कारणों सहित नगर निगम जयपुर, हैरिटेज के आयोजना शाखा में प्रस्तुत कर सकते हैं।
(अवधेश मीना) आयुक्त
नगर निगम जयपुर, हैरिटेज

हैड कांस्टेबल को पकड़ने गई एसीबी टीम पर पथराव, आरोपी को भी छुड़ाया

करौली एसीबी की टीम के डीएसपी सहित पुलिसकर्मी घायल हुए

धौलपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार के मामले में फरार चल रहे हैड कांस्टेबल को रात में पकड़ने आई करौली की एसीबी टीम को परिजनों ने बदमाश समझकर पथराव कर दिया और मारपीट की। इसमें एसीबी की टीम के डीएसपी सहित पुलिसकर्मी घायल हो गए। साथ ही पथराव में गाड़ी का कांचा टूट गया। इस दौरान परिजन एसीबी की टीम से आरोपी हैड कांस्टेबल को भी छुड़ा ले गए।

एसीबी करौली की टीम ने करीब 1 वर्ष पूर्व धौलपुर शहर की पचगांव पुलिस चौकी पर भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई की थी। जिसमें हैड कॉन्स्टेबल विनोद शर्मा अभी तक एसीबी की पकड़ से दूर था। जिसे लेकर गुरुवार- शुक्रवार की रात एसीबी करौली की टीम धौलपुर पहुंची। जहां उसने गौशाला कॉलोनी स्थित हैड कॉन्स्टेबल विनोद शर्मा के घर कार्रवाई करते हुए आरोपी विनोद को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद टीम ने गिरफ्तार हैड कॉन्स्टेबल को जैसे ही गाड़ी में बैठाया तो वह चीखने लगा। जिस पर उसके परिजनों और पड़ौसियों ने एसीबी की टीम पर पथराव कर दिया तथा मारपीट की। पथराव व मारपीट में करौली एसीबी के डीएसपी अमरचंद के साथ दो कांस्टेबल घायल हो गए। इस दौरान आरोपी हैड कांस्टेबल के परिजन उसे एसीबी टीम के कब्जे से छुड़ाकर भी ले गए।

घटना को लेकर निहालगंज थाने में एसीबी टीम ने एफआईआर दर्ज कराई।

वहीं इस मामले में दूसरी बात यह भी निकल कर सामने आ रही है कि आरोपी हैड कांस्टेबल के परिजनों ने एसीबी टीम को बदमाश समझा था। जिस कारण उन्होंने अपहरण की आशंका को देखते हुए एसीबी टीम की कार्रवाई का विरोध किया और टीम के साथ धक्का-मुक्की करते हुए हैड कांस्टेबल को कब्जे से छुड़ा लिया। एसीबी के पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि मामले को लेकर निहालगंज थाने में आधा दर्जन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है।

- एक वर्ष पूर्व पचगांव पुलिस चौकी पर तैनात हैड कांस्टेबल विनोद शर्मा ने एक स्कूटी को छोड़ने की एवज में 50 हजार रूपए मांगे थे

आपको बता दें कि 1 वर्ष पूर्व पचगांव पुलिस चौकी पर तैनात हैड कांस्टेबल विनोद शर्मा ने एक स्कूटी को छोड़ने की एवज में 50 हजार रूपए मांगे थे। जिस मामले में परिवादी ने एसीबी की टीम को शिकायत देकर 20 हजार आरोपी तो दे दिए। पैसे मिलने के बाद एसीबी की टीम को देखकर आरोपी हैड कांस्टेबल मौके से भाग गया था। वहीं तत्कालीन चौकी इंचार्ज को एसीबी टीम ने गिरफ्तार कर लिया था।

10वीं का परिणाम कम रहने पर स्कूल के गेट पर ताला जड़ा

ग्रामीणों ने प्रिंसिपल को सड़क पर बैठाकर रिजल्ट पर की चर्चा

अलवर, (निसं)। अलवर मुख्यालय से 10 किलोमीटर दूर तिजारा रोड पर सिरमौली गांव के सरकारी स्कूल के रिजल्ट से हर कोई हैरान है। जिसमें आधे स्टूडेंट 10 वीं परीक्षा में फेल हो गए। इस स्कूल में 10 वीं क्लास के 26 स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी। 12 स्टूडेंट फैल हैं, 2 सप्लीमेंट्री हो गए। सबसे ज्यादा मार्क्स 51 परसेंट आए हैं। इस पर गांव वाले स्कूल खुलने का इंतजार कर रहे थे। शुक्रवार को स्कूल खुला तो परिजनों ने स्कूल पर धावा बोल दिया। गेट पर ताला लगाकर वहीं धरना देकर बैठ गए। टीचर्स को स्कूल में कदम नहीं रखने दिया। प्रिंसिपल को सड़क पर बैठाकर रिजल्ट पर चर्चा करने लगे।

बता दें कि स्कूल में प्रिंसिपल समेत 14 टीचर्स का स्टाफ है। गांव वालों का कहना है कि सरकार इन्हें लाखों रुपए सैलरी देती है। लेकिन पढाई का ये हाल है कि बच्चे फेल हो रहे हैं। आज जहां रिजल्ट 100 प्रतिशत रहने लगा है जबकि इस स्कूल में 10वीं का रिजल्ट 46 प्रतिशत रहा है। आधे बच्चे फेल हो गए। स्कूल ने 90 का दशक याद दिला दिया, जब गिने-चुने बच्चे ही पास होते थे। ग्रामीणों ने प्रिंसिपल और स्टाफ को हटाने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि राजस्थान का दसवीं का रिजल्ट 83 परसेंट है। जबकि सिरमौली स्कूल का रिजल्ट केवल 46 परसेंट है। ये सबसे खराब रिजल्ट है। प्रिंसिपल के स्तर पर स्कूल का संचालन सही नहीं हुआ। तभी तो हिंदी व विज्ञान विषय में सब बच्चे फेल हो गए। स्कूल में हंगामे की सूचना पर सीबीईओ ओमशंकर वर्मा मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों से बात की। सीबीईओ वर्मा ने प्रिंसिपल बीएल मीणा को हटाने का आश्वासन दिया तब ताला खोला।

विद्यालय के बाहर बैठे ग्रामीण।

प्रिंसिपल बीएल मीणा ने बताया कि 12वीं में सभी बच्चे पास हो गए हैं। यही टीचर्स पढाने वाले हैं। इस बार कोरोना की वजह से स्टूडेंट्स ने पढाई पर ध्यान नहीं दिया, स्कूल न के बराबर आए। घर पर पैरेंट्स और अभिभावकों ने बच्चों पर ध्यान नहीं दिया। इस वजह से रिजल्ट कम रहा। अंग्रेजी व गणित में स्टूडेंट पास हो गए। केवल हिंदी व विज्ञान में ही क्यों फेल हुए हैं। यह समझ से परे है।

देहात भाजपाध्यक्ष को ब्लैकमेल कर 50 लाख की फिरौती मांगी

बीकानेर, (कासं)। भारतीय जनता पार्टी के बीकानेर देहात अध्यक्ष ताराचंद सारस्वत को अश्लील वीडियो के मामले में फंसाने की धमकी देते हुए पचास लाख रुपए की फिरौती मांगी गई है। पुलिस ने इस मामले में दो युवकों को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में लोगों के अश्लील वीडियो बनाकर फिरौती मांगने वाले एक गिरोह के सदस्य श्रीडूंगरगढ़ में सक्रिय है। देहात भाजपाध्यक्ष ताराचंद सारस्वत ने बताया कि कुछ लोग लंबे समय से उन्हें परेशान कर रहे थे। ये लोग अश्लील वीडियो बनाकर राजनीतिक केरियर खत्म करने की चेतावनी दे रहे थे।

पिछले दिनों उनके घर तक पहुंचकर रुपए की डिमांड की। पचास लाख रुपए मांगे गए और मना करने पर अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी दी। ये लोग जब घर आए तो इनकी गाड़ी के नंबर आ गए थे। इसी से ट्रेस किया गया तो श्रीडूंगरगढ़ के निवासी के रूप में पहचान हो गई। इस बारे में बीछवाल पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया गया है, जहां से दो युवकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। अब पुलिस शाम तक इनका खुलासा कर सकती है। बताया जा रहा है कि सोशल मीडिया पर उपलब्ध फोटो के सहारे अश्लील वीडियो भी तैयार किए थे। ये वीडियो बाद में ताराचंद सारस्वत को दिखाते हुए ब्लैकमेल किया गया।

पहली से आठवीं कक्षा की पढ़ाई में बड़ा बदलाव

चार पीरियड पिछली दो क्लास के लगेंगे, चार नई कक्षा के होंगे

बीकानेर, (कासं)। राज्य सरकार ने पहली से आठवीं कक्षा तक के पढ़ाई के पैटर्न में बड़ा बदलाव किया है। इस सत्र में इन क्लासेज के स्टूडेंट्स को पिछली दो कक्षाओं का कोर्स पढ़ाया जाएगा। स्कूल में आठ में से चार पीरियड में पिछली दो क्लास और चार पीरियड वर्तमान क्लास की पढ़ाई होगी। इसके लिए स्टूडेंट्स को वर्कबुक स्कूल की ओर से दी जा रही है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने 'शिक्षा के बढ़ते कदम' नाम से शुक्रवार से नया कार्यक्रम जारी किया है। इसके तहत पहली से आठवीं तक के स्टूडेंट्स को विशेष तरह की वर्कबुक स्कूल से दी जा रही है। पहली से पांचवीं तक की वर्कबुक तो स्कूल तक पहुंच गई है, जबकि छठी से आठवीं तक की वर्कबुक जल्द ही पहुंच जाएगी। इसी वर्कबुक में हर क्लास की पिछली क्लास का सिलेबस है। हिन्दी, गणित व अंग्रेजी विषय को वर्कबुक की सहायता से करवाया जाएगा।

कक्षा एक से आठ तक सभी सरकारी स्कूलों में ब्रिज कोर्स की तरह पढ़ाई होगी। इसमें कक्षा एक में एट ग्रेड लेवल वन, कक्षा दो में एट ग्रेड लेवल टू, कक्षा तीन में बिहाइंड ग्रेड लेवल एक व दो, कक्षा चार व पांच में बिहाइंड ग्रेड लेवल दो, तीन व चार, कक्षा छह व सात में बिहाइंड ग्रेड लेवल तीन, चार व पांच तथा कक्षा आठ में बिहाइंड ग्रेड लेवल पांच, छह व सात का पाठ्यक्रम शामिल होगा। बिहाइंड ग्रेड से मतलब पिछली कक्षाओं का सिलेबस है। एट ग्रेड का आशय वर्तमान क्लास का सिलेबस है। ऐसे में कक्षा एक व दो में उसी क्लास का सिलेबस होगा, लेकिन तीसरी से आठवीं तक पुराना सिलेबस भी पढ़ना होगा।

प्रथम चरण में जुलाई से सितम्बर तक हर रोज सोमवार से शुक्रवार तक आठ में से चार पीरियड पुरानी क्लास की पढ़ाई के लिए तय किए गए हैं। द्वितीय चरण में दो पीरियड पुरानी क्लास और छह पीरियड वर्तमान क्लास के होंगे। दरअसल, सरकार की मंशा है कि कोरोना काल में बच्चों की पढ़ाई नहीं होने से पुरानी क्लास का आधार खत्म हो गया है। ऐसे में स्टूडेंट्स का आधार वापस तैयार करने के लिए ब्रिज कोर्स करवाना पड़ रहा है। विभाग का मानना है कि पिछले दो साल में बच्चों ने कुछ खास नहीं सीखा, ऐसे में लर्निंग लॉस खत्म करने के लिए पुरानी क्लासेज पढ़ाना जरूरी हो गया है। शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में ये ही पैटर्न लागू किया है। वहीं सरकारी स्कूल के लिए तो वर्कबुक की व्यवस्था की गई है, जबकि प्राइवेट स्कूल के लिए वर्कबुक उपलब्ध नहीं कराई है। प्राइवेट स्कूल को वर्कबुक कहां से और कैसे मिलेगी? ये अभी तय नहीं है।

आरपीएससी ने संशोधन का अवसर दिया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा वन टाइम रजिस्ट्रेशन डाटा में तथा इसके माध्यम से भरे गए भर्ती आवेदनों में शैक्षणिक दस्तावेजों के अनुरूप संशोधन का एक अवसर उपलब्ध कराया जा रहा है। संशोधन करने की सुविधा 25 जून से 24 जुलाई की रात्रि 12 बजे तक उपलब्ध रहेगी। इसके बाद इसके लिए दिया गया लिंक स्वत: ही निष्क्रिय हो जाएगा।

आयोग के संयुक्त सचिव आशुतोष गुप्ता ने बताया आयोग द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार संशोधन का एक बारीय निशुल्क अवसर अभ्यर्थियों को दिया गया है। अभ्यर्थी वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रोफाइल में संशोधन की अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना यथासमय संशोधन कर लें। निर्धारित अवधि के बाद संशोधन का अवसर नहीं दिया जाएगा। गुप्ता ने बताया कि आयोग द्वारा जनवरी 2022 से वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया लागू की गई थी। वन टाइम रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में जनआधार/ आधार कार्ड के विकल्प का चुनाव करने पर सिस्टम द्वारा जनआधार व आधार कार्ड में दर्ज विवरण को स्वत: दर्ज किया जाता है। इस संबंध में कतिपय अभ्यर्थियों द्वारा जनआधार व आधार कार्ड में दर्ज विवरण तथा शैक्षणिक दस्तावेजों के विवरणों में भिन्नता होना व्यक्त किया गया था। इसको ध्यान में रखते हुए आयोग द्वारा संशोधन का यह अवसर दिया गया है।

रिश्वत लेते वनरक्षक गिरफ्तार

एसीबी ने वेड नाका के वनरक्षक (गोले में) को तीन हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

डूंगरपुर, (निसं)। दो सीआई और दो कान्स्टेबल के बाद अब वेड नाका का वनरक्षक को 3 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। वनरक्षक परिवादी को लकड़ी काटने की मशीन जब्त कर जेल में डालने की धमकी देकर रिश्वत की मांग कर रहा था।

एसीबी डूंगरपुर-बांसवाडा के एएसपी माधोसिंह सोढा ने बताया कि परिवादी जितेंद्र कुमार निवासी ने एक शिकायत देकर बताया कि आरोपी वासुदेव खांट वेड वन नाका का वनरक्षक है। वनरक्षक की ओर से लकडी काटने की मशीन जब्त कर जेल में डालने की धमकियां दे रहा था। इसकी एवज में वनरक्षक उससे 5 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा है। 2 हजार रुपए गुरुवार को ले लिए हैं। रिश्वत नहीं देने पर उसे धमकी दी। एएसपी ने बताया की जितेंद्र कुमार की शिकायत का सत्यापन में रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद एसीबी टीम शुक्रवार को ट्रेप की कार्रवाई के लिए पहुंची। एसीबी ने परिवादी जितेंद्र कुमार को रिश्वत के 3 हजार रुपए देकर वनरक्षक वासुदेव खांट के पास भेजा। वनरक्षक ने रिश्वत की राशि ले ली। इशारा मिलते ही एसीबी के एएसपी मधोसिंह सोढा सहित टीम पहुंच गई और वनरक्षक वासुदेव खांट को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। रिश्वत में दी गई राशि भी जब्त कर ली है। वहीं एसीबी की एक टीम आरोपी वनरक्षक वासुदेव के राजपुर भिलुडा में उसके घर की तलाशी भी ली रही है। एसीबी की ओर से फिलहाल कार्यवाही जारी है।

- लकड़ी काटने की मशीन जब्त कर जेल में डालने की धमकी देकर मांगी थी तीन हजार रु. की रिश्वत

जोधपुर शहर की तीन बैंकों में सौ के 37 नोट जाली मिले

जोधपुर, (कासं)। शहर शहर में भारतीय जाली मुद्राएं प्रचलन में है। आरबीआई ने अपने परीक्षण में ऐसे जाली नोटों का पता लगाकर अब नोडल थाना सरदारपुरा में केस दर्ज करवाया है। सौ सौ के 37 जाली नोट नकली सामने आए है। आरबीआई के प्रबंधक जयपुर की तरफ से यह मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस ने इसमें अब अनुसंधान आरंभ किया है।

थानाधिकारी सोमकरण ने बताया कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक नवदीपसिंह पुढिर की तरफ से केस दर्ज करवाया गया। इसमें बताया कि गत वर्ष जुलाई से अक्टूबर के बीच जोधपुर में एसबीआई, बैंक ऑफ बड़ौदा और पीएनबी शाखा में किसी शख्स द्वारा जाली नोट जमा करवाए गए है। आरबीआई ने नोट का परीक्षण किया तो पता लगा कि सौ सौ के 37 नोट जाली पाए गए है। एसबीआई में 15, बैंक ऑफ बड़ौदा में 12 और पीएनबी शाखा में 10 नोट जाली जमा करवा गए है। थानाधिकारी ने बताया कि इस बारे में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। अठिाम जांच की जा रही है।

अलवर में पटवारी 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

आवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी

जयपुर, (निसं)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर अलवर इकाई द्वारा शुक्रवार को कार्यवाही करते हुये प्रकाश चंद मीणा पटवारी पटवार हल्का किशोरी, तहसील थानागाजी जिला अलवर को परिवादी से 50 हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की अलवर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि खातेदारी कृषि भूमि का सीमाज्ञान/ पैमाईश करने की एवज में प्रकाश चंद मीणा पटवारी पटवार हल्का किशोरी, तहसील थानागाजी, जिला अलवर द्वारा 60 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर एसीबी अलवर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय सिंह के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर पुलिस निरीक्षक प्रेमचंद एवं उनकी टीम द्वारा ट्रेप कार्यवाही करते हुये प्रकाश चंद मीणा पुत्र कैलाश चंद मीणा निवासी ग्राम अंगारी, तहसील व थाना थानागाजी जिला अलवर हाल पटवारी पटवार हल्का किशोरी, तहसील थानागाजी, जिला अलवर को परिवादी से 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

एसीबी टीम की गिरफ्त में आरोपी पटवारी।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

जोधपुर विकास प्राधिकरण

रेलवे अस्पताल के सामने, रातानाडा, जोधपुर - 342001
email- jdanic-jod-rj@nic.in वेब-साईट jodhpurjda.org
Phone No. 0291-2612086/265635-7 Fax 021-2612086

क्रमांक-एफ 46/नीलामी/2022/1266 दिनांक-15.06.2022

भूखण्डों की भव्य ई-नीलामी दिनांक 27.06.2022 से 02.08.2022 तक

106 आवासीय भूखण्ड एंव व्यवसायिक भूखण्ड

गंगा विहार आवासीय योजना में कुल भूखण्ड 05	राज्य कर्मचारी आवासीय योजना मोगड़ा कलां में कुल भूखण्ड 05	पण्डित दीनदयाल उपाध्याय विहार आवास योजना ग्राम आंगणवा में कुल भूखण्ड 15	विवेक विहार आवासीय योजना सेक्टर-एल में कुल भूखण्ड 02
विवेक विहार आवासीय योजना सेक्टर-एम में कुल भूखण्ड 11	विवेक विहार आवासीय योजना सेक्टर-ओ में कुल भूखण्ड 04	विवेक विहार आवासीय योजना सेक्टर-एन में कुल भूखण्ड 03	विजयेराजे नगर आवासीय योजना में कुल भूखण्ड 03
मण्डलनाथ आवासीय योजना सेक्टर-बी में कुल भूखण्ड 12	मण्डलनाथ आवासीय योजना सेक्टर-सी में कुल भूखण्ड 08	दन्तोपंत ठेगड़ी नगर आवासीय योजना में कुल भूखण्ड 03	सुन्दर सिंह भण्डारी नगर आवासीय योजना में कुल भूखण्ड 15
व्यवसायिक भूखण्ड ब्लॉक-ए ग्राम चौखा, 1480.68 वर्गमीटर 01	सुन्दर सिंह भण्डारी नगर शिफ्टिंग योजना में कुल भूखण्ड 17	व्यवसायिक परिवहन नगर आंगणवा ट्रांस्पोर्ट/ऑटोमोबाइल नगर योजना में कुल भूखण्ड 12	

ईएमडी जमा दिनांक: 27 जून, 2022

ऑनलाइन बिड: प्रारम्भ तिथि: 27 जून 2022 — अंतिम तिथि: 02 अगस्त 2022

प्रभारी अधिकारी (नीलामी शाखा)
जोधपुर विकास प्राधिकरण
जोधपुर
फोन:- 0291-2656355,2656356
मोबाईल नं.- 96723-54150, 97990-42125, 94148-73715
96364-12457, 94144-98246, 94131-11696, 89470-71718

निदेशक वित्त
जोधपुर विकास प्राधिकरण
जोधपुर

नीलामी के समस्त भूखण्डों की विस्तृत जानकारी एंव नीलामी की शर्तें जोधपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट : urban.rajasthan.gov.in/joda देखे या सम्पर्क करे।

सीवर का पानी बोतल में लेकर निगम पहुंचे कांग्रेस पार्षद के लिए महापौर-कमिश्नर ने बंद कराया मुख्यालय का दरवाजा

वार्ड 134 में सीवरेज समस्या से नाराज होकर गंदा पानी बोतल में भरकर निगम पहुंचे थे पार्षद करण शर्मा, एक घंटे तक नारेबाजी करने के बाद गेट पर सीवर का पानी उडेला; पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी हुई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। करोड़ों रु. टैक्स वसूलने के बाद भी नगर निगम प्रशासन आमजन को सफाई और सीवरेज जैसी मूलभूत सुविधाएं तक मुहैया नहीं करवा पा रहा। मानसून के बीच शहर में अधिकांश सीवरेज लाइनें और नाले गंदगी से जाम पड़े हैं और जिम्मेदार अफसर पल्ला झाड़ने में लगे है। दूसरी तरफ लोग पार्षदों को खरी-खोटी सुनाने से नहीं चूक रहे।

शुक्रवार को ग्रेटर निगम के वार्ड 134 के कांग्रेस पार्षद करण शर्मा का गुस्सा फूटा। वे सीवरेज का गंदा पानी बोतल में भरकर निगम मुख्यालय पहुंचे और महापौर-कमिश्नर के ऑफिस में गंदा पानी फेंकने की जिद पर अड़ गए। इस पर निगम के पुलिस जाप्ते के हाथ-पांव फूल गए। सीआई विजेन्द्र कुमार पूनिया ने आनन-फानन में पुलिस जाप्ता लगाकर मुख्यालय का दरवाजा बंद किया। महापौर सौम्या गुर्जर और कमिश्नर महेन्द्र सोनी ने पार्षद और उसके साथ आए लोगों के वापस लौटने तक गेट बंद ही रखवाया। इसी बीच करीब एक घंटे तक नारेबाजी के बाद पार्षद व उनके साथ आये लोगों ने सीवरेज का पानी मुख्यालय के गेट पर ही उडेल दिया।

पार्षद करण शर्मा ने बताया कि वार्ड 134 की बैरवा कॉलोनी, आरएएस क्लब के पीछे का हिस्सा, पायलट भवन और एफ-ब्लॉक गांधी नगर समेत कई कॉलोनियों में पिछले एक सप्ताह से सीवरेज लाइनें चौक पड़ी है। मालवीय नगर जोन उपायुक्त मुकेश कुमार मूंड से लेकर कमिश्नर महेन्द्र सोनी और महापौर सौम्या गुर्जर को कई बार शिकायतें की, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। आमजन से रोजाना खरी-खोटी सुनकर तंग आ गया हूं, इसलिए वार्ड के लोगों के साथ सीवरेज का बदबूदार पानी बोतल में भरकर निगम लाया। ताकि यहां एयर कंडीशनर दफ्तर में बैठने वाले अफसरों को भी तो पता लगे कि सीवरेज की बदबू के बीच रहना कितना मुश्किल है। जब कमिश्नर को निगम पहुंचने की जानकारी दी तो उन्होंने पल्ला झाड़ लिया, महापौर सौम्या गुर्जर ने भी मिलने से इन्कार कर दिया। करीब एक घंटे तक नारेबाजी से निगम मुख्यालय का माहौल गर्मा गया। इसी बीच महापौर सौम्या गुर्जर भी अपने ऑफिस के बैकडोर से निकलकर करण शर्मा के वार्ड 134 और मालवीय नगर क्षेत्र में पहुंची। उन्होंने मौके पर ही उपायुक्त मुकेश कुमार मूंड को भी बुलाया। महापौर जब मालवीय नगर में पहुंची तो उन्हें पॉश कॉलोनियों की सड़कों पर सीवरेज का पानी बहता मिला। जिसे देख वे काफी नाराज हुई। उन्होंने उपायुक्त मुकेश कुमार मूंड और गैराज उपायुक्त अतुल शर्मा को सख्त हिदायत देते हुए तुरंत सभी खामियां दूर करने को कहा।

मालवीय नगर क्षेत्र की कई कॉलोनियों में सीवरेज समस्या से तंग आकर कांग्रेस पार्षद पं. करण शर्मा ने निगम मुख्यालय पर विरोध-प्रदर्शन किया। इसके बाद महापौर सौम्या गुर्जर ने स्वयं मालवीय नगर क्षेत्र में पहुंचकर जांच की तो वहां पर सीवरेज का गंदा और बदबूदार पानी सड़कों पर बहता मिला। फोटो-राष्ट्रदूत

- मामला तूल पकड़ता देख महापौर सौम्या गुर्जर अपने ऑफिस के बैकडोर से निकलकर मालवीय नगर का दौरा करने पहुंची तो सड़कों पर बहता मिला सीवरेज का बदबूदार पानी
- पार्षद करण शर्मा का आरोप था कि पिछले 5 दिन से लगातार शिकायतें करने के बाद जोन उपायुक्त से लेकर कमिश्नर तक किसी ने सीवरेज समस्या पर ध्यान नहीं दिया, जब नगर निगम में पार्षद की सुनवाई नहीं होती तो आमजन की कहां होगी

मजदूर की हत्या करने वाला बदमाश 24 घंटे में गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। विश्वकर्मा थाना पुलिस ने चाय बनाने और बर्तन धोने को लेकर हुए झगड़े में मजदूर की हत्या करने के मामले का महज 24 घंटे में खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मृतक का कांवटिया अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

डीसीपी (पश्चिम) ऋचा तोमर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी लखन कुमार सैनी (20) पुत्र गोपाल लाल सैनी श्याम कॉलोनी जोडला विश्वकर्मा का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि 23 जून को कालूराम तंवर ने उसके भाई मोहन तंवर की साथी मजदूर द्वारा मारपीट कर हत्या करने का मामला दर्ज करवाया था। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक मोहन तंवर और उसके साथी मजदूर लखन कुमार सैनी के बीच चाय बनाने और चाय के बर्तन साफ करने की बात को लेकर कहासुनी और गाली गलौच हो गई। इसी दौरान आवेश में आकर लखन कुमार सैनी ने साथी मजदूर मोहन तंवर के सिर और कनपटी पर मुक्कों से जोरदार प्रहार किए, जिससे मोहन तंवर मौके पर ही बेहोश होकर गिर गया। साथ में काम कर रहे मोहन तंवर का भाई कालूराम तंवर व उसके साथी मजदूर मोहन तंवर को लेकर अस्पताल गए, जहां चिकित्स्कों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए एडिशनल डीसीपी रामसिंह, एसीपी चौमूं राजेन्द्र सिंह निर्वाण और थानाधिकारी रमेश सैनी के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम ने जानकारी जुटाने के बाद आरोपी लखन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही हैं।

- चाय बनाने और बर्तन धोने की बात पर हुआ था झगड़ा

सार-समाचार

कार्मिकों ने 27 मांगों पर कराये हस्ताक्षर

जयपुर (कासं)। विद्युत विभाग में पुरानी पेंशन लागू करने, निजीकरण पर रोक लगाने समेत 27 सूत्री मांगपत्र के समर्थन में बिजली कर्मचारियों ने शुक्रवार को जयपुर स्थित विद्युत भवन, राममंदिर पावर हाउस तथा चम्बल पावर हाउस परिसर में हस्ताक्षर अभियान चलाया। अभियान के आखरी विद्युत विभाग के आलाअधिकारियों का भी समर्थन मिला। राजस्थान विद्युत कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष सीताराम गुप्ता और प्रदेश महामंत्री अमित मल्होत्रा ने बताया कि राज्य सरकार बिजली कर्मचारियों के साथ दोहरा व्यवहार कर रही हैं, जिससे समस्त कर्मचारियों में आक्रोश की स्थिति व्याप्त हैं। कर्मचारी वर्ग अब सरकार के झांसे में नही आएगा। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जब सामाजिक सुरक्षा लागू करने की नीयत से राज्य कर्मचारियों पर पेंशन स्कीम लागू कर दी तो बिजली विभाग को उससे वंचित क्यों किया जा रहा है। बिना किसी वित्तीय भार वाली तकनीकी कर्मचारियों के पदनाम परिवर्तन के प्रस्ताव को भी नामंजूर कर लौटा दिया गया, जिसके कारण कर्मचारियों को सड़क पर आंदोलन के लिए आने पर मजबूर होना पड़ रहा हैं। अमित मल्होत्रा ने कहा कि राजस्थान के प्रत्येक जिले में कर्मचारी वर्ग ने सरकार की कर्मचारी विरोधी नीति की आलोचना कर सैकड़ों की संख्या में हस्ताक्षर अभियान एवं प्रदर्शन में सम्मिलित होकर ऊर्जा सचिव के नाम ज्ञापन दिया हैं। अगर कर्मचारियों के वाजिब 27 सूत्री मांगपत्र पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं की गई तो 15 जुलाई को जिला मुख्यालयों पर एवं 20 जुलाई 2022 को सम्भाग मुख्यालयों पर विशाल प्रदर्शन किया जाएगा।

विद्युत कार्मिकों ने मांगी पुरानी पेंशन स्कीम

जयपुर (कासं)। भारतीय मजदूर संघ से जुड़े राजस्थान विद्युत प्रसारण श्रमिक संघ जयपुर के उप महामंत्री यतेन्द्र कुमार ने विद्युत निगमों में कार्यरत कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने की मांग उठाई है। उन्होंने इस संबंध में ऊर्जा मंत्री और प्रमुख शासन सचिव को भी पत्र लिखा है। यतेन्द्र कुमार ने बताया कि विद्युत निगमों में 1 जनवरी 2004 के बाद नियुक्त कर्मचारियों पर भी एनपीएस योजना लागू की गई थी। बाद में निगम ने अपने स्तर पर निर्णय लेकर सीपीएफ लागू कर दिया। ऐसे में हमारी मांग है कि राज्य सरकार ने जैसे अन्य कर्मचारियों के लिए एनपीएस के बजाय पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) लागू की है, उसका फायदा विद्युत निगमों के कर्मचारियों को भी दिया जाये। सरकार के भेदभाव वाले रवैये के कारण विद्युत कर्मचारी निराश और आक्रोशित है, अगर जल्द ही हमारी मांग पूरी नहीं की गई तो बड़ा आंदोलन किया जायेगा।

राग-खमाज गीतों से खिला संगीत आश्रम

जयपुर। शास्त्रीनगर स्थित संगीत आश्रम संस्थान प्रांगण शुक्रवार को राग खमाज आधारित गीतों की खुशबू से महक उठा। दो दिवसीय संगीत समारोह के पहले दिन राग-अनुराग कार्यक्रम में करीब डेढ़ दर्जन बाल व युवा कलाकारों ने अपनी खुशगूलुई आवाज में राग खमाज के नेचर के मुताबिक गीतों की सुरीली प्रस्तुति दी। तमाम कलाकारों ने गीतों की दिलकश प्रस्तुति में सुर, लय और ताल की उम्दा बानगी दर्शाकर संगीत के इन्द्रधनुषी रंग बिखेरे। कार्यक्रम की शुरुआत में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप-प्रज्वलित किया गया। संगीत निर्देशक अमित अनुपम के निर्देशन में सजे कार्यक्रम में कलाकार रीत,वाणी कोठारी व कनिष्का ने युगल स्वरों में दिल है छोटा सा..., वरुण व रियांशी ने मैं रंग शरबतों का..., कोमल सोनी ने छुप गया कोई रे..., प्राजक्ता जायसवाल ने खत लिख दे सांवरिया..., सुमित्रा अठावाल ने पिया तोसे नैना लागे रे..., कशिश कंवर ने आन मिलो सजना..., निकिता दुग्गड़ ने आओगे जब तुम ओ सजना..., वीरेन्द्र सिंह ने कुछ तो लोग कहेंगे..., आशीष सोनी ने मितवा मेरे मन में बता..., नमन अटोलिया ने प्यार हुआ चुपके से...जैसे गीतों की मेलॉडियस प्रस्तुति दी।

रंग सार आर्ट एग्जिबिशन आज

जयपुर, (का.सं.)। डेल्फिक कौंसिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष आईएएस श्रेया गुहा ने शुक्रवार को बताया कि डेल्फिक कौंसिल ऑफ राजस्थान की ओर से रंग सार आर्ट एग्जिबिशन एवं डेमोंस्ट्रेशन का आयोजन कल शनिवार को जवाहर कला केंद्र की सुरेखा आर्ट गैलरी में किया जाएगा। इस आर्ट एग्जिबिशन को शनिवार सुबह 11 बजे इंटरनेशनल डेल्फिक कौंसिल के महासचिव रमेश प्रसन्ना शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के अध्यक्ष संदीप वर्मा भी शामिल होंगे। श्रेया गुहा ने बताया कि इस एग्जिबिशन में 26 जून को लाइव पेंटिंग का प्रदर्शन भी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एग्जिबिशन में सैयद शाकिर अली, संदीप वर्मा, सुब्रतो मोंडल, वीरेंद्र बानू, सुमित सिंह, अमित कल्ला, राजेंद्र प्रसाद, उर्मिला यादव, देविका शेखावत एवं महेश के कुमावत सहित विभिन्न कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। गौरतलब है कि डेल्फिक कौंसिल ऑफ राजस्थान कला को प्रोत्साहित व संरक्षण करने में एक प्लेटफोर्म की तरह कार्य कर रहा है जिससे न केवल विलुप्त होती कलाओं को आधार मिलेगा बल्कि नई पीढ़ी के लिए कला आधार सेतु भी बनेगा।

धरनार्थियों को निमाली सिंह का समर्थन

जयपुर, (का.सं.)। कुलपति सचिवालय पर 26 दिनो से धरना चल रहा है प्रोफेसर निमाली सिंह ने धरना स्थल पर आकर मांगों का समर्थन करते हुए आश्वासन दिया ओर कहा कि कुलपति से बात कर मागें पूरी करवाने का प्रयास करूंगी। आज धरने का नेतृत्व किशन सिह नेगी ने किया। उन्हें सहायक कर्मचारी संघ के पूर्व अध्यक्ष जय प्रकाश शर्मा ने माला पहनाकर स्वागत किया। धरना मे प्रतिदिन सेवारत कर्मचारियों एवं सेवानिवृत कर्मचारीयों की सख्या बढ़ती जा रही है। धरना स्थल पर जमकर नारेबाजी हुई, सहायक कर्मचारी युवा नेता दीपक सिह नेपाली, बाबुलाल मीना सहायक कर्मचारी स्टाफ क्लब के पूर्व अध्यक्ष रामजी लाल मीना ने सम्बोधित किया। युवा नेताओ ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि मांगे जायज होते हुए भी पूरी नही कि जा रही है इसे युवा बर्दाश्त नही करेगें। धरना स्थल पर मोहम्मद मुस्तफा की पोती भी उनसे मिलने पहुंची। गोरतलब है की मुस्तफा जी पिछले 26 दिनों से घर नहीं गये।

जैम बोर्स के लिए भू-आवंटन की मांग

जयपुर। ज्वैलर्स असोसिएशन का प्रतिनिधि मंडल आज प्रात: जवाहरात जगत की कुछ मांगे व सुझाव लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी से मिला। असोसिएशन की बहुप्रतीक्षित योजना जैम बोर्स के लिये भू-आवंटन के बारे चर्चा करते हुये अध्यक्ष डी.पी.खण्डेलवाल ने बिरला को बताया कि राज्य सरकार ने इसके लिये भूमि को चिन्हित तो कर दिया है लेकिन भूमि का आवंटन नहीं किया। असोसिएशन के अध्यक्ष ने राजस्थान के जवाहरात उद्योग में निर्यात में वृद्धि के लिये इस परियोजना की आवश्यकता को समझाते हुये राज्य सरकार से इस विषय पर रियायती दरों पर भू आवंटन के लिये बात करने की मांग की।

पुलिस ने चूड़ी कारखाने से तीन बाल श्रमिक छुड़वाये, आरोपी को दबोचा

बच्चों से प्रतिदिन 12 से 14 घंटे तक काम करवाता था कारखाना संचालक, भरपेट भोजन भी नहीं देता

जयपुर। भट्टा बस्ती पुलिस ने बाल श्रम उन्मूलन सप्ताह के तहत चूड़ी कारखाने में काम करवाने के मामले में तीन बच्चों को मुक्त करवाया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लगातार काम करवाने के बाद भी भरपेट भोजन नहीं देता था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही हैं।

डीसीपी (उत्तर) परिस देशमुख ने बताया कि वर्तमान में बालश्रम के अधिक मामले सामने आने पर अंकुश लगाने के लिए जिला कलेक्टर की ओर से बालश्रम प्रतिषेध अभियान चलाया गया। इस पर एडिशनल डीसीपी धर्मेन्द्र सागर, एसीपी महेन्द्र कुमार गुप्ता, भट्टा बस्ती थानाधिकारी हुकुम सिंह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम को सूचना मिली थी कि चूडी कारखाने में बच्चों से काम करवाया जा रहा है। इस पर पुलिस ने बचपन बचाओ आंदोलन के साथ मिलकर कार्रवाई कर तीन बालश्रमिकों को मुक्त करवा लिया। पुलिस ने इस मामले में टेटुआ बिहार हाल संजय नगर भट्टा बस्ती निवासी मो.सरवर अंसारी उर्फ मोहम्मद छोटू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी मोहम्मद सरवर अंसारी बिहार से गरीब तबकों के बच्चों को उनके माता पिता के पास से पढाई करवाने और घुमाने के बहाने लेकर आता था। यहां आने के बाद उन्हें चूडी कारखाने में काम पर लगा दिया जाता था। बच्चों ने पुलिस पूछताछ में बताया कि मोहम्मद सरवर अंसारी उनसे 12 से 14 घंटे तक लगातार काम करवाता था। इतना काम करने के बाद भी उन्हें भरपेट खाना भी नहीं दिया जाता था। पुलिस ने मुक्त करवाए हुए बच्चों को बाल संरक्षण गृह में भिजवाया है।

'नागतलाई नाले की 15 दिन में सफाई होगी'

जयपुर (कासं)। हवामहल-आमेर जोन क्षेत्र स्थित नाग तलाई के नाले की 15 दिन के भीतर सफाई होगी। हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर ने शुक्रवार को नाग तलाई नाले का निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने अफसरों को नाग तलाई नाले की सफाई के लिए अतिरिक्त संसाधन लगाने को कहा।

महापौर मुनेश गुर्जर और उप महापौर मोहम्मद असलम फारुकी ने वार्ड 30 में नाग तलाई नाले का जायजा लिया। महापौर ने अधिकारियों को तत्काल काम शुरू कर नाले में पड़े कचरे को तत्काल उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने निगम के मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक को वार्ड में सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने पर नोटिस जारी करने के निर्देश। दौरे के दौरान महापौर ने कहा कि काम में किसी तरह की कोताही नहीं बरती जाएगी।

ब्रेन डेड राजेन्द्र शिंदे ने चार मरीजों को जीवनदान दिया

जयपुर (कासं)। महाराष्ट्र निवासी राजेन्द्र ने ब्रेनडेड होने के बाद 4 लोगों को नई जिन्दगी दी है। इसमें एक किडनी और हार्ट को एसएमएस अस्पताल में ट्रांसप्लांट किया गया है, जबकि एक किडनी व लीवर महात्मा गांधी अस्पताल में ट्रांसप्लांट किया गया।

स्टेट ऑर्गन टिशु एंड ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन से मिली जानकारी के अनुसार महाराष्ट्र के पुणे निवासी 36 वर्षीय प्रशान्त राजेंद्र शिंदे सीकर जिले के गोविन्दगढ़ में कार्यरत थे। यहां उनके 18 जून को स्ट्रोक आ जाने के कारण परिजन उन्हें लेकर फोर्टिस अस्पताल में आ गए और उनका इलाज शुरू हुआ लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बाद भी वे रिकवर नहीं कर पाए। यहां पर इलाज के दौरान उनकी तबीयत बिगडती चली गई और एक दिन पहले ही गुरूवार को चिकित्सकों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। इसकी जानकारी मिलने पर स्टेट ऑर्गन टिशू एंड ट्रांसपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (सोटो) के सदस्यों ने परिजनों की समझाइश की और उन्हें अंगदान के लिए प्रेरित किया।

करीब 4 घंटे चली समझाइश के बाद राजेन्द्र के पिता राजेन्द्र प्रशांत शिंदे तथा पत्नी नयना शिंदे ने अंगदान पर सहमति दे दी। इसके बाद ग्रीन कॉरीडोर बनाकर मरीज की एक किडनी और हार्ट को एसएमएस अस्पताल में लाया गया तथा एक किडनी व लीवर को महात्मा गांधी अस्पताल में भेजा गया।

राजेंद्र शिंदे का हार्ट और एक किडनी सवाई मानसिंह अस्पताल में दो लोगों को ट्रांसप्लांट किए गए, जबकि एक किडनी व लीवर महात्मा गांधी अस्पताल में दो लोगों को ट्रांसप्लांट किया गया। राज्य में यह 45वां अंगदान रहा।

माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने वाला दल कलेक्टर से मिला

जयपुर, (का.सं.)। माउन्ट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने और 11 देशों में 4 लाख 25 हजार किलोमीटर पैदल यात्रा करने वाले पर्वतारोहियों का दल शुक्रवार को जिले में पहुंचा।

दल ने संभागीय आयुक्त विकास सीतारामजी भाले एवं जिला कलेक्टर राजन विशाल से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात कर पर्यावरण एवं सामाजिक सुधार के संदेशों को लेकर चर्चा की। संभागीय आयुक्त एवं जिला कलक्टर ने दल के सदस्यों के अदम्य साहस और कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने दल के सदस्यों से पर्यावरण सुरक्षा के लिए विभिन्न राज्यों एवं देशों में किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा युवाओं को संदेश देने के लिए पैदल यात्रा के माध्यम से सम्पर्क करने की सोच की सराहना की। पर्वतारोहियों ने बताया कि देवभूमि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा से हरिद्वार के रास्ते वे यहां पहुंचे हैं। दल के सदस्यों के द्वारा सडक सुरक्षा, बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ, नशा मुक्ति सहित अन्य जागरूक कार्यक्रमों के बारे में यात्रा के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में लोगों से सीधा संवाद कर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

'अग्निपथ' स्कीम के विरोध में एनएसयूआई ने बीच सड़क पर जलाई आरएसएस की ड्रेस

जयपुर (कासं)। केन्द्र सरकार की अग्निपथ योजना का विरोध राजस्थान में लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को राजस्थान यूनिवर्सिटी के बाहर एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने अग्निपथ योजना के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ड्रेस जलाकर विरोध जताया। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह ने सिर्फ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोगों को भर्ती करने के लिए यह योजना बनाई है। जिसे देश के युवा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे।

एनएसयूआई के प्रवक्ता रमेश भाटी ने बताया कि भारतीय सेना के नाम पर आरएसएस कार्यकर्ताओं को सेना में भरने की तैयारी की जा रही हैं। कांग्रेस पार्टी और एनएसयूआई ऐसा नहीं होने देगी। देश की सबसे प्रतिष्ठित नौकरी को मोदी सरकार ने संविदा में तब्दील कर दिया है। जिसे देश के युवा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। ऐसे में जब तक अग्निपथ योजना को वापस नहीं लिया जाता, तब तक देशभर में हमारा विरोध जारी रहेगा।

ज्ञात रहे कि केंद्र सरकार ने 14 जून को सेना की तीनों शाखाओं (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) में युवाओं की बड़ी संख्या में भर्ती के लिए अग्निपथ भर्ती योजना शुरू की थी। योजना की घोषणा के साथ ही जयपुर समेत पूरे राजस्थान में इसका विरोध शुरू हो गया है। इसके बाद केंद्र सरकार ने योजना में संशोधन भी किया। युवा इस पूरी योजना को खत्म कर पहले की तरह भर्ती के आयोजन की मांग कर रहे है।

एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने राजस्थान यूनिवर्सिटी के बाहर राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ड्रेस जलाकर सेना भर्ती की 'अग्निपथ' योजना का विरोध जताया। फोटो-राष्ट्रदूत

ई-रिक्शा और बैट्रियां चुराने व खरीदने वाले तीन बदमाश पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर (कासं)। गलता गेट पुलिस ने ई-रिक्शा और बैट्रियां चोरी के मामले में चोर और खरीददार सहित 3 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 2 ई-रिक्शा और 32 बैट्रियां बरामद की हैं।

डीसीपी (उत्तर) परिस देशमुख ने बताया कि 22 जून को थानागाजी अलवर हाल बासबदनपुरा गलता गेट निवासी जयराम मीणा ने थाने में मामला दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि 9 जून को उसने घर के बाहर ई रिक्शा खडा किया था। सुबह चैक किया तो वह गायब मिला। आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किया तो सामने आया कि एक व्यक्ति उसका ई रिक्शा चुराकर ले गया हैं। इस पर थाने में मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर एसीपी सुनील प्रसाद शर्मा, थानाधिकारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए उनियारो का रास्ता पहला चौराहा नाहरगढ़ निवासी जितेन्द्र उर्फ जीतू (21) पुत्र घासीराम खटीक और ईदगाह कच्ची बस्ती दिल्ली बाईपास रोड गलता गेट निवासी युनुस उर्फ कल्लू (38) पुत्र मोहम्मद युसुफ और बंजारा बस्ती मीठी कोठी का रास्ता रामगंज निवासी सलमान उर्फ नटवर (29) पुत्र अख्तर खान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चुराए हुए दो ई रिक्शा और बैट्रियां बरामद की हैं। इस पूरे मामले में कांस्टेबल प्रदीप की अहम भूमिका रही। पुलिस पकडे गए बदमाशों से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उनके साथ गिरोह में और लोग तो शामिल नहीं हैं। पुलिस का मानना है कि बदमाशों से पूछताछ में और भी खुलासे हो सकते हैं। पुलिस पकडे गए आरोपियों से पूछताछ कर रही हैं।

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के 2 ई रिक्शा और 32 बैट्रियां जब्त की है
- आरोपियों से गिरोह के बारे में पूछताछ करने में जुटी पुलिस

सांसद रामचरण बोहरा ने 117 महिलाओं को गैस कनेक्शन बांटे

जयपुर। आजादी के अमृत महोत्सव और मोदी सरकार के 8 वर्ष सेवा सुशासन को लेकर जयपुर संसदीय क्षेत्र में 24 जुन से 30 जुन तक सेवा सप्ताह के रूप में मनाया जायेगा। जिसको लेकर कार्यकर्ता तैयारी में लगे हुए है।

सेवा सप्ताह के प्रथम दिन 24 जुन को प्रात: जगतपुरा स्थित श्री श्री 1008 सीताराम जी महाराज की दर्शन-पुजा के साथ शुरूआत की। बगरू स्थित रामदेव गौशाला में गौवंश की पुजा-अर्चना की गई। मुहाना मण्डी स्थित ज्याति बा फुले, राजमाता विजयराजे सिन्धिया एवं दांतली में बिरसा मुण्डा जी के स्टेच्यु को माल्यार्पण कर पुष्पाजंली अर्पित की। उसके बाद प्रतापनगर मण्डल के रजवाड़ा पैलेस में उज्जवला योजना के तहत 117 महिलाओ को गैस कनेक्शन वितरण किये गये तत्तपश्चात् ग्राम पंचायत दादिया में किसान चौपाल में किसानो के साथ कृषि योजनाओ पर चर्चा करते हुए भारत सरकार की प्रधानमंत्री बीमा योजना और जैविक कृषि के लाभ बताते हुए, उसके लिये प्रेरित किया।

ARBiT
it happens here...

Colour TV Day

There is an innovation that many of us take for granted every day. Whether we're sitting at our computers, watching television with the family or even playing with our handheld games, we are inundated with a bright parade of colours. Colour TV Day reminds us that this hasn't always been the case when Television was first introduced; the viewer leading monotony could not enjoy various colour scenery and clothes worn by the actors. But colour TV changed the view and made the entertainment more interesting, realistic and enjoyable.

राष्ट्रदूत
SATURDAY
25 June 2022
A-B

#INSIGHT

Ayurvedic Myths & Facts

For specific diseases, ayurvedic treatment is based on 'Prakriti,' i.e. the constitution of the person's body.

Ayurveda, an ancient traditional system of medicine has become an elusive discipline. There are two key reasons why we are losing touch with this rich tradition. First and foremost, Ayurvedic books are written in Sanskrit, which most of us don't understand. The other reason is the western influence on our lifestyle, which has led us to believe that traditional belief systems and practices are not as effective as those based on modern science. Let's dispel some of the common myths associated with Ayurveda.

Myth #1: Ayurvedic medicine takes longer to work and is not very effective

Fact: One reason why Ayurvedic medicines take longer to provide results is that they don't merely alleviate symptoms; instead they work on removing the underlying cause of the disease. Another reason for the prevalence of this myth is that people tend to try Ayurvedic medicine only after trying other medication, and this can delay the effect of Ayurveda. If it is adopted from the onset of an illness or disease, the results may be seen sooner. The time needed to cure patients depends on several factors, including how soon the problem was diagnosed, its severity, as well as how readily the body reacts to the remedy.

Myth #2: Ayurveda is an outdated and obsolete system

Fact: Many people think of Ayurveda as an 'exotic' system of medicine not relying on scientific facts. However, Ayurveda has existed in our country for more than 5000 years and is still practised today due to its efficacy. It is a well-recorded form of medicine, and clinical trials and researches were widely conducted in ancient times. It was refined over thousands of years, using observation and experience - the fundamental principles of science. The old books record the diagnosis of diseases, as well as detailed facts about foods, herbs and minerals in detail. In recent decades, with the increased realization of the importance of a holistic lifestyle and healthy eating, Ayurveda has seen a resurgence and is being accepted far and wide.

Myth #3: Ayurveda medicines lack clinical testing

Fact: The truth is that firm guidelines have been established for quality control and standard of Ayurvedic medicines in the country. The Pharmacopoeial Laboratory of Indian Medicine (PLIM) and Central Council of Researches in Ayurvedic Sciences (CCRAS) has published the 'Protocol for Testing of ASU Medicines'. Moreover, Rule 160 has been instituted in Drugs and Cosmetics Rules 1945, for quality control and standard of ayurvedic medicines, which ensures the establishment of drug testing laboratories throughout the country. It is mandatory for manufacturers of Ayurvedic Medicines to get certified from these laboratories regarding the quality and stability of their product. However, it is best to buy Ayurvedic medicines from registered Ayurvedic practitioners and renowned brands.

Myth #4: Ayurvedic treatments do not need a doctor

Fact: If someone gets cured by ayurvedic medicine, they advise others also to try the same. But the truth is that for specific diseases, ayurvedic treatment is based on 'Prakriti,' i.e. the constitution of the person's body. Thus, blindly taking ayurvedic medicine prescribed by someone else or opting for home remedies based on an internet search, can cause more harm than good. Instead, you should visit a registered ayurvedic practitioner or opt for proper formulations available for the treatment of specific issues from the market.

Myth #5: You don't need any ayurvedic creams for skin since you can easily use home remedies

Fact: You should remember that even some of the best naturally derived ingredients may at times need to be processed in a lab to isolate the good compounds and remove the bad. For example, while citrus ingredients like lime may have good antioxidants, their direct use may make skin sensitive to sun damage. Also, several essential oils need to be used with caution in particular amounts. It may not always be possible to maintain exact proportions of ingredients in home remedies, and thus right ayurvedic formulations that are made after proper research can be your friends for handling skin issues.

Ayurveda can also help you get smooth and glowing skin. An Ayurvedic formulation such as Bajaj Nomarks Ayurvedic Antimarks cream can ensure complete protection as it contains effective natural ingredients such as Turmeric, Calendula, Aloe Vera, Lemon and Neem, which help to remove pimple marks, dark spots and blemishes.

Sooji ka Halwa.

No Indian festival can be complete with a generous helping of the lip smacking, ghee dribbling halwa. This simple dish has played the hero in most of our child hood memories where our grandmothers used to dole out generous portions of this sweet meal without even a thought of weight or hour glass figures.

Halwa hai kya?

Beena Subramanium
The writer is a self-confessed foodie and a lover of all trends and foods

#LICIOUS

One winter holiday, as a kid in my grandmother's home, I wandered into her kitchen to find she was stirring a large kadhai. She was making halwa, wonderful sooji ka halwa, fragrant and billowing, roasting it in ghee and stirring it furiously to remove all lumps. Some raisins sat on the counter next to her, plump and bursting in a katori of warm water, ready to be chucked in. "Today is 'bada din' (big day) so I'm making halwa," she informed me chattily. My staunchly Hindu grandmother was making halwa (as she did every year) to celebrate Christmas.

Celebration with Food

This is why I wouldn't rewrite anything in my childhood. Because no matter what else went down when I was a kid, there were always weird and wonderful things that popped up unexpectedly, like wildflowers on a grassy hillside. There was always my family's casual embrace of reasons to celebrate. (And celebrate the only way it matters, with food; most importantly in my childhood there was my nani's halwa.)

Ingredients of Love

She was an inspired cook, so everything she made was wonderful. But her halwa was the stuff of dreams conjured up at the drop of a hat for celebrations and commiserations, on a cold day to eat as breakfast and on a rainy day to eat with pakoras. Always fragrant and light, bursting with simple flavour and goodness, it was heaven in a katori. Though it was strictly a four ingredient affair - sooji (or atta), ghee, sugar and some raisins – it was transcendental. She had two secrets to making it: One was firstly dry-roasting the atta or the sooji before adding the ghee. And the other was adding a small amount of besan to the mix which she claimed made it taste earthier and more mellow. (Ok, so it was technically a five-ingredient halwa, but since she always kept the besan bit secret, we refer to it as the four-ingredient halwa.)

Melting in Your Mouth

Years later, when I encountered my mother-in-law's version of sooji ka halwa, I realized that it was a completely different animal to my nani's. Absolutely delicious in its own right it was a paler, richer offering, resplendent with slivered almonds, buxom with ghee and flavour. Her standard proportion of one cup of ghee and one each of sugar and sooji would have horrified my frugal grandmother, who would have considered it a criminal waste of ghee to have it swimming lazily along the sides of any dish she cooked. But she would have been the first to admit that using ghee to literally confit the grains adds a depth of flavour and taste and a certain melty texture to the halwa that mere dry roasting and drizzling with ghee can never hope to achieve.

That same melt-in-the-mouth quality is what makes 'Kadha Prashad' -- the gurudwara halwa -- so addictive. This was something I adored so much in childhood that I was a gurudwara groupie, hanging around the innards of the gurdwara like a hopeful stray hoping to be chucked some Kadha Prashad at regular intervals. Always made with atta, never sooji and robust amounts of ghee, there is something about this, some secret ingredient that makes it impossible to replicate at home, some combination of piety, peace, gleaming floors, melodious beautiful gurbani streaming overhead and the presence of vast hirsuteness that domestic kitchens can never ever achieve. Even today, a ghee-slicked palmful of Kadha Prashad can lift the darkest clouds in my day and simultaneously reduce me to a blubbering wreck.

Taste of Childhood

That's the thing about atta or sooji ka halwa. It's the taste of childhood, of quiet celebration, of marking auspicious times, it's the taste of a homemade happy, even if just for a moment. That's why these halwas can never be eaten in restaurants or banquets, because they aren't meant to be grand; they are meant to be comforting and contemplative. If they are made the way they should be, then you can contemplate infinity when you eat them, but that's a different sort of grand we're talking of. These are the halwas you think of when the storm clouds gather and it looks like the rain will come down in sheets. Those are the tastes that you accessorize with old pyjamas and warm slippers - but there are others that sit better with brocades and bandgalas.

Halwas Classified

Those are the set of halwas belonging to the same family, but a different genus and species. These are halwas that are firmly on the other side of the tracks: moong ki dal ka halwa, besan ka halwa, badaam ka halwa etc. These are different in every way -- richer in mouthfeel, resplendent with nuts and ghee and requiring hours and hours of stirring and roasting over a slow flame.

Mystery of the Moong Dal Halwa

First, the moong ki dal ka halwa, staple of North Indian winter weddings and banquets and purveyed in the finer mithai shops everywhere. Nutty, rich, flavourful and earthy, it's interesting how schizophrenic this halwa is, the exact molecular opposite of its main ingredient, the pale light moong ki dal that is routinely fed to patients and convalescents. But in this avatar it is as far removed from that as it is possible to be, clearly a Cinderella taken from the hearth to the ball. This is special occasion food requiring advance notice a battalion of house elves willing to spend unhurried hours at a stove and a 30 point cholesterol leap worth of ghee to reach its full potential. This is my mother's favourite halwa, she is well-known in her corner of the world for attacking it fearlessly wherever she encounters it.

> Used to love gaajar ka halwa when I was young. My mother would make a fantastic version in which she pressure cooked the carrots with just milk and then cooked that down. Skipping the cream really lightened up the halwa so I could eat combine harvester loads of it at one sitting.

Roasting Besan

Similarly the besan ka halwa, which needs the vigilant eye of the former East German secret police to be able to roast properly. There's a lot going on here, ghee heated to smoking point, milk added to it and then besan added to this hissing, spluttering mix and slow roasted. Sugar syrup is added after a lifetime of patient roasting which when absorbed yields the prize. There is something about this process and this dish that is ultra-sensitive to neglect of any sort. If you look away for an instant, it will choose that precise moment to get spitefully burnt and taste scorched forever. However, the reward for vigilant loving care is a taste that is distinct and unique, that halwa connoisseurs the world over will give their right arm for. A friend of mine makes this now and again when she has a few days and some elbow grease to spare.

Eating with Eyes Wide Shut

I also have another friend who calls me over every Eid and feeds us kababs and biryani, along with a small swimming pool sized bowl of badaam ka halwa, which she makes from scratch. (Well from badaams, actually, but you know what I mean.) And both these halwas are rich, nutty and divine, and so utterly sinful that even glancing fearfully in their direction can make you put on weight. Which is why I am very disciplined about polishing off vast amounts of both but with my eyes firmly closed.

Halwa Evolutions

And finally to complete the halwa family is the other genus, the vegetable halwas. We all know people who swear by kaddu ka halwas and lauki ka halwas and such people must always be allowed to swear by them because the world is large enough to hold every sort of lunatic fringe (including those who believe that broiler chicken is anything other than styrofoam melted down and those who believe that lauki and kaddu are stellar halwa ingredients). The other day I also came across this recipe for a zucchini ka halwa cooked in almond milk; it had got a five star rating from many enthusiastic readers. As far as I am concerned, this is one more definition of kalyug, when a dish born out of joy and exuberance is made to wear sackcloth and ashes but if this floats your boat more power to your vegan vessel far be it from me to judge.

The King of all Halwas

But, no matter what your views on any other vegetable, it is hard to deny that the king emperor of all vegetable halwas is the world famous gaajar ka halwa. Grated carrot cooked in milk and cream till it becomes mooshy and melty with just sugar and powdered elaichi as flavouring. There are raisins and nut purists who walk among us and bloody battles have been known to break out between those who believe that raisins have their place in a halwa but not nuts vs those who feel the opposite and the equal opportunity eaters who believe that both are welcomed. Either which way, gaajar ka halwa is something that needs both and neither to be the poster dish of the North Indian winter. This is the perfect fusion occasion dish made at home, eaten at weddings, sold in mithai shops - everyone has a recipe and mostly everyone has a taste for it.

Aate ka Halwa.

I used to love gaajar ka halwa when I was young. My mother would make a fantastic version in which she pressure cooked the carrots with just milk and then cooked that down. Skipping the cream really lightened up the halwa so I could eat combine harvester loads of it at one sitting. When she wanted to make it slightly more mellow, she would roast this basic starter halwa again on a heavy bottomed iron tava with a teaspoon of ghee. This suffused the halwa with the wonderful ghee aroma and the slow heat reaching out in lazy licks through the heavy bottomed tava made the milk solids in it caramelize and turn gooey; chewy and wonderful in your mouth. I've eaten my way joyously through several mountains of this tava-roasted Halwa 102 every year too, every spoonful an ode to joy.

> This is one of the great food-related tragedies of my life. As someone who has always equated halwas with wellbeing and small happinesses, with joy and comfort, having one of the pillars of this belief snatched away from me when I am not yet past the hump of middle age is a horrible setback.

Lost Mojo

However, for the last few years, this has changed. I have clearly exceeded the critical amount of gaajar ka halwa that is possible for one person to consume in one lifetime because I can't seem to approach it with anything nearing my earlier enthusiasm. This is one of the great food-related tragedies of my life. As someone who has always equated halwas with wellbeing and small happinesses, with joy and comfort, with family and celebration, having one of the pillars of this belief snatched away from me when I am not yet past the hump of middle age is a horrible setback. Those of you who feel like you have the recipe to help me get my gaajar ka halwa mojo back or have another halwa recipie (no, I'll skip the zucchini, lauki and kaddu brigade if you don't mind please) which you feel will help offset this hideous loss, please help. Send recipes or google maps pins to reach homes of best practice followers of making the halwas you are recommending -- think of it as your noble effort to help me alleviate my suffering.

A New Halwa Resolve

And as a toast to my childhood memories, I've decided I'm going to follow my nani's example. Every monthfull, I will choose a reason or a day to celebrate something I typically wouldn't. I will make a halwa, eat a halwa, share a halwa recepie with someone I wouldn't generally reach out to. Even if nothing else changes, I reckon I will be a lot happier with halwa inside me than not.

writetoarbit@rashtradoot.com

Gajar Ka Halwa.

#AWARD

Rashtradoot Lauded as Rajasthan's Best Brand

Rashtradoot received the certification for Rajasthan's best brands.

In the last two years, Rashtradoot has won as many as 12 awards and continues to make waves at International and National award circuits. The newspaper was recently awarded the Rajasthan's Best Brand Certification at the Rajasthan Best Brand felicitation ceremony in Jaipur.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

Rashtradoot added yet another feather to its cap as it was recently bestowed with the Rajasthan's Best Brand Award. The award applauds the differentiated, consistent and rooted credibility of the newspaper and its innovations over the years. Endorsed by World Marketing Congress, CMO Global and World Federation of marketing professionals, the awards seek to identify and celebrate outstanding brand building and marketing by organizations.

Felicitating homegrown brands of Rajasthan

Throwing light on the objective of the awards, Executive Director, CMO Asia / CMO Global, Dr Aalok Pandit shared that the awards are entirely state-oriented and seek to felicitate homegrown brands and local businesses of Rajasthan. "It is an independent brand recognition exercise initiated to give recognition to those brands and organizations who have achieved extraordinary success from innovative and effective marketing practices. The Awards are based not only on financial valuation but also on consumer preferences. Held to foster marketing awareness in the professional community, the underlying mission of these Awards is to educate and disseminate the importance of branding and brand building in Rajasthan," said Dr Pandit.

> It is worth noting for almost 70 years, Rashtradoot had been a Hindi newspaper specializing in intrepid, in-depth political reporting and analysis. With the introduction of ARBiT, a unique English center spread in 2016, Rashtradoot offered readers a hybrid platform that catered to the two most important aspects of a newspaper hard news in the vernacular language and leisure reading in English.

The Academic Council and Awards Committee undertake copious research and focus on aspects such as quality, reliability and distinction to shortlist its awardees. Trust, openness, vision as well as respect and responsibility are also factored in as key competency indicators.

As many as 45 brands from arenas as diverse as CSR, education, technology, media etc. were felicitated at the Rajasthan Best Brand felicitation ceremony in Jaipur recently. The Senior Vice President of Rashtradoot, Mr Abhinav Saxena received the award on behalf of Team Rashtradoot.

12 Awards in 24 Months

What is absolutely incredible is that in the last two years, this is the 12th award that Rashtradoot has received. Earlier this year, Rashtradoot also bagged the GOLD award at the renowned media brand awards -- AFAQS for unique storytelling.

The other accolades for Rashtradoot include the Decade Awards 2020 'Non-fiction Content of the Decade - Special Mention', Global Media Awards (GMA) by the International News Media Association (INMA), in which Rashtradoot won an award in the 'Best Use of Print' category for its unique editorial innovation – *'Rashtradoot: The Bilingual Newspaper'*. Prior to this, the newspaper also won the Silver at INMA Global Media Awards 2020 under the special category of 'Best Initiative in Response to Covid-19'. Similarly, it bagged the Gold at Media Innovation Awards 2020 under the category of Innovation in Editorial for Arbit. The newspaper has also previously been awarded *The Asia-Pacific Stevie Award, The Decade Award, The India Content Leadership Award and Maharaja Sawai Ishwari Singh Award for Excellence in the Field of Journalism* at the Sawai Jaipur Awards 2020.

It is worth noting for almost 70 years, Rashtradoot had been a Hindi newspaper specializing in intrepid, in-depth political reporting and analysis. With the introduction of ARBiT – a unique English center spread – in 2016, Rashtradoot offered readers (and advertisers alike) a hybrid platform that catered to the two most important aspects of a newspaper - hard news in the vernacular language, as well as leisure reading in English. Today it is Rajasthan's first and one of the India's most successful bilingual newspapers.

Team Rashtradoot would also like to take this opportunity to thank its readers and contributors from across the state for their continual support and faith in us!

Senior Vice President, Rashtradoot, Abhinav Saxena receiving the award from Rakesh Chopra, Managing Director, Rajasthan Electronics & Instruments Ltd.

THE WALL

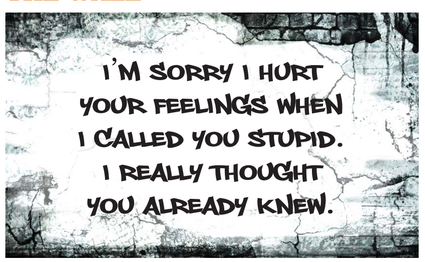

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

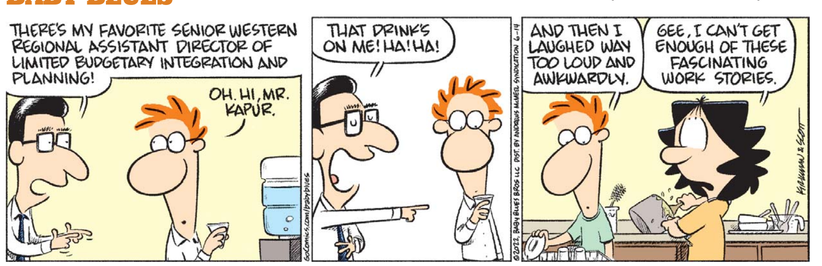

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

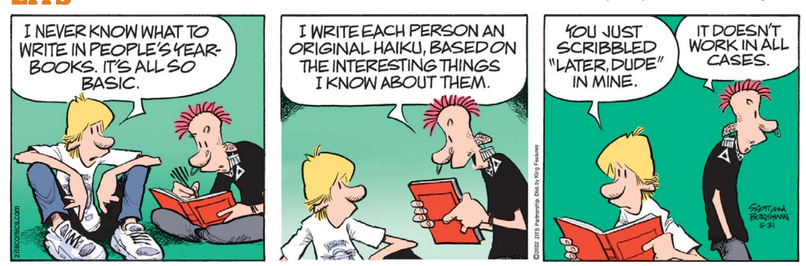

शराब पीकर मजारों में तोड़फोड़ मामले में 5 गिरफ्तार, दो बाल अपचारी भी डिटेन

राजसमंद/भीम, (निसं)। भीम थाना क्षेत्र में पुराने कब्रिस्तान में बनी मजारों की तोड़फोड़ कर धार्मिक भावनाओं को आहात करने एवं सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास करने के आरोप में भीम थाना पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया व 2 बाल अपचारियों को डिटेन किया गया।

थानाधिकारी गजेन्द्रसिंह ने बताया कि मामले को लेकर पुलिस ने चंदा उर्फ चन्द्रप्रकाश सिंह पुत्र रतनसिंह कुशवाह निवासी कोच थाना कोच जिला जालौन उत्तर प्रदेश, हेमेन्द्रसिह उर्फ रवि पुत्र श्रवणसिंह रावत निवासी धर्मेशपुरी भीम, सुरेन्द्रसिंह उर्फ नैना लक्ष्मणसिंह निवासी नेडी भीम, शिवेन्द्रसिंह पुत्र भंवरसिंह रावत निवासी बालातों की गुआर भीम एवं योगेश उर्फ नैना पुत्र राजूसिंह रावत निवासी निचला बाजार मानारावजी का वास भीम को गिरफ्तार किया गया। थानाधिकारी ने बताया कि 24 जून को प्रार्थी अब्बास अली पुत्र खुदाबख्स कुरैसी निवासी न्यू विजय कॉलोनी भीम ने समस्त मुस्लिम समाज भीम की ओर से एक रिपोर्ट पेश की। जिसमें बताया कि 23 जून रात्रि के समय किसी अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा पुराने तालाब स्थित बनी मजारों की तोड़-फोड़ क्षतिग्रस्त कर दिया गया है एवं वहां बैठकर शराब का सेवन भी किया है। साथ ही मजारों पर गंदगी फैलाई हुई है।

असामाजिक तत्वों ने इस तरह का कृत्य कर धार्मिक भावनाओं को आहात कर सांप्रदायिक सौहार्द को भंग करने का प्रयास किया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सुधीर चौधरी के निर्देशानुसार टीम गठित की गई।

डीएसपी राजेन्द्रसिंह ने घटना स्थल का मौका मुआयना किया। इसके बाद थाने पर शांति बनाये रखने के लिए सीएलजी सदस्यो की मिंटीग ली गई। मामले को लेकर गठीत टीमों द्वारा आसुचना का संकलन करते घटना का खुलासा कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार व दो बाल अपचारी को डिटेन किया गया। पुलिस द्वारा मामले को लेकर जांच जारी है।

- जन्मदिन पर शराब पार्टी के बाद की थी मजारों की तोड़फोड़
- भीम थाना पुलिस ने दो बाल अपचारी भी डिटेन किए

राजसमंद : मजारों की तोड़फोड़ करने के मामले में पुलिस ने पांच जनों को गिरफ्तार किया।

तबियत बिगड़ने से मनरेगा महिला श्रमिक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र में गोपालद्वारा के समीप मनरेगा मस्टरोल में काम करती एक अधेड़ महिला की अचानक तबियत बिगड़ जाने से मौत हो गई। सूचना पर ग्राम विकास अधिकारी व कनिष्ठ लिपिक भागचंद जाट मौके पर पहुंचे जहां से महिला को मांडल चिकित्सालय पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

- मनरेगा नियमों के तहत सुविधाएं मुहैया नहीं कराने का आरोप

ग्राम विकास अधिकारी कजोड़मल गुर्जर ने बताया कि शुक्रवार सुबह सभी श्रमिकों के साथ गुलाबी पत्नी कन्हैया लाल लौहार 60 वर्ष कार्यस्थल पर आई जहां कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई थी।

क्षेत्रभर में नरेगा श्रमिकों के लिए गर्मी के प्रकोप को देखते हुए सुबह का समय किया हुआ है लेकिन श्रमिकों का आरोप है कि उन्हें नरेगा नियमों के तहत आवश्यक सुविधाएं मुहैया नहीं कराई हुई है जैसे जल, छाया इत्यादि इस कारण श्रमिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

शुक्रवार सुबह भी यही स्थिति बनी हुई थी जिस कारण अधेड़ महिला की अचानक तबियत बिगड गई और उसे प्राथमिक उपचार समय पर ना मिलने के अभाव में मौत हो गई। इससे क्षेत्रभर के श्रमिकों में आक्रोश व्याप्त है। मृत श्रमिक के परिजनों को सूचित कर महिला के शव को मोर्चरी में रखवाया जहां मेडिकल बोर्ड की मदद से उसका पोस्टमार्टम कराया गया।

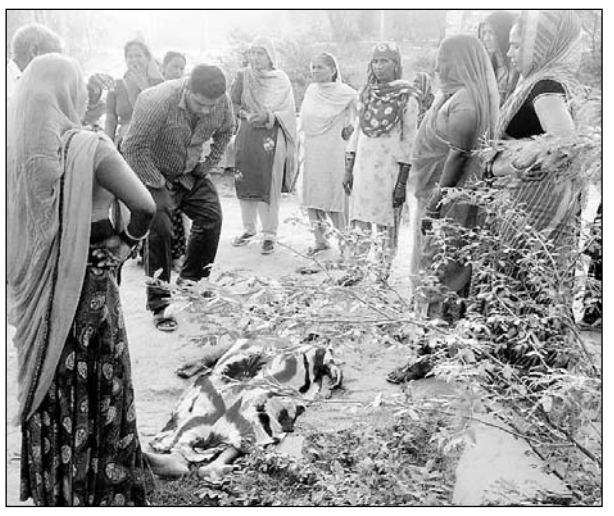

मनरेगा में काम करती महिला की तबियत बिगड़ने की सूचना पर ग्राम विकास अधिकारी व कनिष्ठ लिपिक भागचंद जाट मौके पर पहुंचे।

उपनगर पुर में सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने की कोशिश नाकाम

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा शहर के उपनगर पुर में असामाजिक तत्वों द्वारा साम्प्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने की नाकाम कोशिश की गई। कब्रिस्तान की दीवार पर आपत्तिजनक नारे लिखने से क्षेत्र में माहौल गरमा गया।

एएसपी ज्येष्ठा मेत्रेयी ने बताया कि उपनगर पुर में नीलकंठ महादेव मंदिर के पास सोरगर मोहल्ले के निकट तलाब की पाल के निकट कब्रिस्तान है। शुक्रवार सुबह असामाजिक तत्वों ने माहौल बिगाड़ने की नीयत से कब्रिस्तान की दीवार पर आपत्तिजनक नारे लिख दिए। इसकी जानकारी जब मुस्लिम समाज के लोगों को हुई तो उनमें रोष व्याप्त हो गया और बड़ी संख्या में मौके पर भीड़ जमा हो गई।

सूचना मिलने पर पुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। इस दौरान मौके पर मौजूद लोग उच्चाधिकारियों को मौके पर बुलाने व नारे लिखने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग करने लगे।

- कब्रिस्तान की दीवार पर आपत्तिजनक नारे लिखने से माहौल गर्माया
- प्रशासन की सूझबूझ से मामला शांत हुआ, दीवार पर लिखे नारे को मिटवाया
- मुस्लिम समाज की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है

इसके बाद डीएसपी सदर रामचंद्र चौधरी, एसडीएम ओमप्रभा मय जाब्ता मौके पर पहुंचे और आक्रोशित भीड़ से वार्ता कर समझाइश की। इसके बाद दीवार पर लिखे नारे को मिटवा दिया गया। मुस्लिम समाज की ओर से अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दी गई है। उधर, एहतियातन क्षेत्र में पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया गया। पुलिस नारा लिखने वालों की तलाश कर रही है।

इस बीच, मौके से पुलिस ने दूसरे समुदाय के एक व्यक्ति को डिटेन कर लिया और थाने ले गई। इसकी भनक लगते ही दूसरे पक्ष के लोग पुर थाने के बाहर पहुंच गये।

ये लोग डिटेन किये गये व्यक्ति को छोड़ने व इस मामले में वरिष्ट अधिकारियों से वार्ता करने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल मौके पर शांति बनी हुई थी। पुलिस स्थिति पर निगाह रखे हुये हैं।

जेईई मेन परीक्षा आयोजित

कोटा, (निसं)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर शुक्रवार को बीई और बीटेक में दाखिले के लिए आयोजित जेईई मेन-2022 परीक्षा दो सत्र में हुई। परीक्षा की पहली शिफ्ट सुबह 9 बजे से 12 बजे और दूसरी दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक आयोजित की गई।

जेईई मेन की परीक्षा 23 जून से शुरू होकर लगातार 29 जून तक देशभर में आयोजित की जा रही है। मोशन एजुकेशन फाउंडर और सीईओ नितिन विजय ने बताया कि जेईई मेंस 2021 के लिए स्टूडेंट्स की पहली सत्र की प्रतिक्रियाओं के मुताबिक मैथमेटिक्स सेक्शन गत वर्षों की तुलना में कठिन था जबकि फिजिक्स और केमिस्ट्री वाला पार्ट अपेक्षाकृत आसान रहा। जहां तक वेटेज का सवाल है मैथ्स में वैक्टर, मैथमैटिकल इंडक्शन, पी एंड, फिजिक्स में सेमीकंडक्टर, पीओसी, वेव्स और केमिस्ट्री में सवाल एनसीईआरटी आधारित और सीधे थे। कुल मिलकर फिजिक्स और मैथ्स में ज्यादा से ज्यादा चेप्टर कवर हुए हैं जबकि केमिस्ट्री में ज्यादातर न्यूमेरिकल फिजिकल केमिस्ट्री से आए थे।

जिला उपभोक्ता संरक्षण आयोग ने बैंक पर हर्जाना लगाया

जोधपुर, (कासं)। जिला उपभोक्ता संरक्षण आयोग द्वितीय ने फाइनेंस किये हुए वाहन को किश्तों के भुगतान में चूक किये जाने पर विधिवत नोटिस दिए बिना ही ऋणी से जब्त कर नाजायज रुप से बेचान कर देने पर इंडसइंड बैंक पर दो लाख रुपए हर्जाना लगाया है।

मामले के अनुसार उदय मंदिर, जोधपुर निवासी मोबिना बानो ने जिला उपभोक्ता संरक्षण आयोग द्वितीय में परिवाद प्रस्तुत कर बताया कि उसने अपने जीवनयापन हेतु तीन पहिया वाहन अतुल जैमिनी मार्च, 2017 में खरीदकर इंडसइंड बैंक, इंडस्ट्रीयल एरिया, द्वितीय चरण, बासनी शाखा से 1 लाख 30 हजार रूपये की ऋण सुविधा प्राप्त की थी। बैंक ने कुछ किश्तें बकाया बताकर 27 फऱवरी,2018 को कुछ बाहुबलियों के द्वारा उससे यह वाहन जबरन रूप से छिन लिया तथा इसे नीलामी में कौडियों के भाव बेच दिया गया है। विपक्षी बैंक ने ज़बाब प्रस्तुत कर बताया कि परिवादी में 20734 रुपए की ऋण किश्तें बकाया होने से करार की शर्तों के अनुसार उसे वाहन जब्त करने का पूर्ण अधिकार है तथा नोटिस दिए जाकर जब्ती व नीलामी की नियमानुसार कार्यवाही की गई है।

- फाइनेंसशुदा वाहन को नाजायज रुप से जब्त कर बेचने पर हर्जाना लगाया

मामले की सुनवाई के दौरान आयोग ने यह पाया कि विपक्षी बैंक द्वारा जब्ती व नीलामी कार्यवाही में अनेक अनियमितताएं एवं अवैधता बरती गई है। मात्र सात दिन का नोटिस दिया गया है तथा उक्त नोटिस की भी अवधि पूरी होने से पहले ही वाहन को परिवादीनी से जब्त कर लिया गया। परिवादीनी ने आजीविका कमाकर बकाया किश्तें जमा कराने का निवेदन किया किंतु इसे दरकिनार कर दिया तथा नीलामी कार्यवाही भी पूर्ण प्रक्रिया की पालना किए बिना तुरत-फुरत में पूरी कर दी गई है। वाहन को बेचने हेतु सैल लैटर का स्टांप पेपर 11 अप्रेल को खरीद किया गया है, जबकि इस पर सैल लैटर पूर्व तिथि 21 मार्च में तैयार किया गया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ श्याम सुन्दर लाटा, सदस्य डॉ. अनुराधा व्यास, आनंद सिंह सोलंकी ने अपने निर्णय में कहा कि विपक्षी बैंक के कर्मचारियों की खराब कार्यशैली व सेवा में कमी के कारण परिवादीनी को ना केवल एकाएक रोजगार के साधन से वंचित होना पड़ा है। बल्कि नये खरीद किये गये वाहन को कुछ माह बाद ही जानबूझकर आधी कीमत पर बेचकर परिवादीनी को भारी आर्थिक नुकसान कारित किया गया है।

आयोग ने विपक्षी बैंक की सेवा में कमी मानते हुए आर्थिक नुकसान व मानसिक वेदना की क्षतिपूर्ति के निमित्त दो लाख रुपए की राशि विपक्षी बैंक द्वारा परिवादीनी को भुगतान करने का आदेश दिया है।

भीलवाड़ा में तीन करोना पॉजीटिव मिले

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में शुक्रवार को तीन कोविड पॉजीटिव मरीज सामने आए हैं। इनमें एक शहरी क्षेत्र का जबकि दो ग्रामीण क्षेत्रों के हैं। हालत ठीक नहीं होने पर एक को अस्पताल में भर्ती किया गया है जबकि दो को घर पर ही होम आइसोलेट किया गया है। तीनों की कोई भी ट्रावेल हिस्ट्री नहीं है। डिप्टी सीएमएचओ एवं रैपिड रेस्पांस टीम प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि इन रोगियों में पहला मांडल क्षेत्र का 21 वर्षीय युवक है जिसे तबीयत ठीक नहीं होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। दूसरा शहर के सुभाष नगर का रहने वाला 25 वर्षीय युवक है और तीसरा कोटडी का रहने वाला 45 वर्षीय प्रौढ़ है। सभी ने सर्दी, खांसी, जुकाम होने पर कोरोना की जांच करवाई थी। इनमें सुभाष नगर के रहने वाले व्यक्ति ने कोरोना वैक्सीन की तीनों डोज लगवा ली है जबकि शेष दो ने दो डोज लगवा ली है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से वैक्सीन लगवाने एवं कोविड गाइडलाइन की पालना की अपील की है।

अनुकंपा नौकरी के लिए पिता को अफीम देकर मारने का आरोप

जोधपुर, (कासं)। शहर के मथुरादास माथुर अस्पताल में एक बीमार की गत वर्ष दिसम्बर में मौत हो गई थी। उसके रिश्तेदार ने मृतक के दो पुत्रों, उसकी पत्नी और अन्य के खिलाफ हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। शास्त्रीनगर पुलिस ने घटना में प्रकरण दर्ज करते हुए जांच आरंभ की है। आरोप है कि मृतक जलदाय विभाग में नौकरी करता था और परिजन अनुकंपा नौकरी पाने के लिए बीमार को अफीम दी थी। फिलहाल पुलिस इस संबंध में अब जांच कर रही है।

शास्त्रीनगर पुलिस ने बताया कि बाड़मेर के पुराना जाटावास निवासी कैलाश पुत्र ईश्वरचंद शर्मा ने यह मामला दर्ज करवाया। इसमें बताया कि उसके बड़े पिता का लडका जगदीश शर्मा जलदाय विभाग में नौकरी करता था। गत वर्ष दिसम्बर में वह बीमार हो गया था। तब उसे बाडमेर के एक चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया। मगर तबीयत बिगडने पर बाद में उसे जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया। जहां पर 2 दिसम्बर को उसकी मौत हो गई। परिवादी कैलाश का आरोप है कि जगदीश के दो पुत्रों मुकेश, सवाई सिंह एवं पत्नी तुलसी से संबंध अच्छे नहीं थे। बाडमेर अस्पताल में जगदीश के बीमार होने के बावजूद डॉक्टरी मनाई के उपरांत भी उसे अफीम दी गई थी। तबीयत बिगडने पर जोधपुर भेजा गया था। इन लोगों ने साजिश पूर्ण तरीके जगदीश की हत्या की है। वे अनुकंपा नौकरी हासिल करना चाहते थे। रिपोर्ट में उक्त तीन लोगों के अतिरिक्त जाटावास बाडमेर के रमेश जोशी एवं जोधपुर के पीपली निवासी खींमाराम पर भी इसमें शरीक होने का आरोप लगाया है। शास्त्रीनगर पुलिस ने हत्या एवं सबूत नष्ट किए जाने का प्रकरण दर्ज करते हुए अब इमसें अनुसंधान आरंभ किया है।

- दो पुत्रों व पत्नी सहित अन्य के खिलाफ हत्या करने का मामला दर्ज

सेना के बम निरोधक दस्ते ने बमों को डीफ्यूज किया

सूरतगढ़, (निसं)। सूरतगढ़ के राजियासर और सूरतगढ़ सिटी थाना क्षेत्र में करीब तीन सप्ताह पूर्व मिले सेना के दो जिंदा बमों को शुक्रवार को श्रीगंगानगर से पहुंचे सेना के बम निरोधक दस्ते ने ब्लास्ट करवा डिफ्यूज कर दिया।

28 मई को राजियासर थाना क्षेत्र के उदयपुर गोदरान गांव की रोही और सूरतगढ़ सिटी थाना के पिपेरन क्षेत्र में बम मिले थे। जिसे ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने अपनी निगरानी में लेते हुए एहतियात के तौर पर उनके चारों ओर मिट्टी के कट्टे रखवा सुरक्षित किया था। वहीं मामले की सेना के उच्चाधिकारियों को सूचना दी थी। जिसे लंबे इंतजार के बाद आज डिफ्यूज करने की कार्रवाई की गई। श्रीगंगानगर से पहुंची सेना की टीम ने इन बमों को सावधानीपूर्वक सुरक्षित स्थान पर ले जाकर विधि सम्मत ब्लास्ट करवा दिया। वहीं बम ब्लास्ट के बाद एक बारगी आसमान में रेत का गुबार छा गया। बम के निस्तारण होने के साथ ही ग्रामीणों और निगरानी कर रही राजियासर तथा सूरतगढ़ की सिटी पुलिस ने राहत की सांस ली है। करीब 22 वर्ष पूर्व बिरधवाल स्थित सेना के आयुध डिपो में लगी आग के बाद हुए धमाकों के कारण कई बम आसपास के इलाकों में जा गिरे थे।

- राजियासर व सूरतगढ़ सिटी थाना क्षेत्र में मिले थे बम

बेटे को विदेश भेजने के लिये हैड कांस्टेबल को हनीट्रैप में फंसाया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में हनीट्रैप के मामले में एक हैड कॉन्स्टेबल ही फंस गया। सीएलजी महिला मेंबर ने अश्लील वीडियो बनाकर 3 से 4 लाख रुपए की डिमांड की।

पदमपुर थाने में तैनात कॉन्स्टेबल गुरदेव सिंह ने मामला दर्ज करवाया कि कि थाने की सीएलजी मेंबर सुखप्रीत कौर ने उसे इलाके से गायब हुई एक युवती के उसके घर होने की बात कहकर उसे अपने घर बुलाया। कॉन्स्टेबल के आरोपी सीएलजी मेंबर के घर पहुंचने पर उसने उसे अपने घर के अंदर कमरे में बैठाया और बाहर से दरवाजा बंद करवा दिया। आरोपी महिला के साथ मौके पर एक और महिला भी मौजूद थीं। जिसने उसकी अश्लील क्लिप बना ली। वीडियो वायरल कर बदनामी का भय दिखा 3-4 लाख रुपए मांगे। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी सुखप्रीत कौर और विमला निवासी 1 डीडी व आंचल श्रीगंगानगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल से अश्लील क्लिप और लूटपाट की राशि 1420 रुपए बरामद किए है। आरोपी महिला सुखप्रीत कौर ने बताया कि उसे अपने बेटे को विदेश भेजना है और इसके लिए रुपए की जरूरत थी। इसी कारण उसने यह साजिश रची। अश्लील क्लिप बनाने के बाद आरोपी महिला सुखप्रीत हैड कॉन्स्टेबल गुरदेव से 4 लाख रुपये मागने लगी। यह जानकारी मिलने पर डीएसपी सुरेंद्र राठौड़ ओर एसएचओ रामकेश मीना ने आरोपियों को पकड़ने की योजना बनाई। आरोपी महिला के रुपए मांगने के लिए करीब 10 फ़ोन आये। आरोपी महिला ने हैड कॉन्स्टेबल से नया मोबाइल खरीदने के लिए कुछ रुपये ऑनलाइन उसके खाते में ट्रांसफर करने को कहा। पुलिस ने दोनों की बातचीत की रिकॉर्डिंग की। दोपहर तक मामला डेढ़ लाख रुपये में तय हो गया। आरोपी महिला ने रुपए लेने के लिए फ़ोन कर कई बारजगह बदली। हैड कॉन्स्टेबल ने बात किसी को लीक नहीं करने का भरोसा दिलाया तो सुखप्रीत ने उसे गांव की तरफ नहर पर पैसे लेने के लिए बुलाया। सुखप्रीत पकड़े जाने के डर से खुद नहीं आई बल्कि साजिश में शामिल विमला नाम की महिला को भेजा। पुलिस ने योजना के अनुसार उन्हें पकड़ लिया।

हिस्ट्रीशीटर की हत्या की साजिश नाकाम

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की सुभाषनगर थाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर की हत्या की साजिश रचते एक अन्य हिस्ट्रीशीटर सहित चार युवकों को गिरफ्तार कर चाकू सहित अन्य हथियार बरामद किए हैं। इन दो गुटों के बीच क्षेत्राधिकार को लेकर रंजिश चल रही है।

पुलिस अधीक्षक आदर्श सिधू ने बताया कि शहर में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एएसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी के नेतृत्व और वृत्ताधिकारी सदर रामचंद्र चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया है। इस टीम में थानाप्रभारी मनोज कुमार, एसआई भंवरलाल, एएसआई सुरेशचंद्र, कांस्टेबल लोकेश, कमलेश, शंभु, पंकज को शामिल किया गया। टीम को सूचना मिली कि सुभाषनगर थाना क्षेत्र में आदतन अपराधी व हिस्ट्रीशीटर मोंटी भांभी, शशि गवारिया व हिस्ट्रीशीटर ईश्वर उर्फ ईशू, गोविंद व ओमप्रकाश के बीच जेल में रहने के दौरान आपसी रंजिश हो गई।

- हथियारों के साथ हिस्ट्रीशीटर सहित चार गिरफ्तार
- दोनों गुटों के बीच क्षेत्राधिकार को लेकर रंजिश चल रही थी
- पुलिस आरोपियों से गहनता से पूछताछ में जुटी

इसी रंजिश के चलते आदतन अपराधी ईश्वर उर्फ ईशू, गोविंद, कमल, राहुल नायक, संदीप सिंह राणावत, पालडी रोड हरिजन बस्ती स्थित खाली भूखंड में हथियारों सहित जमा होकर आदतन अपराधी मोंटी भांभी व शशि गवारिया की हत्या की साजिश रच रहे है। सूचना के आधार पर तत्काल टीम ने दबिश देकर हिस्ट्रीशीटर ईश्वर उर्फ ईशू, उसके साथी कमल, राहुल नायक व संदीप सिंह राणावत को गिरफ्तार किया। ईश्वर के कब्जे से तलवार व चाकू, कमल से तलवार, राहुल नायक से फरसा पाइप, संदीप सिंह से फरसा व पाइप जब्त किया गया। वहीं एचएस गोविंद पुलिस के आने की भनक लगने से फरार हो गया। सभी चारों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कर लिया गया। पुलिस गोविंद की तलाश कर रही है। पकड़े गए लोगों में ईश्वर उर्फ ईशू पुत्र गोपाल निवासी छोटी पुलिया, पालडी रोड हरिजन बस्ती आरसी व्यास, कमल कोठियान पुत्र रमेश कोठियान, अंबेडकर कॉलोनी, राहुल पुत्र दामोदर नायक व संदीप सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह राणावत निवासी हीरा फैक्ट्री के पास सुभाष नगर शामिल हैं। पुलिस आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रही है।

सुभाषनगर थाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर की हत्या की साजिश रचते एक अन्य हिस्ट्रीशीटर सहित चार युवकों को गिरफ्तार कर चाकू सहित अन्य हथियार बरामद किए।

छह लाख रुपए की स्मैक सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया

करौली, (निसं)। करौली पुलिस ने कार्यवाही करते हुए करीब 6 लाख रुपये की अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

जिला स्पेशल टीम, कुड़गांव थाना पुलिस और साइबर सेल की मदद से ऑपरेशन फ्लेशआउट के तहत कार्रवाई करते हुए 57 ग्राम स्मैक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिला पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह इंदौलिया ने बताया कि पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थ स्मैक के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन फ्लेशआउट के तहत कुडगॉव थाना अधिकारी नीरज कुमार शर्मा एवं डीएसटी टीम और साइबर सेल द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए आरोपी अजय सिंह पुत्र रघुवीर मीणा निवासी नथुआ का पूरा कटकड थाना सदर हिण्डौन एवं मुणेश चंद पुत्र हराना मीणा निवासी मेढी थाना वजीरपुर जिला सवाई माधोपुर को स्मैक सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को कुडगॉव थाना अधिकारी नीरज कुमार शर्मा, डीएसटी टीम और साइबर सेल के साथ थाने से रवाना होकर गस्त एवं चेकिंग बदमाशान कस्बा कुडगांव, गैरई मोड़, बस स्टैंड होते हुए रूडी रोड तिराहे पर पहुंचे तो दो व्यक्ति सामने से आते हुए दिखाई दिए जो पुलिस की जीप को देखकर रुंडी गांव की तरफ जाने वाली सड़क पर भागने लगे जिन्हें थाना अधिकारी और डीएसटी टीम के हैड कांस्टेबल रविंद्र, कांस्टेबल विक्रम सिंह ने तत्परता दिखाते हुए भाग कर पकड़ लिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपियों की तलाशी ली गई तो दोनों आरोपियों से 57 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक मिली जिसे जप्त कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है एवं कुडगॉव थाने पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

उन्होंने बताया कि कार्यवाही में कुड़गांव थाने के थाना अधिकारी नीरज कुमार शर्मा, जिला स्पेशल टीम के प्रभारी रविंद्र सिंह हैड कांस्टेबल, कुड़गांव थाने के कांस्टेबल मदन मोहन, रामराज, डीएसटी टीम के हैड कांस्टेबल संदीप कुमार, कांस्टेबल विक्रम सिंह, नमोनारायण, रन्नो सिंह, रूपेंद्र सिंह, कैलाश, चालक अभय, साइबर सेल के मनीष कुमार और कांस्टेबल पुष्पेंद्र कुमार साथ रहे। इस दौरान पूरी कार्यवाही में कांस्टेबल विक्रम सिंह की विशेष सराहनीय भूमिका रही।

जिला स्पेशल टीम और कुड़गांव थाना पुलिस ने अवैध स्मैक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कुत्तों ने राष्ट्रीय पक्षी मोर पर हमला किया

निवाई। गांव कनेसर में शुक्रवार को राष्ट्रीय पक्षी मोर पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया जिससे मोर जख्मी हो गया। ग्रामवासी सुरेश यादव, सुनीता यादव एवं लालाराम सैनी, हेमराज सैनी ने कुत्तों से मोर को छुडवाया। ग्रामीण सुरेश यादव ने मोर के घायल होने की सूचना वन्यजीव प्रेमी राजेश कनेसर को दी। सूचना पर राजेश कनेसर तुरन्त मौके पर पहुंचे और राष्ट्रीय पक्षी मोर का प्राथमिक उपचार किया । घायल मोर की सूचना जिला वन विभाग को दी । सूचना पर वन कर्मचारी गौरीशंकर यादव मौके पर पहुंचे और इलाज के लिए घायल मोर को निवाई लेकर आए।

कुडली पंचायत में वर्षों बाद प्रशासन ने अतिक्रमण हटाया

फागी, (निसं)। उपखंड के ग्राम पंचायत कुडली में कई वर्षों से अतिक्रमण हो रखा था, जिसकी सूचना पर शुक्रवार को अवैध अतिक्रमण को फागी पंचायत समिति विकास अधिकारी नारायण सिंह के नेतृत्व में गठित ग्राम पंचायत टीम व पुलिस जाब्ता द्वारा हटाया गया।

विकास अधिकारी नारायण सिंह ने बताया कि कुंडली में संचालित राजकीय माध्यमिक विद्यालय के सामने पड़ी चरागाह भूमि में अतिक्रमणकारियों ने बाड़े बनाकर अतिक्रमण कर रखे थे, जो कि पूर्व में ग्रेवल सड़क फुटलिया नाडे की ओर रास्ता पश्चिम में पंचायत की तीन दुकान व लोहारों के घर तक उत्तर में कुम्हारो के खेतों तक दक्षिण में डामर सड़क मैन्दवास रोड तक ही रखे को अतिक्रमण हटवाया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई उपस्थिति अधिकारी कर्मचारी व ग्राम पंचायत के व्यक्तियों तहसीलदार नायब तहसीलदार भू-अभि.निरीक्षक गिरदावर हल्का पटवारी थानाधिकारी भंवरलाल वैष्णव जाब्ता सहित विकास अधिकारी नारायण सिंह सहायक विकास अधिकारी ग्राम विकास अधिकारी मुकलेश खटीक पूर्व सरपंच रामकरण जांगिड़ बीरदा राम गुर्जर सहित अन्य ग्राम के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। अतिक्रमण हटवाने पर ग्राम विकास अधिकारी मुकलेश खटीक का ग्रामवासियों ने उनके कार्य की सराहना की।

फागी पंचायत समिति विकास अधिकारी नारायण सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने अतिक्रमण हटाया।

महात्मा गांधी दर्शन सदस्य दल रवाना

निवाई। उपखंड अधिकारी कार्यालय पर महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति के पदाधिकारियों को मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी त्रिलोकचन्द मीणा, समिति के संयोजक महावीरप्रासाद पराना व सहसंयोजक एडवोकेट बनवारीलाल यादव ने हरी झण्डी दिखाकर अजमेर संभाग के लिए रवाना किया। पराना ने बताया कि 25 से 27 जून को नागौर, भीलवाडा व अजमेर संभाग में महात्मा गांधी दर्शन समिति के सदस्यों का प्रशिक्षण शिविर आयोजित होगा। जिसमें सभी सदस्यों को महात्मा गांधी के जीवन व उनके सिद्वान्तों पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी। सहसंयोजक एडवोकेट बनवारीलाल यादव ने बताया कि महात्मा गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर की तैयारियां को लेकर पदाधिकारियों से चर्चा की जा रही हैं। इस अवसर पर समिति के सदस्य दिनेश गिन्दोडी, मोहम्मद सलीम सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

भाजपा का प्रबुद्ध जन सम्मेलन आज

दौसा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी जिला दौसा के तत्वावधान में 25 जून को प्रात 10 बजे संत सुन्दरदास स्मारक पर प्रबुद्ध जन सम्मेलन आयोजित किया जावेगा। जिसमें आपातकाल के समय जेल जाने वाले सेनानियों को सम्मानित किया जावेगा। सम्मेलन में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग सहित अनेक नेता शामिल होगें। भाजपा जिला अध्यक्ष ने बताया कि 25 जनू को दौसा जिला मुख्यालय पर प्रबुद्ध जन सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आपातकाल के समय जेल जाने वाले सेनानियों का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग, राष्ट्रीय मंत्री अलका सिंह गुर्जर, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा सांसद जसकौर मीणा, राज्यसभा सांसद डॉ किरोड़ी लाल मीणा, रामकुमार वर्मा, जिला प्रभारी शैलेंद्र भार्गव, सह प्रभारी मोहन मोरवाल, पूर्व विधायक व पदाधिकारी, जिले के प्रबुद्धजन भाग लेंगे।

FORM NO. 14 [See Regulation 33(2)]

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL - JAIPUR

1st Floor, Sudharma-II, Lal Kothi Shopping Centre, Tonk Road, Jaipur-302015

Disptch No. DRT/JP/2809 Date : 09.06.2022
R.C. No. 75/2021 Next Date : 04.08.2022

STATE BANK OF INDIA ......Certificate Holder
Versus
M/S RINA FASHION ......Certificate Debtor

DEMAND NOTICE

To,
1. M/S RINA FASHION, Ram Nagar, Toll Tax, Tonk Road, Jaipur (Rajasthan), through Proprietor Smt. Rina Devi W/o Shri Suresh Sharma.
2. SMT RINA DEVI W/o Shri Suresh Sharma, R/o 98-A, Shatabdi Nagar, India Gate, Sitapura, Tonk Road, Jaipur (Raj.)

In view of the Recovery Certificate issued in O.A. No. 218/2018 passed by the Presiding Officer, DRT, Jaipur for an amount of Rs. 17,50,153/- (Seventeen Lacs Fifty Thousand One Hundred Fifty Three Only) and interest thereon as per Recovery Certificate is due against you.

1. You are hereby called upon to deposit the above sum within 15 days of the receipt of the notice, failing which the recovery shall be made as per rules.
2. You are, hereby ordered to appear before the undersigned on 04.08.2022 at 11:00 AM.
3. In addition to the sum aforesaid you will be liable to pay" (a) Such interest as is payable for the period commencing immediately after this notice of the execution proceedings. (b) All costs, charges and expenses incurred in respect of the service of this notice and others process that may be taken for recovering the amount due.

DETAILS OF THE AMOUNT IN THE RECOVERY CERTIFICATE DUE AGAINST YOU

1.	Recovery Certificate Amount	Rs. 17,50,153/-
2.	Cost of Suit	Rs. 21,341/-
3.	Interest from 05.02.2018 to 20.07.2021 @ 10% p.a.	Rs. 6,05,121/-
4.	Less Amount Recovered before RC issued	Rs. NIL
5.	Total Dues	Rs. 23,76,615/-

Seal
Recovery Officer-I
Debts Recovery Tribunal, Jaipur

FORM NO. 03 [See Regulation-15 (1) (a) / 16 (3)]

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JAIPUR

1st Floor, Sudharma-II, Lal Kothi Shopping Centre, Tonk Road, Jaipur- 302015

2847 / 14/6/22 Case No. : OA/211/2022

Summons under sub-section (4) of section 19 of Act, read with sub-rule (2A) of rule 5 of the Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules, 1993.

Exh. No. 5597

STATE BANK OF INDIA
VS
MR ANISH THOMAS

To,
1. MR ANISH THOMAS D/W/S/O - MR CHAKALAMOTHA LONA THOMAS, FLAT NO. 404, MAHIMA PANORAMA, JAGATPURA Jaipur, RAJASTHAN
2. M/S SHIV SHAKTI REAL HOMES PVT. LTD. 501-503, DIAMOND TOWER, NEAR PURANI CHUNGI, AJMER ROAD JAIPUR, RAJASTHAN-302019

SUMMONS

WHEREAS, OA/211/2022 was listed before Hon'ble Presiding Officer/Registrar on 07.06.2022.

WHEREAS this Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons / notice on the said Application under section 19(4) of the Act, (OA) filed against you for recovery of debts of Rs. 4443718/- (application along with copies of documents etc. annexed).

In accordance with sub-section (4) of section 19 of the Act, you the defendants are directed as under :- (i) to show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted; (ii) to disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the original application; (iii) you are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties; (iv) you shall not transfer by way of sale, lease of otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and/or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the Tribunal; (v) you shall be liable to account for the sale proceeds realised by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets.

You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the applicant and apear before Registrar on 28.09.2022 at 10:30 AM failing which the application shall be heard and decided in your absence.

Given under my hand and the seal of this Tribunal on this date 14.06.2022.

Seal
REGISTRAR
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JAIPUR

शिक्षकों व विद्यार्थियों का सम्मान किया

मंडावरी, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महारिया में शिक्षा सत्र 2022-23 के प्रथम कार्यदिवस को संस्था प्रधान कैलाश चंद मीना ने माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षा 2022 में शत् प्रतिशत परिणाम देने वाले शिक्षकों, टेस्ट परिणाम प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओ को माला पहना कर सम्मानित किया गया।

वहीं स्थानीय ग्रामीणों द्वारा राजकीय विद्यालयों में विभिन्न उच्चतम सुविधाओं का अभाव होने के बाद भी छात्र-छात्राओं द्वारा लगन से पढ़ते हुए एवं अध्यापकों द्वारा छात्र छात्राओं को अभाव के समय मे भी श्रेष्ठ तरीके से शिक्षा देकर उनके परिणाम प्रतिशत को बढ़ाने को लेकर धन्यवाद व्यक्त किया.. वही साथ ही उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। सीनियर सेकेंडरी परीक्षा में अदनान खान ने 90.60 एवं माध्यमिक परीक्षा में शुभम शर्मा ने 92.33 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। विद्यालय का उच्च माध्यमिक परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत एवं माध्यमिक परीक्षा परिणाम 91 प्रतिशत रहा है। इस अवसर पर व्याख्याता कमलेश गौतम, सहित सभी विद्यालय कार्मिक उपस्थित रहे।

अनिता ने राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय की रहने वाली फैशन जगत में उभरती अनिता जैन को टैली सॉल्यूशन के एमएसएमई हॉनर के द्वितीय अवाड्र्स के वंडर वुमन कैटेगरी में चुनी गई है।

एमएसएमई हॉनर की वंडर वुमन कैटेगरी में अनिता ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान कायम करती हुई महिला सशक्तिकरण की एक अनोखी मिसाल छोडी है। शुक्रवार को इंटरनेशनल एमएसएमई दिवस पर दिल्ली के एक होटल में आयोजित समारोह में एमएसएमई बिजिनेस फोरम के डायरेक्टर रवि नंदन सिन्हा और महिला उधमियों के लिये कार्य करने वाली संस्था वुमेनोवटर की सीईओ और फाउंडर तृप्ति सिंघल ने अनिता जैन को यह अवार्ड दिया। वंडरवुमन केटेगरी में उन महिला उद्यिमयों को सम्मानित किया जाता है, जिन्होंने विभिन्न बाधाओं को पार कर स्वयं का एक सफल व्यवसाय बनाया है और वे महिलायें व्यापारिक समुदाय के लिए एक आदर्श हैं। टैली सॉल्यूशन ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम एमएसएमई सेक्टर में पांच कैटेगरी में अवाड्र्स के लिये ऑनलाइन प्रविष्टियों को आमंत्रित किया था, जिसमें सम्पूर्ण देश से ग्यारह हजार पाच सौ प्रविष्टि प्राप्त हुई जिसमें से अनिता जैन को अवाड्र्स की 5 कैटेगरी में एमएसएमई हॉनर वंडर वुमन अवार्ड मिला।

■ एमएसएमई हॉनर वंडर वुमन अवार्ड मिला

लालसोट की रहने वाली महिला उद्यमी अनीता जैन को राष्ट्रीय स्तर पर एमएसएमई ऑनर वंडर वुमन अवार्ड मिला।

एकादशी पर शरबत पिलाया

श्रीमाधोपुर। योगिनी एकादशी पर रेलवे स्टेशन पर भीषण गर्मी में विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने राहगीरों व यात्रियों को मनुहार कर शरबत पिलाया। इस दौरान विभाग संयोजक बजरंग दल मोनू बजरंगी, विश्व हिन्दू परिषद जिला उपाध्यक्ष मुकेश कुमार शर्मा, सिद्वार्थ जांगिड,पवन गोठवाल, सतीश खूंटेटा आदि ने सेवा दी।

युवा 'अग्निपथ' योजना के विरोध प्रदर्शन में भाग लें'

दौसा, (निसं)। राज्यमंत्री मुरारीलाल मीणा ने युवाओं से आव्हान किया कि वे अग्निपथ योजना को लेकर 27 जून को आयोजित विरोध, प्रदर्शन में भाग लेकर इसका मुखर विरोध करें तथा केन्द्र सरकार को अपनी ताकत का अहसास करायें।

राज्यमंत्री मुरारीलाल मीणा ने कहा कि अग्निपथ योजना बेरोजगारों के भविष्य व भारतीय सेना की परंपरा के साथ खिलवाड है। योजना के तहत एक युवा अपनी पढाई छोड़ कर सेना में शामिल होगा और 4 साल के बाद ही युवा रिटायर पर्सन कहलाने लग जाएगा। उसका भविष्य क्या रहेगा, क्या सेना के लिए स्थाई भर्तियों का कोटा 4 साल के कांटेक्ट भर्ती योजना से ही पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना में 10 हफ्ते से 6 महीने तक की बेसिक ट्रेनिंग का ही प्रावधान है। जबकि आर्मी का ट्रेंड जवान बनने के लिए कम से कम 7 से 8 साल लग जाते हैं। सेना में हथियार टैंक, आटिलरी और मिसाइल यूनिट्स के साथ-साथ कई तकनीकी चीजों को सीखने में लंबा समय लगता है। ऐसे में 6 महीने की बेसिक ट्रेनिंग में युवा कैसे प्रशिक्षित होगा, ऐसी स्थिति में देश की सुरक्षा में वह कैसे भागीदार बन सकता है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार में कार्यरत कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन भी 30 हजार से ज्यादा है, ऐसे में 4 साल के ठेके पर भर्ती होने वाले इन युवाओं का वेतन इससे भी कम क्यों। उन्होंने बताया कि नेवी और एयरफोर्स के लिए स्पेशलिस्ट काडर वाले लोगों की जरूरत होती है यही वजह है कि इनकी ट्रेनिंग भी लंबी चलती है।

नाबालिक से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

बौंली, (निसं)। सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त परिवाद के आधार पर बौंली पुलिस ने नाबालिक से दुष्कर्म एवं छेड़छाड़ करने के आरोपी को गिरफ्तार कर सवाई माधोपुर पॉक्सो न्यायालय में पेश किया जहां से न्यायालय ने आरोपी को 1 दिन के पीसी रिमांड पर बौंली पुलिस के सुपुर्द किया है। बौंली सर्किल इंस्पेक्टर श्रीकिशन मीणा ने बताया कि एसपी के यहां से प्राप्त परिवाद के आधार 26 मई 2022 को प्राथमिकता दर्ज कर जांच शुरू की गई। परिवाद में नाबालिग पीड़िता ने बताया कि वह कक्षा नौ की छात्रा है आरोपी मनराज उसे जबरदस्ती ब्लैकमेल कर छेडछाड करता एवं दुष्कर्म करता था। कई बार इसने सोशल मीडिया पर भी फोटो व अन्य चीजें डालने की धमकी दी।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय, क्रम संख्या -3
जयपुर महानगर, द्वितीय
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया... विरुद्ध
मैसर्स नीलम एन्टरप्राईजेस एण्ड ऑटो पार्टस
वाद बाबत बसूली वाद सं. 89/2020 CIS-124/2020
बनाम मैसर्स नीलम एन्टरप्राईजेस एण्ड ऑटो पार्टस जरिए प्रोप्रायटर सुनिल कुमार शर्मा पुत्र ब्रिज मोहन- 89, ब्राम्हणो का मोहल्ला, ग्राम एवं पोस्ट खोरा बिसल, वाया झोटवाडा, जयपुर-302012
[illegible]
समक्ष वाणिज्य न्यायालय, क्रम संख्या -3 जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय, क्रम संख्या -3
जयपुर महानगर, द्वितीय
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया... विरुद्ध
मैसर्स लक्ष्मीदीप परिधान एण्ड बुटिक
वाद बाबत बसूली
वाद सं. 91/19 CIS-540/2019
बनाम मैसर्स लक्ष्मीदीप परिधान एण्ड बुटिक प्रोप. ममता कंवर पुत्री देवी सिंह शेखावत, शॉप नं. 3, बैरिया, हरनाथपुरा, ... झोटवाडा, जयपुर
श्रीमती ममता कंवर पुत्री देवी सिंह शेखावत, निवासी 22, शान्ति नगर, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर
[illegible]
समक्ष वाणिज्य न्यायालय, क्रम संख्या -3 जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
समक्ष वाणिज्य न्यायालय, क्रम संख्या -4
जयपुर महानगर, द्वितीय
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया... विरुद्ध
मैसर्स बालाजी स्टील फेब्रिकेशन
वाद बाबत बसूली वाद सं. 107/2019
बनाम मैसर्स बालाजी स्टील फेब्रिकेशन प्रोपरायटर लाल चन्द सैनी पुत्र सोहन लाल सैनी, शॉप/ऑफिस - 103, तिरुपति विहार-6, बैनाड रोड, झोटवाडा, जयपुर-302012
लाल चन्द सैनी पुत्र सोहन लाल सैनी, निवासी-प्लॉट नं. 47, विश्वकर्मा नगर, निवारू रोड, झोटवाडा, जयपुर-302012
[illegible]
समक्ष वाणिज्य न्यायालय, क्रम संख्या -4 जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत श्योपुर पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर)

क्रमांक-SPL-1 **निविदा सूचना** दिनांक-20.06.2022

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, ग्राम पंचायत में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं में वित्तीय वर्ष 2022-23 में क्रय की जाने वाली निर्माण सामग्री हेतु राजस्थान वैट अधिनियम 2003 के अन्तर्गत/राज्य वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत ठेकेदार एवं पी.डब्लू.डी.एवं यू.आई.टी. में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से ग्राम पंचायत स्तर पर सीलबन्द निविदाएं निम्नांकित कार्यक्रम अनुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु.राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	निर्माण सामग्री आपूर्ति वित्तीय वर्ष-2022-23 महानरेगा अन्य योजनाएं	30.6.2022 11.00 AM	30.6.2022 2.00 PM	30.6.2022 3.00 PM	9.90	19800/-	200/-

निविदा की शर्ते-
1. निविदा निर्धारित प्रपत्र में स्वीकार की जायेगी। जो निर्धारित दिनांक व समय तक निविदा शुल्क रुपये 200/ नकद जमा कराकर प्राप्त की जा सकती है तथा अमानत राशि डीडी/चैक/नकद द्वारा स्वीकार की जावेगी।
2. निविदायें संबंधित ग्राम पंचायत में विक्रय की जाकर प्राप्त की जा सकती है।
3. सभी दरें रायल्टी, आयकर, जीएसटी आदि सहित प्रस्तुत की जावेगी।
4. गठित क्रय समिति द्वारा निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।
5. अन्य शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर पढ़ी जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत श्योपुर, पं.सं. मुण्डावर (अलवर) — NIB NO.: ZAL2223A0381, UBN NO.: ZAL2223GSLB00573 — सरपंच, ग्राम पंचायत श्योपुर, पं.सं. मुण्डावर (अलवर)

कार्यालय ग्राम पंचायत श्योपुर पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर)

क्रमांक-SP-02 **निविदा सूचना** दिनांक-20.06.2022

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, ग्राम पंचायत में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं में वित्तीय वर्ष 2022-23 में क्रय की जाने वाली निर्माण सामग्री हेतु राजस्थान वैट अधिनियम 2003 के अन्तर्गत/राज्य वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत ठेकेदार एवं पी.डब्लू.डी.एवं यू.आई.टी. में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से ग्राम पंचायत स्तर पर सीलबन्द निविदाएं निम्नांकित कार्यक्रम अनुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु.राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	ग्राम पंचायत श्योपुर के ग्राम रैनागिरी में थ्री फैस बोरिंग कार्य	30.6.2022 11.00 AM	30.6.2022 2.00 PM	30.6.2022 3.00 PM	7.5	15000/-	200/-

निविदा की शर्ते-
1. निविदा निर्धारित प्रपत्र में स्वीकार की जायेगी। जो निर्धारित दिनांक व समय तक निविदा शुल्क रुपये 200/ नकद जमा कराकर प्राप्त की जा सकती है तथा अमानत राशि डीडी/चैक/नकद द्वारा स्वीकार की जावेगी।
2. निविदायें संबंधित ग्राम पंचायत में विक्रय की जाकर प्राप्त की जा सकती है।
3. सभी दरें रायल्टी, आयकर, जीएसटी आदि सहित प्रस्तुत की जावेगी।
4. गठित क्रय समिति द्वारा निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।
5. अन्य शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर पढ़ी जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत श्योपुर, पं.सं. मुण्डावर (अलवर) — NIB NO.: ZAL2223A0383, UBN NO.: ZAL2223GSLB00575 — सरपंच, ग्राम पंचायत श्योपुर, पं.सं. मुण्डावर (अलवर)

कार्यालय ग्राम पंचायत श्योपुर पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर)

क्रमांक-SPL-3 **निविदा सूचना** दिनांक-20.06.2022

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, ग्राम पंचायत में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाओं में वित्तीय वर्ष 2022-23 में क्रय की जाने वाली निर्माण सामग्री हेतु राजस्थान वैट अधिनियम 2003 के अन्तर्गत/राज्य वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत ठेकेदार एवं पी.डब्लू.डी.एवं यू.आई.टी. में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से ग्राम पंचायत स्तर पर सीलबन्द निविदाएं निम्नांकित कार्यक्रम अनुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु.राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	ग्राम पंचायत श्योपुर के ग्राम शीतलपुर में सिंगल फैस बोरिंग कार्य	30.6.2022 11.00 AM	30.6.2022 2.00 PM	30.6.2022 3.00 PM	7.5	15000/-	200/-

निविदा की शर्ते-
1. निविदा निर्धारित प्रपत्र में स्वीकार की जायेगी। जो निर्धारित दिनांक व समय तक निविदा शुल्क रुपये 200/ नकद जमा कराकर प्राप्त की जा सकती है तथा अमानत राशि डीडी/चैक/नकद द्वारा स्वीकार की जावेगी।
2. निविदायें संबंधित ग्राम पंचायत में विक्रय की जाकर प्राप्त की जा सकती है।
3. सभी दरें रायल्टी, आयकर, जीएसटी आदि सहित प्रस्तुत की जावेगी।
4. गठित क्रय समिति द्वारा निविदा को निरस्त करने का पूर्ण अधिकार होगा।
5. अन्य शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर पढ़ी जा सकती है।

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत श्योपुर, पं.सं. मुण्डावर (अलवर) — NIB NO.: ZAL2223A0382, UBN NO.: ZAL2223GSLB00574 — सरपंच, ग्राम पंचायत श्योपुर, पं.सं. मुण्डावर (अलवर)

कार्यालय ग्राम पंचायत बडली पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.

क्रमांक-ग्रा.प.बडली **अल्पकालीन निविदा सूचना सं. 2022-23** दिनांक-20/6/2022

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों हेतु पंचायती राज विभाग/जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग/सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार कमेटी को होगा। यदि कारणवश उसी दिन अवकाश रहता है तो अगले दिन उसी समय व उसी स्थान पर निविदायें खोली जायेगी। अमानत राशि ड्राफ्ट/नगद स्वीकार होगी। उक्त निविदा sppp पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु.राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	बोरिंग टंकी मोटर निर्माण कार्य वार्ड नं.4 ग्राम नांगल बावला	27/6/2022 11.00 to 12 PM तक	27/6/2022 10.00 to 2 PM तक	27/6/2022 3 PM तक	5.63	11260/-	200/-
2	बोरिंग मोटर टंकी निर्माण कार्य शमशान घाट के पास बडली	27/6/2022 11.00 to 12 PM तक	27/6/2022 10.00 to 2 PM तक	27/6/2022 3 PM तक	5.63	11260/-	200/-

उक्त कार्यो के दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिल्टी पीरियड) का उत्तरादायित्व कार्य पूर्णता के पश्चात नियमानुसार रहेगा, अन्य विवरण निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

सरपंच, ग्राम पंचायत बडली, पं. समिति मुण्डावर (अलवर) — NIB N. ZAL2223A0359, UBN N. ZAL2223GLLB00544 — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत बडली, पं. समिति मुण्डावर (अलवर)

कार्यालय ग्राम पंचायत गादूवास पंचायत समिति मुण्डावर (अलवर) राज.

क्रमांक-07 **अल्पकालीन निविदा सूचना सं. 2022-23** दिनांक-25/6/2022

राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियम 181 के तहत एवं राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्यों हेतु पंचायती राज विभाग/जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग/सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन विभाग/नगर निगम एवं राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं केन्द्रीय/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार कमेटी को होगा। यदि कारणवश उसी दिन अवकाश रहता है तो अगले दिन उसी समय व उसी स्थान पर निविदायें खोली जायेगी। अमानत राशि ड्राफ्ट/नगद स्वीकार होगी। उक्त निविदा sppp पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र विक्रय दिनांक	निविदा प्रपत्र जमा कराने की दिनांक	निविदा खोलने की दिनांक	अनु.राशि (लाखों में)	अमानत राशि 2 प्रतिशत	निविदा फार्म राशि
1	ग्राम पंचायत गादुवास के ग्राम दाधिया में सामुदायिक भवन निर्माण व भवन के आँगन में इंटरलॉकिंग टाईल्स निर्माण कार्य।	1.7.2022	4.7.2022	4.7.2022	7.0 लाख	14000	200/-
2	इंटरलॉकिंग टाईल्स निर्माण कार्य शमशान घाट से हनुमान मंदिर की ओर गादली	1.7.2022	4.7.2022	4.7.2022	10.0 लाख	20000	200/-

उक्त कार्यो के दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिल्टी पीरियड) का उत्तरादायित्व कार्य पूर्णता के पश्चात नियमानुसार रहेगा, अन्य विवरण निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है।

सरपंच, ग्राम पंचायत गादूवास, पं. समिति मुण्डावर (अलवर) — NIB N. ZAL2223A0384, UBN N. ZAL2223GLLB00576 — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत गादूवास, पं. समिति मुण्डावर (अलवर)

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(पं .दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड़, जयपुर -15)
(राजस्व-द्वितीय प्रकोष्ठ)

क्रमांक-एफ-6() उपा.राज.-द्वितीय (सा.प्र.)/ननिज/2022/1097 दिनांक-21.6.2022

सार्वजनिक सूचना मूल भूखण्ड संख्या 577, राजापार्क, जयपुर का दी पंजाबी को- ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, जयपुर द्वारा श्री अमर सिंह के नाम से क्षेत्रफल 488.85 वर्गगज भूमि का आवंटन किया गया था। नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा भूखण्ड संख्या 577, राजापार्क, जयपुर क्षेत्रफल 488.85 वर्गगज का पट्टा जारी किया गया। श्री सरदार अमर सिंह व उनकी पत्नी श्रीमती भजन कौर की मृत्यु उपरान्त आवेदक द्वारा प्रस्तुत मूल मृत्यु प्रमाण पत्र, सजरा, अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का नगर निगम, ग्रेटर, जयपुर द्वारा श्री हजारा सिंह जुनेजा पुत्र स्व. श्री अमर सिंह के पक्ष में क्षेत्रफल 488.85 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अद्योहस्ताक्षतरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, राजस्व-द्वितीय) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय) नगर निगम ग्रेटर जयपुर

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
शाखा कार्यालयः शिवदासपुरा, जयपुर, राजस्थान
ई-मेल : shivda@bankofbaroda.com

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि
[illegible]

अचल सम्पत्ति का वर्णन
[illegible]

स्थान: जयपुर
दिनांक: 20.06.2022
प्राधिकृत अधिकारी
बैंक ऑफ बड़ौदा

शहीद के पुत्र को कैजुअल्टी प्रमाण पत्र सौंपा

श्रीमाधोपुर, (निसं)। एसडीएम कार्यालय में शुक्रवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारी ने शहीद के परिजन को ऑपरेशन कैजुअल्टी प्रमाण पत्र सौंपा और वीरगति को प्राप्त हुए जवान की शहादत को नमन करते हुए 2 मिनट का मौन धारण रखा।

सीमा सुरक्षा बल ने देश की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान करने वाले वीर सपूत को ऑपरेशन कैजुअल्टी प्रमाण पत्र प्रदान किया। महानिदेशक सीमा सुरक्षा बल नई दिल्ली पंकज कुमार सिंह और कमांडेंट जे.एस.संधू के निर्देश के बाद डिप्टी कमांडेंट जेएस पठान ने शुक्रवार को बीएसएफ के जवान शीशराम निवासी कैरवाली, नीमकाथाना के पुत्र नरेश कुमार को ऑपरेशन कैजुअल्टी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। शहीद के पुत्र नरेश वर्तमान में उपखंड कार्यालय श्रीमाधोपुर में वरिष्ठ सहायक पद पर तैनात है। डिप्टी कमांडेंट पठान ने शहीद के पुत्र को बीएसएफ की ओर शहीद के परिजनों को दी जाने वाली योजनाओं के बारे में जानकारी दी और बीएसएफ परिवार की तरफ से सदैव सुख दुख में साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया।

जानकारी के अनुसार सीमा सुरक्षा की 37 वीं बटालियन मणिपुर में नीमकाथना निवासी शीशराम तैनात थे। 1 दिसंबर 2000 को 37 वीं बटालियन सीमा सुरक्षा बल के खोंगखांग मैं तैनात आर.ओ.पी.पार्टी पर एन एच 39 के लखचौं और खोंगखांग के बीच 50-60 भूमिगत उग्रवादियों द्वारा अम्बुश लगाकर भारी मात्रा में गोलीबारी शुरू कर दी। इस बीच आर.ओ.पी. पार्टी और भूमिगत उग्रवादियों के बीच 10 से 15 मिनट तक चली गोलीबारी में जवान शीशराम वीरगति को प्राप्त हो गए। इस दौरान पार्षद राकेश ढोला ,सहायक प्रशासनिक अधिकारी राकेश कुलदीप, सूचना सहायक हेमंत कुमार,लक्ष्मण राम सहित अन्य उपखंड कार्यालय के कार्मिक एवं डिप्टी कमांडेंट के साथ आए अन्य जवान भी मौजूद रहे।

बीएसएफ के अधिकारी ने शहीद के परिजन को ऑपरेशन कैजुअल्टी प्रमाण पत्र सौंपा।

कार्यालय नगर पालिका लालसोट (जयपुर)
Email ID : lalsot.jaipur@yahoo.com, Ph-01431-260714

प्रारूप-13 (नियम-13 (2) देखिए)
प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगर पालिका लालसोट

क्रमांक-न.पा.ला./1702 **लोक सूचना** दिनांक-24/6/2022

अधोहस्ताक्षरकर्ता की जानकारी में यह लाया गया है कि नगर पालिका क्षैत्र, लालसोट के निम्न खसरा नम्बरों में स्थित भूमि या उसके भाग का 17 जून 1999 से बाद की कालावधि से गैर कृषि प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जा रहा है/ किया गया है और इसलिए उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क की उपधारा (8) के अधीन पर्यवसित किए जाने के दायी है।

क्र. सं.	खसरा नम्बर	रकबा	राजस्व ग्राम	90-क हेतु प्रस्तावित रकबा	खातेदार का विवरण
1	1404	10 बिस्वा	लालसोट	सम्पूर्ण	कजोड नारायण पि.प्रभुलाल, कौम ब्राह्मण
2	1364	1.14 बीघा		सम्पूर्ण	सन्तोष देवी पत्नी रामप्रसाद शर्मा डिडवाना, बिरदया पुत्र हुकमा गुर्जर अरण्याकंला, हंसराज पुत्र रमेश चन्द्र शर्मा, गिरधर पुत्र नानगराम पुराका, शिमला देवी पत्नी दिनेश कुमार शर्मा डिडवाना, नानगा पुत्र हटया माली

अतः उक्त भूमि में हित रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 7 दिवस के भीतर-भीतर कारण बताएं कि क्यों न उक्त भूमि पर उसके अधिकारों और हित को पर्यवसित कर दिया जाए और इसलिए क्यों न भूमि को राज्य सरकार में समस्त विल्लंगमों से मुक्ति निहित किया जा सके। यह सूचना में हस्ताक्षर और मुहर के अधीन 24.6.2022 को जारी की जाती है।

स्थान-लालसोट

नोट-संबंधित खातेदार इस लोक सूचा को व्यक्तिगत तामील भी समझें व कोई आपत्ति हो, तो 7 दिवस में प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगर पालिका लालसोट में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें।

प्राधिकृत, अधिकारी
नगर पालिका लालसोट

संक्षिप्त

दिनेश जोशी बने तहसील अध्यक्ष

लालसोट, (निसं)। स्थानीय दिनेश जोशी को विप्र फाउंडेशन तहसील लालसोट का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। विप्र फाउंडेशन दौसा के जिलाध्यक्ष कैलाश चंद तिवाडी की अभिशंसा व विप्र फॉउन्डेशन राजस्थान जोन-1 के प्रदेशाध्यक्ष आदरणीय वेदप्रकाश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री शान्तनु पाराशर की सहमति से दिनेश जोशी को विप्र फाउंडेशन लालसोट जिला दौसा के तहसील अध्यक्ष के दायित्व पर नियुक्त किया गया है। वहीं जोशी को विप्र फाउंडेशन राजस्थान तहसील लालसोट का अध्यक्ष बनाने के बाद विप्र बंधुओं द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया।

आशा नामा सदस्य मनोनीत

मालपुरा, (निसं)। केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर मालपुरा में गठित संस्थान की आंतरिक शिकायत समिति में पालिका अध्यक्ष आशा नामा को आगामी तीन वर्ष के लिए सदस्य मनोनीत किया गया। नामा की सदस्य मनोनीत के जारी आदेशों के साथ समिति गठन से पूर्व में जारी 16 दिसम्बर 2020 के जारी आदेशों की निरन्तरता में संस्थान के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी आईबी कुमार केन्द्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान मालपुरा द्वारा 22 जून को जारी नवीन आदेशों में आंतरिक शिकायत समिति सदस्य के रूप में आशा नामा को मनोनीत किया गया।

टक्कर से बाइक सवार की मौत

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा-केकड़ी सड़क मार्ग पर संवारिया के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। लाम्बाहरिसिंह थानाधिकारी भागीरथ सिंह ने बताया कि गुरूवार की देर रात को संवारिया गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक चालक कालूराम पुत्र शिवराज दरोगा निवासी सनोदिया की दर्दनाक मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लाम्बाहरिसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शुक्रवार को परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम करा शव परिजनों को सौंपा।

आज 5 घंटे बिजली कटौती रहेगी

मालपुरा, (निसं)। केकडी रोड 132 केवी जीएसएस पर विद्युत लाइनों के आवश्यक एवं अतिआवश्यक रखरखाव कार्य के चलते शनिवार को 5 घंटे विद्युत कटोती रहेगी। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड कार्यालय कनिष्ठ अभियंता कदम वशिष्ट ने बताया कि शनिवार को प्रात: 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक सम्पूर्ण मालपुरा शहरी व ग्रामीण क्षैत्र मे विधुत कटोती रहेगी।

मुस्लिम समाज का विवाह सम्मेलन कल

टोंक, (निसं)। ईसा फाउंडेशन फैजानुल कुरआन अहमदबाद व इज्तेमाई शादी कमेटी टोंक की ओर से समस्त मुस्लिम समाज का पहला निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन रविवार को सै. फारुक अली एकेडमी रिलायंस पेट्रोल पंप के पीछे टोंक पर आयोजित की किया जाएगा। यह जानकारी राजस्थान भिश्ती सुधार समाज समिति टोंक के जिलाध्यक्ष अ.रज्जाक ने दी ।

छात्रावास में प्रवेश प्रक्रिया शुरु

टोंक, (निसं)। जिला मुख्यालय पर स्थित श्री देव नारायण गुर्जर छात्रावास टोंक में सत्र 2022- 23 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। छात्रावास प्रवेश समिति ने बताया कि प्रवेश हेतु आवेदन पत्र 25 जून से 5 जुलाई तक छात्रावास कार्यालय में भरकर जमा कराएं। प्रवेश वरीयता सूची 15 जुलाई को जारी होगी।

वार्ड पंच का पद रिक्त घोषित

टोंक, (निसं)। पंचायतीराज अधिनियम 1994 की धारा 39 (2) के तहत प्रत्यायोजित शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी देशलदान ने पंचायत समिति मालपुरा की ग्राम पंचायत लावा के वार्ड संख्या 15 के वार्ड पंच कजोडमल सैनी द्वारा त्याग पत्र दिए जाने के कारण पद रिक्त घोषित किया है।

पेयजल समस्या से ग्रामीण परेशान, खेतों में लगे ट्यूबलों से पानी लाने को मजबूर

पावटा, (निसं)। ग्राम पंचायत दांतिल में पिछले कई महीनों से पानी की समस्या के चलते ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इतना ही नहीं ग्रामीण कई किलोमीटर दूर खेतों से या जहां पानी मिल जाए वहीं से पानी लाने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों की माने तो गांव में पेयजल की सप्लाई के लिए अन्य कोई सुविधा भी नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में-पिछले कई महीनों से पीने के पानी की समस्या चली आ रही है। पानी की समस्या के चलते कई बार

- अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद समस्या का नहीं हुआ समाधान

अधिकारियों से भी मिल कर अपनी समस्या को लेकर अवगत भी करवा चुके हैं लेकिन आज तक उनकी समस्या का हल नहीं हुआ। ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानमंत्री जलजीवन मिशन योजना के तहत कार्य पूर्ण रूप से नहीं हुआ है। करीबन सप्ताह में एक बार ही पानी मिल पा रहा है वो भी सिर्फ एक दिन ही चल पाता है। उसके बावजूद भी गांव की महिलाएं व बच्चे-अपना घर का दूसरा काम छोड़ कर कई-कई किलोमीटर दूर-गांव के खेतों में बने नलकों व ट्यूबलों से पानी लाना पड़ता है। जिस के चलते अपनी बारी का इंतजार करने के लिए कई बार तो कई कई घंटों का इंतजार करना पडता है।

ग्राम पंचायत दांतलि में ग्रामीण गांव से दूर लगे नल से पानी भरते को मजबूर।

पीएचसी को क्रमोन्नत करने की मांग

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम रघुनाथपुरा स्थित राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को स्थानीय अभिभाषक संघ कोषाध्यक्ष एड. दिनेश अग्रवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत करने की मांग को लेकर चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा को ज्ञापन भेजा है।

ज्ञापन में लिखा है कि रघुनाथपुरा में राजमार्ग पर स्थित राजकीय पीएचसी को वर्ष 1962 में तत्कालीन विधायक व स्वतंत्रता सेनानी मुक्ति लाल मोदी के प्रयासों से भामाशाह सेठ गोविन्द राम परिवार द्वारा बनवाया गया था। लगातार मरीजों की संख्या में वृद्धि होने के बावजूद भी उक्त पीएचसी के क्रमोन्नत नहीं होने से सुविधाओं का निरन्तर अभाव बना हुआ है। जबकि वर्तमान में ओपीडी की संख्या लगभग 150 है। पीएचसी रघुनाथपुरा स्टैण्ड पर राजमार्ग के पास स्थित है। जहां से करीब दो दर्जन से अधिक गाँवों व ढाणियों के लोग आते-जाते है। जिन्हें उपचार के लिए मजबुरन कोटपूतली व पावटा आना-जाना पडता है। राजमार्ग की वजह से सडक हादसों की स्थिति में हालात और भी गंभीर हो जाते है। अत: उक्त पीएचसी को सीएचसी में क्रमोन्नत करते हुए समुचित स्टाफ, जांच मशीनों की मूलभुत सुविधा प्रदान कर दी जायें।

विद्यालय के खेल मैदान का रास्ता खोलने की मांग

बहरोड/मुंडावर, (निसं)। अलवर जिले के मुंडावर तहसील के पदमारा खुर्द के ग्रामीणों ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल के मैदान के रास्ते पर अतिक्रमणकारियों के द्वारा पक्का निर्माण आदि करके रास्ते पर अतिक्रमण करने की अलवर जिला कलेक्टर के कार्यालय में पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई।

सरपंच अनिल कुमार आदि के नेतृत्व में ग्राम पंचायत की तरफ से सरकारी विद्यालय के खेल के मैदान के रास्ते को बंद करने वाले अतिक्रमणकारियों से अतिक्रमण हटाने व खेल के मैदान का रास्ता खोलने की मांग करते हुए शिकायत की। जिसमें ग्रामीणों ने बताया कि करीबन 9 बीघा में खेल का मैदान है। जिस पर 2016 में निर्माण कर खेल मैदान के रास्ते को बंद कर दिया था तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक के बार बार एसडीएम, संभागीय आयुक्त , जिला शिक्षा अधिकारी व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को खेल के मैदान के रास्ते को खुलवाने के लिए शिकायत करने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है।

2021 में प्रशासन गांव के संग अभियान में भी सात बार ग्राम पंचायत सरपंच तथा ग्रामीण व प्रधानाध्यापक अधिकारियों से मिले और आश्वासन के बाद आज तक कुछ भी नहीं हो पाया है। सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पदमाड़ा खुर्द के रास्ते को खुलवाने के लिए सरपंच ग्राम पंचायत माजरी खोला के साथ ही रामभरोस पंच, मनीष उपसरपंच, विक्रम सिंह पंच, ईश्वर सिंह पंच सहित बनवारी, नंदराम, सरजीत, नित्यानंद, जयप्रकाश, कैलाश आदि लोगों ने समस्त ग्राम वासियों की तरफ से लिखित में शिकायत देकर जिला कलेक्टर को अवगत कराते हुए कार्यवाही करने की मांग करते हुए अतिक्रमण हटवाने के लिए निवेदन किया।

गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर के लिए प्रशिक्षणार्थी रवाना

टोंक, (निसं)। शांति एवं अहिंसा निदेशालय जयपुर के माध्यम से महात्मा गांधी दर्शन प्रशिक्षण शिविर संभाग स्तर पर 25 से 27 जून 2022 तक शिविर स्थल महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में आयोजित किया जायेगा।

जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल के निर्देशानुसार टोंक जिले से भी इस शिविर में भाग लेने के लिए प्रत्येक उपखंड से 7-7 गैर सरकारी सदस्य प्रशिक्षणार्थी भाग लेंगे। अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं नोडल प्रभारी परशुराम धानका ने बताया कि शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर से बस के माध्यम से प्रशिक्षणार्थियों को गन्तव्य स्थल की ओर रवाना किया गया। महात्मा गांधी जीवन दर्शन समिति जिला टोंक के संयोजक अनुराग गौतम ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन दर्शन, सिद्धान्तों एवं विचारों तथा राजस्थान सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से महात्मा गांधी प्रशिक्षण शिविर अजमेर संभाग मुख्यालय पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि गांधी दर्शन को जीवनदर्शन बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम को जन कार्यक्रम बनाये जाने की आवश्यकता है।

जिला कलेक्टर ने हरि झंडी दिखाकर दल को रवाना किया।

मांडकला नगर फोर्ट एवं बीसलपुर में विकास कार्यों के लिए 3 करोड़ के प्रस्ताव भिजवाए

टोंक, (निसं)। मुख्यमंत्री बजट घोषणा 2022-23 में प्रत्येक जिले में दो विकास कार्य चयनित कर 3 करोड़ रूपए का विकास कार्य करवाये जाने की घोषणा की गई थी। जिसके तहत जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल ने विगत जिला पर्यटन विकास समिति की बैठकों में संबंधित अधिकारियों को जिले में पर्यटन विकास को लेकर आवश्यक निर्देश दिए थे।

- टोंक जिले में पर्यटन को लगेंगे पंख

जिसमें मिनी पुष्कर, पुष्कर सरोवर मांडकला नगर फोर्ट एवं बीसलपुर में विकास कार्य करवाये जाने का निर्णय लिया गया। जिसके तहत माण्डकला नगर फोर्ट में पुष्कर के घाटों का विकास, नाव के संचालन के लिए जेटी, हाई मास्ट लाइट, पर्यटकों के लिए जनसुविधाएं, सरोवर अंदर स्थित द्वीप को द्वीप गार्डन और बच्चों के मनोरंजन के लिए सुविधाएं विकसित करने के लिए दो करोड़ रूपये के प्रस्ताव बनवाए गए है। साथ ही बीसलपुर में जिप लाइन की एडवेंचर एक्टिविटी विकसित करने एवं मिनी गोवा मे लेण्ड स्पेकिंग कार्य, सेण्डबीच, वॉच टावर, भैरूजाम झरने तक जाने वाले रास्ते को विकसित करवाये जाने के के लिए 1 करोड रूपये के प्रस्ताव वन विभाग के माध्यम से बनवाकर पर्यटन विभाग जयपुर को स्वीकृति के लिए भिजवा दिया गया है।

पर्यटक स्वागत केन्द्र सवाई माधोपुर के सहायक निदेशक मधुसूदन ने बताया कि मांडकला नगर फोर्ट पर पर्यटक सुविधाओं एवं अन्य विकास कार्यों के लिए 202.78 लाख रूपये व्यय किए जाऐंगे। जिसमें पुष्कर तालाब पर घाटों एवं जेटी का निर्माण एवं सौन्दर्यकरण कार्य पर 102.78 लाख, टॉयलेट ब्लांक निर्माण कार्य पर 7 लाख, पार्किंग निर्माण व यात्री षेड निर्माण कार्य पर 36 लाख, दो हाई मास्ट लाईट पर 7 लाख, पुष्कर तालाब के अंदर स्थित द्वीप पर इन्टर लोकिंग व सुरक्षा दीवार निर्माण कार्य पर 33 लाख, द्वीप पर विकसित किये जाने वाले पार्क में विभिन्न मनोरंजन सुविधाऐ झूला-चकरी आदि के लिए 17 लाख रूपये व्यय किए जाऐंगे। उन्होंने बताया कि बीसलपुर बांध पर जीप लाईन की सुविधा एवं पर्यटन विकास कार्यों के लिए 1 करोड रूपये व्यय किए जाऐंगे।

सहायक निदेशक ने बताया कि इसके अतिरिक्त ईको ट्यूरिज्म के अन्तर्गत टोंक जिले में लवकुष वाटिका, बीसलपुर, मिनी गोवा, राजमहल, इत्यादि पर्यटक स्थलों को विकसित किया जा रहा है। जिसके तहत ईकोट्रेल, कैपिंग, वोट सफारी इत्यादि गतिविधियां विकसित की जा रही है। जिले में ईको पर्यटन की दृष्टि से बीसलपुर बांध एवं राजमहल वन क्षेत्र में बहुत अधिक संभावना है। बीसलपुर बांध एवं मिनी पुष्कर तालाब माण्डकला नगर फोर्ट में बोटिंग व अन्य गतिविधियों को प्रारंभ किये जाने के प्रयास किये जा रहे है। बजट घोषणा 2021-2022 के तहत राजस्थान में 6 हजार नवीन पर्यटन गाईड भर्ती करने की घोषणा की गई है।

भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश सरकार के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान चलाएगा

पावटा, (निसं)। प्रदेश की कांग्रेस सरकार द्वारा किसानों से किया संपूर्ण कर्जा माफी का वादा पूरा नहीं करने पर भाजपा किसान मोर्चा जिला जयपुर देहात उत्तर द्वारा सभी ग्रामस्तर तक मंडलवार हस्ताक्षर अभियान 25 जून से 25 अगस्त तक चलाएगा जायेगा।

भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष जिला जयपुर देहात उत्तर कैलाश ताखर के नेतृत्व में 25 जून से संपूर्ण प्रदेश में मंडल स्तर तक हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत होगी भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष जिला जयपुर देहात उत्तर कैलाश ताखर ने बताया कि किसानों द्वारा की गई कर्ज माफी की वादाखिलाफी के तहत किसानों में आक्रोश प्रकट करने के लिए हस्ताक्षर अभियान की जानकारी देते हुए एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें यह सुनिश्चित किया गया कि प्रत्येक मंडल स्तर तक हस्ताक्षर अभियान के प्रपत्र को पूरे 2 महीने तक चलाने के लिए अभियान शुरू किया जाएगा उसकी निगरानी हेतु भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को मंडलवार जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के लिए अवगत कराया।

ताखर ने बताया कि वर्तमान गहलोत सरकार राजस्थान की सबसे नकारा, भ्रष्ट, महिलाओं के प्रति असंवेदनशील व वादा खिलाफी वाली सरकार है। इस राज्य में हर विभाग में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। महिला उत्पीड़न में देश में अव्वल है। यह केवल होटलों में बंद रहने वाली सरकार है।

भारतीय जनता पार्टी पुरजोर तरीके से इसकी खिलाफत करती है। इस मौके पर वाइस चेयरमेन नरपत सिंह, महामंत्री एससी मोर्चा बद्री प्रसाद चौहान, जिला सयोंजक लघु उद्योग प्रकोष्ट रोहिताश ताखर, सामाजिक कार्यकर्ता काशीराम लबोरा, कृष्ण कुमार ओला, महेंद्र स्वामी, रोशन लाल सैनी, मुकेश राठी, पुरण यादव, ज्ञान चंद सैनी, रिक्की शर्मा, नीरज चौहान, जितेंद्र स्वामी सहित भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घटिया निर्माण की शिकायत पर नए बन रहे पंचायत भवन का निरीक्षण किया

डिग्गी, (निसं)। डिग्गी ग्राम पंचायत में नए बन रहे पंचायत भवन को लेकर लोकायुक्त के द्वारा नियुक्त टीम ने शुक्रवार को डिग्गी गांव पहुंचकर जांच की।

अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिप्रा जैन, एक्शन गोपाल गुर्जर, एईयन महेन्द्र कुमार जैन, अतिरिक्त विकास अधिकारी बलराम मीणा, सहायक विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार मीणा,जेईएन युवराज सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने नए बन रहे ग्राम पंचायत के भवन को लेकर मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

डिग्गी उपसरपंच विजयनारायण शर्मा एवं सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि ग्राम पंचायत के नए बन रहे पंचायत भवन में ठेकेदार के द्वारा निर्माण कार्यों में डस्ट काम में लेने की शिकायत की गई थी। वहीं शिकायत के बाद अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्यों को तुड़वाया भी था परन्तु निर्माण कार्य को नींव से नहीं तोड़ा गया। इसी को लेकर ग्राम वासियों के द्वारा लोकायुक्त में शिकायत की थी। इस पर लोकायुक्त ने टीम गठित कर डिग्गी भेजी। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिप्रा जैन ने मौके पर जेसीबी मशीन बुलवाकर नए बन रहे पंचायत भवन की नींव को तोडकर नमूने संग्रहित किए। वहीं मौके पर मौजूद ग्रामीण मालपुरा पंचायत समिति उपप्रधान मूलशंकर शर्मा, डीआर प्रतिनिधि सत्यनारायण मीणा, डिग्गी उपसरपंच विजयनारायण शर्मा, अरविंद शर्मा उर्फ कल्लू मामा,वार्ड पंच मुकेश शर्मा आदि मौजूद ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार के द्वारा घटिया निर्माण साम्रगी काम में ली जा रही है इसी को लेकर ग्रामीणों के द्वारा उच्चाधिकारीयों से लेकर लोकायुक्त शिकायत की गई है। परन्तु किसी भी प्रकार की अब तक ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। वही लोकायुक्त शिप्रा जैन को लेकर भी ग्रामीणो ने मिलीभगत का आरोप लगाते हुए बताया कि हम लोकायुक्त की कार्यवाही से सतुष्ट नहीं हैं। वही मौके पर डिग्गी थाना पुलिस का जाब्ता भी मौजूद रहा।

डिग्गी ग्राम पंचायत में नए बन रहे पंचायत भवन की लोकायुक्त के द्वारा नियुक्त टीम ने जांच की।

- लोकायुक्त द्वारा नियुक्त टीम डिग्गी पहुंची

फुटपाथ व नालों पर सामान रखा तो जब्त होगा

मालपुरा, (निसं)। शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था का मूल कारण बने फुटपाथ पर हुए अस्थाई अतिक्रमणों पर कार्यवाही करते हुए थानाधिकारी कैलाश विश्नोई व यातायात पुलिस टीम प्रभारी श्रीराम चौधरी की टीम ने कार्यवाही करते हुए सामान हटवा कार्यवाही की चेतावनी दी। यातायात प्रभारी श्रीराम चौधरी ने बताया कि व्यापारियो द्वारा दुकान के सामने फुटपाथ व सडक सीमा मे सामान जमा अस्थाई अतिक्रमण कर लेने से यातायात व्यवस्थाए प्रभावित हो रही थी। जिला पुलिस अधिक्षक के निर्देशो व एएसपी के आदेशो पर शुक्रवार को अभियान चला डेयरी चौराहे से ट्रक स्टेण्ड व ज्योति मार्केट मुख्य बाजार मे फुटपाथ पर हुए अतिक्रमणो पर कार्यवाही करते हुए सामान हटवाये गये तथा दोबारा फुटपाथ पर सामान मिलने पर सामान जप्ती की चेतावनी दी। एकाएक पुलिस कार्यवाही से कई व्यापारियो मे स्वंय फुटपाथ से सामान हटा लिये तो कई पर पुलिस ने सख्ती दिखा सामान हटवाये।

सार-समाचार

'अग्निपथ' योजना को रद्द करने की मांग

सांभरझील, (निसं)। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय अनिल चौपडा ने केंद्र सरकार द्वारा भारतीय सेना में भर्ती की पुरानी पद्धित को खत्म कर अग्निपथ योजना को लागू करने का विरोध जताया है, उन्होंने कहा कि इस योजना को लाकर देश के जवान और किसान के भविष्य के साथ सरकार खिलवाड करना चाहती है तथा थल सेना और वायु सेना में जो पक्की भर्ती की प्रक्रिया शुरू हुई थी जिसमें जवानों के फाइनल टेस्ट व नियुक्ति पत्र जारी करने बाकी थे उसे भी रद्द कर दिया गया है। इस मामले में शुक्रवार को फुलेरा विधान सभा के अनेक युवाओं ने उनकी मौजूदगी में तहसीलदार हरिसिंह राव को राष्ट्रपति के नामज्ञापन सौंपा एवं इस कानून को रद्द करने के लिए अपील की। इस मौके पर राजकीय महाविद्यालय सांभर छात्रसंघ अध्यक्ष रामेश्वर चौधरी, पंचायत समिति सदस्य धन्नालाल नौदल,प्यारे लाल वर्मा, दिनेश गुर्जर कैलाश जाखड, विक्रम गुर्जर, मुकेश कुमार, जीशान खान, रोहित शर्मा, नरेंद्र भामू, सुनील चौधरी, राजेश रोलानिया, पवन चूला, मुकेश जीतरवाल, हेमंत नौदल, रामराज गुर्जर, भागचंद सांवरिया, विष्णु जांगिड सहित अनेक युवा उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण एवं जांच शिविर जारी

फुलेरा, (निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे भारत स्काउट गाइड जिला एसोसिएशन के तत्वावधान में स्काउट डेन फुलेरा पर चल रहे जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं जांच शिविर में स्काउट गाइड्स ने अपने पाठ्यक्रमनुसार हाइकिंग गतिविधि में भाग ले रहे है। स्काउट के घनश्याम कुमावत ने बताया कि शुक्रवार को स्काउट गाइड्स ने कस्बे के निकट स्थित प्रसिद्ध शाकंभरी माता के मन्दिर की पहाड़ी पर ट्रैकिंग की। साथ ही दिशा बोध हेतु केम्पस की जानकारी ली। वहीं आगे बताया कि स्काउट गाइड्स ने विश्वप्रसिद्ध रामसर साइट सांभर झील का अवलोकन किया साथ ही इसमें आने वाले प्रवासी पक्षियों की भी जानकारी प्राप्त की। इसी क्रम में सांयकाल स्काउट डेन पर कैंप फायर का आयोजन किशन लाल मीना(एस एस ई/सी एण्ड डब्लू), संजय चौधरी(एस एस ई/ टी आर डी), आशीष शर्मा(जे ई/ टी आर डी) के मुख्य आतिथ्य में किया गया। कैंप फायर में स्काउट गाइड ने गणेश वंदना, जुलु आदिवासी नृत्य, राजस्थानी नृत्य, युवाओं में बढ रहे मानसिक तनाव के कारण एवं निवारण विषय पर लघु नाटिका आदि प्रस्तुत किये।

राकेश सामोता अध्यक्ष बने

पावटा, (निसं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा, जयपुर जिलाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, जयपुर देहात उत्तर युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष भगवान सहाय शर्मा व प्रागपुरा मण्डल अध्यक्ष जयराम सिंह शेखावत के निर्देशानुसार युवा मोर्चा प्रागपुरा मण्डल अध्यक्ष राकेश सामोता ने कार्यकारिणी की टीम गठित कर राकेश सामोता को जोधपुरा अध्यक्ष, कृष्ण कुमार सैनी को प्रागपुरा उपाध्यक्ष, रामशरण गुर्जर को मंढा उपाध्यक्ष, विनोद यादव को प्रेमनगर उपाध्यक्ष, मुकेश सिंह को कारोली उपाध्यक्ष, शेरसिंह गिठाला को बडनगर महामंत्री, रणधीर सिंह शेखावत को पाछुडाला महामंत्री, रोशन सैनी को चौबाला मंत्री, भीम सिंह गढवाल को भाकरी मंत्री, नवीन सैनी राजनौता मंत्री, रोहित शर्मा प्रागपुरा को मीडिया प्रभारी, दिनेश टांक को जोधपुरा कोषाध्यक्ष, संतोष सिंह कैरोडी को आईटीसेल, विकास मीणा को वीटी नगर कार्यालय प्रभारी व भीम सिंह शेखावत जोधपुरा, हरीसिंह तँवर चौ बाला, जयसिंह गिठाला भांकरी, विष्णु सिंह कैरोडी, वीरेंद्र सिंह राजनौता, धर्मपाल सिंह, कैलाश स्वामी पाछुडाला, विक्रम पलसानिया प्रेमनगर, संजू कपुरिया किराडोद का सदस्य मनोनीत किया गया है।

गौशाला में हरा चारा भेजा

पावटा, (निसं)। ग्राम पंचायत पंडितपुरा निवासी भामाशाह लीलाराम स्वामी द्वारा श्री कृष्णा गौशाला प्रागपुरा में गौवंश की सहायता के लिए 2 बीघा जमीन पर उगाये गये, हरे चारे को संकल्प हरियाली गौ सेवा समिति संकल्प हरियाली समिति के संयोजक नीरज सैन, संकल्प गौसेवा समिति के संयोजक सुभाष यादव, पंकज जिंदल, रामकरण राठी, लोकेश टांक, हरिराम सैनी सहित अन्य सदस्यों के सहयोग से कटवाकर- गौशाला भेजा गया। जिस पर प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, गौशाला अध्यक्ष बजरंग लाल अग्रवाल, चेयरमैन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, प्रागपुरा एसएचओ किरण सिंह, लक्ष्मण सिंह, विक्रम यादव, सुभाष यादव, कैलाश यादव, मामराज यादव, शिवपाल, रामकुवार, कमलेश, शिवपाल राठी सहित स्थानीय निवासियों और गौशाला प्रबंधन ने भामाशाह का आभार जताया।

प्रवेशोत्सव मनाया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। ब्लॉक के आंगनबाड़ी पाठशालाओं व नंद घरों पर अन्नप्राशन व प्रवेशोत्सव मनाया गया। निकटवर्ती ढाणी जय राम का वाली आंगनबाड़ी केंद्र में दो गर्भवती व तीन धात्री, 20 अन्य ने भाग लिया वहीं नांगल भीम बी पर अन्नप्राशन दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें नितिन पुत्र सुनिल कुमार का अन्नप्राशन करवाया गया। समारोह के दौरान 2 गभवती, 3 धात्री, तथा 20 अन्य महिलाओं ने भाग लिया साथ ही आंगनबाडी कार्यकर्ता फूलवती सैनी ने सभी महिलाओं को अन्नप्राशन के बारे में बताया गया व बच्चों को उचित पोषण हेतु फल, दूध, उपमा इत्यादि खिलाने की बात बताई गई। आंगनबाडी पाठशाला पीएचईडी बरालया हासपुर मेंअन्नप्राशन एवं प्रवेशोत्सव दिवस का आयोजन किया गया कार्यक्रम में वार्ड पंच विकास सैनी आंगनबाडी कार्यकर्ता सुमन शर्मा द्वारा द्वंश पुत्र बजरंग लाल सैनी के छह महा पूर्ण होने पर खिचडी खिला कर अन्नप्राशन कार्यक्रम और नरेश सैनी पुत्र जगदीश सैनी को माला पहनाकर भेंट स्वरूप कटोरी चम्मच,पुस्तक देकर प्रवेशोत्सव मनाया गया। आंगनबाडी कार्यकर्ता द्वारा उपस्थित महिलाओं और पुरुषों को कोविड-19 वैक्सीनेशन करवाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में साहायिकासुनीता सैनी मंजू देवी मीनू सैनी विकास सैनी ग्रामीण महिलाएं और बच्चे उपस्थित हुए। उपस्थित सदस्यों को भेंट स्वरूप फलों का वितरण किया गया ।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आज

खैरथल, (निसं)। स्वामी हिरदारम महाराज पुष्कर्राज के आशीर्वाद से स्वामी संत सिद्ध भाऊ जी के प्रेरणा व मार्गदर्शन से सहाय हॉस्पिटल मोती डूंगरी रोड जयपुर के तत्वावधान में जीव कल्याण सेवा समिति के सहयोग से विशाल निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन 25 जून को अर्जुन हॉस्पिटल एंड डायग्नोस्टिक सेंटर में होगा। संस्था के प्रभारी राजकुमार केसवानी ने बताया मोतियाबिंद के ऑपरेशन , दवाइयां ,नजर के चश्मे निशुल्क दिए जाएंगे स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर बबीता जी व दंत चिकित्सक डॉक्टर जमुना दास आहूजा जी अपनी निशुल्क सेवाएं देंगे समय पर आकर शिविर का लाभ उठाएं कशिश बोदवानी ने बताया जिन मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया जायेगा उन मरीजों को ऑपरेशन के लिए जयपुर ले जाया जाएगा।

छह घंटे बिजली बन्द रहेगी

खैरथल, (निसं)। विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के 220केवी जीएसएस किशनगढ़बास सहित 132 और 33 केवी जीएसएस पर आवश्यक रखरखाव एवं मरम्मत किए जाने के कारण 26 जून को सुबह 8 बजे से 2 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। जीएसएस के अधिशाषी अभियंता द्वारा जारी विज्ञिप्त में उक्त जानकारी देते हुए कहा है कि इससे तिजारा, कजारिया किशनगढ़बास, खैरथल व रीको, चिकानी, हरसौली, ककराली, राता खुर्द, कोलगांव के जी एस एस से जुडे इलाके प्रभावित रहेंगे।

प्रदर्शन में निरंतरता बनाये रखना जरूरी है। अगर हम लगातार अच्छा खेलते है तो सेमीफाइनल और विश्व कप में पोडियम स्थान (शीर्ष तीन) हासिल करने की संभावना है। लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रही तो क्वार्टर फाइनल की दौड़ से बाहर होने का खतरा रहेगा। - यानेके शोपमैन

भारतीय महिला हॉकी कोच, हॉकी टीम को लेकर।

आज का खिलाड़ी ▶

जेहान दारुवाला

युवा भारतीय फार्मूला टू रेसर जेहान दारुवाला ने आठ बार के कंस्ट्रक्टर्स (टीम चैम्पियनशिप) विजेता मैकलारेन के साथ इस सप्ताह फॉर्मूला वन परीक्षण में सफल शुरुआत की और अब वह सुपर लाइंस के लिए पात्र हैं। दारूवाला का सपना भारत का तीसरा फार्मूला वन चालक बनने का है। फार्मूला टू' के मौजूदा सत्र में तालिका में तीसरे स्थान पर काबिज 23 साल के जेहान ने इंग्लैंड में सिल्वरस्टोन सर्किट पर 'एमएलसी35एम' कार पर हाथ आजमाया। उन्होंने बुधवार और गुरुवार को दो सत्र में 130 से अधिक चक्कर लगाए।

क्या आप जानते हैं ?... श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया में ऐसा कोई टेस्ट नहीं जीता है, उसने ऑस्ट्रेलिया में 8 टेस्ट खेले हैं, जिनमें 6 हारे तथा दो ड्रॉ रहे है।

यश और शुभम के शतक, मध्य प्रदेश ने मुंबई पर कसा शिकंजा

बेंगलुरु, 24 जून। यश दुबे (133) और शुभम शर्मा (116) के शानदार शतकों तथा उनके बीच दूसरे विकेट के लिए 222 रन की जबरदस्त साझेदारी की मदद से मध्य प्रदेश ने अपनी पहली पारी में तीन विकेट पर 368 रन बनाकर रणजी ट्रॉफी फ़ाइनल में 41 बार के चैंपियन मुम्बई पर अपना शिकंजा कस दिया है। फ़ाइनल में दो दिन का खेल शेष रहते मध्य प्रदेश पहली पारी में मुम्बई से मात्र छह रन पीछे है और उसने पहली बार रणजी खिताब जीतना भी सुनिश्चित कर लिया है। मुम्बई ने पहली पारी में 374 रन बनाये थे। यश दुबे ने 336 गेंदों पर 133 रन में 14 चौके लगाए जबकि शुभम ने 215 गेंदों पर 116 रन में 15 चौके और एक छक्का लगाया। स्टंप्स के समय रजत पाटीदार 67 और कप्तान आदित्य श्रीवास्तव 11 रन बनाकर क्रीज पर हैं।

ज़िद्द मुंबई क्रिकेट की सबसे मज़बूत नींव है। ज़िद्दी या खड़ूस होने का अर्थ यह है कि आप क्रीज़ पर पैर जमाकर घंटों बल्लेबाज़ी करें और विपक्षी गेंदबाज़ों को थकाते चले जाएं। लंबे अरसे से मुंबई के बल्लेबाज़ों ने विपक्षी गेंदबाज़ों को इतना थकाया है कि उनके बारे में सोचकर बुरा लगने लगता है। मुंबई ने सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर, वसीम जाफ़र जैसे कई खड़ूस बल्लेबाज़ देखे हैं। हालांकि शुक्रवार को बेंगलुरु में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफ़ी के फ़ाइनल मुक़ाबले के तीसरे दिन 41 बार की चैंपियन मुंबई को मध्य प्रदेश के हाथों ऐसी ही खड़ूस बल्लेबाज़ी का सामना करना पड़ा।

पहली पारी में मुंबई के 374 रनों के स्कोर का पीछा करते हुए मध्य प्रदेश को अच्छी शुरुआत की आवश्यकता थी और यश दुबे ने ऐसा ही किया। अपना 24वां प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे यश ने विकेटकीपर हिमांशु मंत्री के साथ 47 रन जोड़े। पहली विकेट गिरने के बाद वह अपने असली रंग में उतर आए। उन्होंने आक्रमण और रक्षात्मक बल्लेबाज़ी का बढ़िया मिश्रण दिखाया और मध्य प्रदेश को पहली पारी में महत्वपूर्ण बढ़त की दहलीज़ पर ला खड़ा किया।

दूसरे दिन के 44 रन के स्कोर से अपनी पारी को आगे बढ़ा रहे यश ने एक सुंदर स्क्वेयर कट के साथ तीसरे दिन की शुरुआत की। इस शॉट पर टाइमिंग इतनी अद्भुत थी कि डीप प्वाइंट पर तैनात यशस्वी जायसवाल के पास उस गेंद को रोकने का कोई मौक़ा नहीं था। यश के साथी जोड़ीदार शुभम शर्मा ने भी चौके के साथ तीसरे दिन रन बनाने का आग़ाज़ किया। इन दोनों बल्लेबाज़ों ने मुंबई द्वारा फेंकी गई हर चुनौती का डटकर मुक़ाबला किया और पहले सेशन में 105 रन बनाए। वह इतने संयम के साथ बल्लेबाज़ी कर रहे थे कि मुंबई के फ़ील्डर अपनी बातों से उनका ध्यान भटकाने पर उतर आए।

शुभम के रूप में उनको एक सही जोड़ीदार मिला। यह आग और पानी का सही मिश्रण था। जहां यश अपना समय ले रहे थे, शुभम ने तेज़ी से रन बनाए। ख़राब गेंदों पर प्रहार करते हुए उन्होंने 74 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने आठ चौके भी जड़े। वहीं यश ने पचासा पूरा करने के लिए 139 गेंदें खेली।

वह यहीं पर नहीं रुके। मुंबई के गेंदबाज़ी क्रम पर अपना आक्रमण जारी रखते हुए उन्होंने किसी भी गेंदबाज़ को लय पकड़ने का मौक़ा ही नहीं दिया। दूसरे सेशन में तुषार देशपांडे और मोहित अवस्थी के एक घातक स्पेल का सामना करते हुए भी दोनों गेंदबाज़ों ने अपनी विकेट नहीं फेंकी और गेंदों को छोड़ते रहे। मध्य प्रदेश को भाग्य का साथ भी मिला। कई क़रीबी फ़ैसले उनके पक्ष में नहीं गए और कुछ कैच भी छूटे। 55 के स्कोर पर शुभम को जीवनदान मिला जब अरमान जाफ़र ने शॉर्ट प्वाइंट पर उनका कैच टपकाया। फिर रजत पाटीदार, शम्स मुलानी की नो बॉल पर कैच आउट हुए। उन्हें मौक़े मिले और उन्होंने उनका पूरा फ़ायदा उठाया।

यश और शुभम ने सरफ़राज़ ख़ान की पारी से सीख ली। दूसरे दिन के खेल के अंत के बाद इस सीज़न में सर्वाधिक रन बनाने वाले सरफ़राज़ ने कहा था कि उनका मानना है कि शतक बनाने के लिए आपको कम से कम 200 गेंदों का सामना करना होगा। यश और शुभम ने ठीक ऐसा ही किया और अपना अपना शतक पूरा किया। ऐसा करते हुए दोनों के बीच 222 रनों की अनमोल साझेदारी हुई जो इस मैच का नतीजा तय करने में निर्णायक साबित हो सकती है।

यश और शुभम की जोड़ी ने मुंबई को मैच में काफ़ी पीछे छोड़ दिया है। उनकी साझेदारी तब टूटी जब शुभम, मोहित की गेंद पर कैच आउट हुए लेकिन मुंबई के लिए यह परेशानियों का अंत क़तई नहीं था। चौथे नंबर पर पाटीदार ने ताबड़तोड़ शुरुआत की। अपने घरेलू मैदान (आईपीएल में रजत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हैं) पर खेलते हुए रजत मुंबई पर जमकर बरसे। अपने तरकश में मौजूद शॉट्स के भंडार का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने दिखाया कि क्यों उन्हें मध्य प्रदेश की टीम का सबसे घातक बल्लेबाज़ माना जाता है।

336 गेंदों का सामना करने के बाद यश आख़िरकार 133 रन बनाकर आउट हुए। शतक पूरा करने पर उन्होंने दोनों कानों को बंद करते हुए यह बताया कि उन्हें आसपास हो रही आवाज़ से कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता। जब वह आउट हुए तब फ़ील्डरों की खरी-खोटी अभिवादन में तब्दील हो गई। उनके आउट होने के समय मध्य प्रदेश ने 341 रन बना लिए थे और यश अपना काम पूरा कर चुके थे।

मेजबान भारत अपने पहले मैच में भुवनेश्वर में अमेरिका से भिड़ेगा

नवी मुंबई, 24 जून। फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप इंडिया 2022 के लिए आधिकारिक ड्रा 24 जून को आयोजित किया गया। इस ड्रा के माध्यम से यह निकलकर सामने आया कि मेजबान भारत को ग्रुप-ए में रखा गया। भारतीय टीम भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में अपने पहले मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका से भिड़ेगी। इसके बाद भारत को मोरक्को और ब्राजील के खिलाफ खेलना है।

प्रत्येक फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप में भाग लेने के अपने रिकॉर्ड को बरकरार रखने वाली जर्मनी की टीम को नाइजीरिया, चिली और टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण के मेजबान न्यूजीलैंड के साथ ग्रुप बी में रखा गया था।

इस बीच, गत चैंपियन स्पेन को कोलंबिया, मैक्सिको और चाइना पीआर के साथ ग्रुप-सी में रखा गया है। साल 2014 कोस्टा रिका में आयोजित विश्व कप का खिताब जीतने वाले जापान को तंजानिया, कनाडा और एक अन्य पूर्व चैम्पियन फ्रांस के साथ ग्रुप-डी में रखा गया है।

फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने ड्रॉ के दौरान कहा, आज का ड्रा न केवल एक मेजबान राष्ट्र के रूप में बल्कि वैश्विक फुटबॉल समुदाय और भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस टूर्नामेंट के अगले संस्करण को सफल बनाने के लिए कई मेहनती लोग शामिल हैं और यह इस बात का सबूत है कि इस ड्रा और उसके बाद का टूर्नामेंट सुरक्षित रूप से आयोजित होगा।

फीफा अध्यक्ष ने आगे कहा, अब हम इस साल के अंत में भारत में दुनिया भर के 16 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले बेहतरीन युवा खिलाड़ियों की कला को देखने के लिए उत्सुक हैं। इस टूर्नामेंट के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में, अक्टूबर में खेलने वाली महिलाओं के नक्शेकदम पर चलने के लिए कई प्रेरित महिलाएं सामने आएंगी और यह सिलसिला पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता रहेगा। आने वाला इवेंट भारत में महिला फुटबॉल के लिए एक महत्वपूर्ण पल होने जा रहा है। इसकी बेहतरीन सफलता को लेकर वादा करते हुए भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण तथा युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, '' अपने पहले फीफा महिला टूर्नामेंट -फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी करना हमारे देश के लिए अत्यधिक गर्व और जिम्मेदारी का विषय है।

खेल मंत्री ने जेंडर इनक्लूसिव प्लेइंग फील्ड के अपने दृष्टिकोण के साथ आगे कहा, ''आधिकारिक ड्रा इस आयोजन में सभी शामिल लोगों के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर है क्योंकि 16 प्रतिभागी राष्ट्र अब जानते हैं कि आने वाले समय में उनका सामना किससे होना है और इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को जीतने की राह में वे इसी को ध्यान में रखकर तैयारी करेंगे। मैं हमारे सुंदर और जीवंत राष्ट्र में सभी टीमों का स्वागत करता हूं। जब आप भारत आते हैं ठाकुर ने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा''यह हमारे देश में महिलाओं से जुड़े खेलों के लिहाज से एक विशेष टूर्नामेंट है क्योंकि हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह आयोजन अधिक से अधिक युवा महिलाओं को खेलों को एक लिंग-समावेशी खेल का मैदान बनाने के लिए प्रेरित करेगा।''

विम्बलडन में 113वीं रैंकिंग की खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआत करेगी सेरेना विलियम्सन

विम्बलडन (इंग्लैंड), 24 जून। वापसी कर रही सेरेना विलियम्स विम्बलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम के शुरूआती मुकाबले में फ्रांस की 24 साल की हार्मनी टैन के सामने होंगी जिनकी रैंकिंग 113 है। रिकॉर्ड 23 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब अपने नाम कर चुकी सेरेना एक साल पहले सेंटर कोर्ट पर पहले दौर के पहले सेट के दौरान पैर में चोट लगा बैठी थीं। इसके बाद से वह किसी भी टूर्नामेंट के एकल में पहली बार शिरकत करेंगी। सेरेना पिछले 12 महीने में किसी टूर्नामेंट में नहीं खेली जिससे वह इस हफ्ते डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 1,200 से बाहर हैं।

उन्होंने इस हफ्ते ही टूर पर वापसी की और इंग्लैंड में तैयारियों के टूर्नामेंट में दो युगल मैच खेले। वह सात बार विम्बलडन चैम्पियनशिप जीत चुकी हैं जबकि टैन ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी। पहली बाधा पार करने के बाद सेरेना का सामना 32वीं वरीय सारा सोरिबेस टोर्मो से हो सकता है जबकि तीसरे दौर में उन्हें छठी वरीय कैरोलिना प्लिस्कोवा से चुनौती मिल सकती है जो पिछले साल उप विजेता रही थीं और 2016 अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में सेरेना को हराकर फाइनल में पहुंची थी। गत चेम्पियन एश बार्टी ने मार्च में 25 साल की उम्र में संन्यास ले लिया था और वह अपने खिताब का बचाव नहीं करेंगी।

मदद को फिर आगे आये मिशेल-ब्लंडेल

लीड्स, 23 जून। डैरिल मिशेल (78 नाबाद) और टॉम ब्लंडेल (45 नाबाद) की जोड़ी ने एक बार फिर मुसीबत में फंसी न्यूज़ीलैंज को बचाते हुए लीड्स टेस्ट के पहले दिन गुरुवार को कीवी टीम को 225 रन तक पहुंचाया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए न्यूज़ीलैंड ने सलामी बल्लेबाज टॉम लैथम का विकेट शून्य रन पर खो दिया। लैथम के साथी विल यंग भी 42 गेंदों पर 20 रन बनाकर आउट हो गये। कप्तान केन विलियमसन ने 31(64) और डेवन कॉनवे ने 26(62) रन बनाये। महज़ 83 रन पर चार विकेट गिरने के बाद हेनरी निकोल्स और डैरिल मिशेल ने न्यूज़ीलैंड की पारी को संभालते हुए 50 रन की साझेदारी की, लेकिन निकोल्स बेहद दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से अपना विकेट गंवा बैठे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज से सैफुद्दीन और यासिर अली बाहर

ढाका, 24 जून। गेंदबाज़ी ऑलराउंडर मोहम्मद सैफ़ुद्दीन, बांग्लादेश के वेस्टइंडीज़ दौरे से बाहर हो गए हैं। पीठ की चोट से उबरने के बाद सैफ़ुद्दीन को गेंदबाज़ी करने के लिए पर्याप्त रूप से फ़िट नहीं माना गया। वहीं यासिर अली भी अपना रिहैब शुरू नहीं कर पाए हैं, जिसके कारण वह इस सीरीज़ से बाहर हैं। चयनकर्ता तमीम इक़बाल, नजमुल हुसैन, मेहदी हसन मिराज और इबादत हुसैन में से किन्हीं दो खिलाड़ियों को टी20 टीम का हिस्सा बनने के लिए बोल सकते हैं। फ़िलहाल ये खिलाड़ी वनडे टीम में पहले से ही चयनित हैं।

इस दौरे में बांग्लादेश के लिए चोटिल खिलाड़ियों की संख्या तीन तक पहुंच गई है, क्योंकि तेज़ गेंदबाज़ शोहिदुल इस्लाम पहले ही टेस्ट और टी20 से बाहर हैं। उन्हें प्रशिक्षण के दौरान एक साइड स्ट्रेन का सामना करना पड़ा था। सैफ़ुद्दीन ने पिछले कुछ हफ़्तों के दौरान ढाका में सफेद गेंद के विशेषज्ञों के साथ प्रशिक्षण लिया। हालांकि उनकी गेंदबाज़ी फ़िटनेस को अपर्याप्त माना गया था। इस बीच यासिर को भी पीठ की चोट के कारण स्वदेश लौटना पड़ा।

बीसीबी के मुख्य खेल चिकित्सक देबाशीष चौधरी ने कहा, ''सैफ़ुद्दीन प्रशिक्षण ले रहे हैं लेकिन हमें लगता है कि फ़िलहाल वह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की तीव्रता से निपटने के लिए आवश्यक गेंदबाज़ी फ़िटनेस स्तर तक नहीं पहुंचे हैं।

बुमराह की गेंद पर रोहित शर्मा हुए चोटिल

लेस्टर, 24 जून। टीम इंडिया और इंग्लिश क्लब लीसेस्टरशायर के बीच चार दिनों के अभ्यास मैच में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तेज गेंद पर कप्तान रोहित शर्मा घायल हो गए। इस अभ्यास मैच ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, चेतेश्वर पुजारा और प्रसिद्ध कृष्णा लीसेस्टरशायर की तरफ से खेल रहे हैं। मैच में टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा का सामना जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदबाजी से हुआ। इसी दौरान बुमराह की एक घातक गेंद रोहित शर्मा के पेट में जा लगी। इस घटना का वीडियो काफी वायरल हो रहा है।

ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी वनडे जीतकर बचाया सम्मान

कोलम्बो, 24 जून। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज गंवाने के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन से शानदार वापसी करते हुए श्रीलंका को पांचवें और आखिरी वनडे में शुक्रवार को चार विकेट से हराकर अपना सम्मान बचा लिया। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को 43.1 ओवर में 160 रन पर समेटने के बाद 39.3 ओवर में छह विकेट पर 164 रन बनाकर जीत अपने नाम की। श्रीलंका के चमिका करुणारत्ने को प्लेयर ऑफ द मैच और कुशल मेंडिस को प्लेयर ऑफ द सीरिज का पुरस्कार मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शुरूआती लड़खड़ाहट दिक,हाई और अपने चार विकेट 50 रन तक गंवा दिए। लेकिन मार्नस लाबुशेन ने 31, विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने नाबाद 45 और कैमरून ग्रीन ने नाबाद 25 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन आठवें नंबर के बल्लेबाज चमिका करुणारत्ने और कुछ हद तक कुशल मेंडिस को छोड़कर अन्य कोई बल्लेबाज विकेट पर नहीं टिक पाया। करुणारत्ने ने 75 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्कों की मदद से 75 रन बनाये जबकि मेंडिस ने 40 गेंदों में तीन चौकों के सहारे 26 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से जोश हेजलवुड, मैथ्यू कुनमन और पेट कमिंस ने दो-दो विकेट लिए।

जेमिमाह ने रोहित शर्मा और ऋषभ पंत से ली थी सलाह

दाम्बुला, 24 जून। जेमिमाह रोड्रिग्स ने पिछले दो सालों में मिला-जुला प्रदर्शन किया है। पिछले साल इंग्लैंड में वनडे और टी20 सीरीज़ के दौरान बैंच पर बैठाया गया। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ भी उन्हें मौक़ा नहीं दिया गया। महिला हंड्रेड और बीबीएल में बढ़िया प्रदर्शन के बावजूद उन्हें वनडे विश्व कप में खेलने का मौक़ा नहीं मिला। हालांकि जेमिमाह ने सुर्ख़ियों से दूर रहते हुए कड़ी मेहनत करना जारी रखा। उन्होंने सीनियर महिला टी20 ट्रॉफ़ी के छह मैचों में 60.75 के औसत और 167.58 के स्ट्राइक रेट से 243 रन बनाए। इसके बाद उन्होंने महिला टी20 चैलेंज़ में आकर्षक प्रदर्शन किया। अक्तूबर 2021 के बाद अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल रही जेमिमाह ने श्रीलंका के ख़िलाफ़ पहले टी20 में 27 गेंदों में 36 रनों की शानदार पारी खेली और टीम की जीत में एक अहम भूमिका निभाई।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति 'विशिष्ट श्रैणी' खैरथल

Email : kums.khairth@rajasthan.gov.in, Tel.No.: 01460-222112

विज्ञप्ति

क्रमांक-495-510 दिनांक-30.05.2022

कृषि उपज मण्डी समिति, खैरथल के मुख्य मण्डी प्रागंण एवं गौण मण्डी यार्ड, तिजारा में चिन्हित एवं रिक्त भूखण्डों का आवंटन कृषि उपज मण्डी समिति, खैरथल से प्राप्त अनुज्ञापत्रधारी व्यापारी वर्ग/'क' वर्ग दलाल व संयुक्त व्यापारी वर्ग एवं कृषक महिला (सामान्य/एस.सी./एस.टी.वर्ग, विधवा महिला) एवं निःशक्तजन तथा जैविक खेती के उत्पादक कृषक व वन उपज/औषधीय पादप/जडी बूटियों के अनुज्ञापत्रधारी व्यवसाईयों एवं अनुज्ञापत्रधारी प्रसंस्करण ईकाईयों को पृथक-पृथक प्रकृति (फल-सब्जी या अनाज) के अनुसार उक्त वर्गों को अचल सम्पत्ति आवंटन नीति 2005 के प्रावधानान्तर्गत एवं समय-समय पर जारी संशोधनों के अनुरूप बिन्दु संख्या (7) द्वितीय एवं पाश्चातवर्ती चरणों में 99 वर्ष लीज पद्धति पर निर्धारित प्रावधानों/शर्तों पर आवंटन किया जावेगा। रिक्त भूखण्डों का विवरण निम्नानुसार है।

नाम मण्डी/गौण मण्डी	दुकान हेतु भूखण्डों की मात्रा
मुख्य मण्डी प्रागंण, खैरथल	57 भूखण्ड
गौण मण्डी यार्ड, तिजारा (अनाज)	33 भूखण्ड
गौण मण्डी यार्ड, तिजारा (फल-सब्जी)	38 भूखण्ड

अतः उपरोक्त रिक्त भूखण्डों हेतु इच्छुक आवेदनकर्ता आवेदन पत्र कृषि उपज मण्डी समिति, खैरथल के कार्यालय से कार्यालय समय में 200/- रूपये आवेदन फार्म शुल्क व इस पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. राशि जमा कराकर दिनांक 30.05.2022 से 27.06.22 को सायं 4.00 बजे तक प्राप्त कर आवेदन फार्म पूर्ण वांछित दस्तावेजों के साथ धरोहर राशि 15000/- रूपये सहित दिनांक 30.06.2022 को सायं 6.00 बजे तक मण्डी समिति कार्यालय खैरथल में जमा करा सकते है। निर्धारित शर्तें मुख्य मण्डी कार्यालय में देखी/ज्ञात की जा सकती है।

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति
''विशिष्ट श्रेणी'' खैरथल

प्रशासक
कृषि उपज मण्डी समिति
''विशिष्ट श्रेणी'' खैरथल

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुनर्निर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्न ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं ने नीचे वर्णित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड का सिक्योर्ड ऋण (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) से लिया था। निम्नलिखित ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के ऋण उनकी अपनी-अपनी सम्पत्तियों के गिरवी रखने से सुरक्षित है। क्योंकि उन्होंने अपने-अपने ऋण एग्रीमेन्टस के नियम व शर्तों की पालना नहीं की है और अनियिमित हो गये है, उनके ऋणों को आरबीआई की गाइडलाइन्स के अनुसार एनपीए वर्गीकृत कर दिया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशियाँ उनके पृथक नोटिस में लिखी गयी है तथा और विशेष रूप से निम्न सूचि में वर्णित है और उक्त राशियों पर आगे का ब्याज भी लागू होगा तथा वह उनकी अलग-अलग तिथियों से समझौते की प्रभावी दर से वसूला जायेगा।

क्रम संख्या	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	ऋणग्रहिताओं एवं सहऋणग्रहिताओं के नाम	सैक्शन 13(2) के नोटिस की तिथि	सैक्शन 13(2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि	सम्पत्ति का पता
1	18894799 7175048 एवं 7919007	सम्पत्ति पर ऋण गृह ऋण एलएपी एवं गृह ऋण एचएल	1. द्वारिका प्रसाद मेहरा 2. मुकेश कुमार मेहरा 3. तारा मेहरा 4. सन्नी मेहरा	14.06.2022	34,13,410.49/-	प्लाट क्षेत्रफल 170.44 वर्गगज, ग्राम सुशीलपुरा, सोडाला, जयपुर, राजस्थान का पूरा व प्रत्येक भाग, और सीमायें है- पूर्व-धन्ना लाल का भवन, पश्चिम-सरकारी रोड, उत्तर-गली, दक्षिण-श्रवण लाल का मकान

आपको एतद्द्वारा, इस प्रकाशन के 60 दिन के अन्दर, ऊपर सूचि में दर्शायी राशियों को उनकी प्रथम तिथि से, उस पर लगे आगे के समझौते में ब्याज दर तथा अन्य खर्चों, चार्ज आदि सहित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि. (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को भुगतान करने को कहा जा रहा है, यदि ऐसा नहीं हुआ, तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को, एसएआरएफएइएसआई एक्ट के सैक्शन 13(4) तथा सैक्शन 14 के तहत, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है) को देय राशि वसूल करने के लिये, गिरवी रखी सम्पत्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिये बाध्य होना पडेगा/इसके अलावा उक्त एक्ट के सैक्शन 13 (13) के तहत आप उक्त सम्पत्तियों को बिक्री/लीज अथवा किसी अन्य प्रकार से ट्रांसफर नहीं करने के लिये प्रतिबंधित है।

ह./-
प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

दिनांक- 25.06.2022
स्थान- जयपुर
(पूर्व में कैपीटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

महिंद्रा फ़ायनांस

महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनांशियल सर्विसेस लिमिटेड
पंजीकरण कार्यालय: गेटवे बिल्डिंग, अपोलो बंदर, मुंबई-४०० ००१.
CIN: L65921MH1991PLC059642 • टेलि.: +९१ २२ ६६५२ ६००० • फॅक्स: +९१ २२ २४९८ ४१७०
वेबसाइट: www.mahindrafinance.com • ईमेल: investorhelpline_mmfsl@mahindra.com

आर्थिक संपत्ति प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के तहत कर्ज़दार को सूचना

सेवा में, **दिनांक: 2 जून, 2022**

1. **मेसर्स सात्विकी प्रोटीन्स प्राइवेट लिमिटेड (कर्ज़दार)** खसरा नं. 1120, चोमू अजीतगढ़ रोड, ग्राम मरखी, जयपुर, राजस्थान – 303601 **और** **मेसर्स सात्विकी प्रोटीन्स प्राइवेट लिमिटेड** । 175, इंद्रा कॉलनी, बैंक ऑफ राजस्थान के पीछे, बनीपार्क, जयपुर राजस्थान – 302016
2. **श्री विवेक अगरवाल (गैरेंटर)** 175, इंद्रा कॉलनी, बैंक ऑफ राजस्थान के पीछे, बनीपार्क, जयपुर राजस्थान – 302016 **और** **श्री विवेक अगरवाल** फ्लैट नं. 501 और 502 ज्वेल्स ऑफ जयपुर, टावर बी गौरव टावर्स के पास, मालवीय नगर, जयपुर, राजस्थान – 302017
3. **श्री विकास अगरवाल (गैरेंटर)** आइसीआइसीआइ बैंक के पीछे, 175 इंद्रा कॉलनी, जयपुर, शास्त्री नगर, राजस्थान – 302016
4. **श्री नरोत्तम लाल अगरवाल (गैरेंटर)** 175, इंद्रा कॉलनी बनीपार्क, जयपुर, शास्त्री नगर, राजस्थान – 302016
5. **श्रीमती सुनीता अगरवाल (गैरेंटर)** 175, इंद्रा कॉलनी बनीपार्क, जयपुर, राजस्थान – 302016

महोदय/महोदया,

विषय: आर्थिक संपत्ति प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (इसके बाद ''कानून'' के रूप में व्यक्त) की धारा 13 (2) के तहत सूचना मेसर्स सात्विकी प्रोटीन्स प्राइवेट लिमिटेड की ऋण की राशि रु. 1,60,48,000/- (एक करोड़ साठ लाख अढ़तालीस हज़ार रुपये मात्र), जिसका अनुबंध क्रमांक ITLFLOT21283513 है

संदर्भ: ''1) संदर्भ क्र. **SME/VB/SPPL-001/21-22** का स्वीकृति पत्र दिनांकित **20 सितंबर, 2021**; ऋण सह उपप्राधीयन अनुबंधन दिनांकित 21 सितंबर 2021; श्री विवेक अगरवाल, श्री विकास अगरवाल, श्री नरोत्तम लाल अगरवाल और श्रीमती सुनीता अगरवाल की निजी गारंटी दिनांकित 21 सितंबर 2021; मांग प्रतिज्ञा सूचना दिनांकित 21 सितंबर 2021। **(इसके बाद साथ में ''ऋण अनुबंध'' कहा गया है)**

हस्ताक्षरकर्ता आर्थिक संपत्ति प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत नियुक्त महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनांशियल सर्विसेज़ लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में आपको निम्नलिखित सूचना जारी करते हैं:

1) आपने **रु. 1,60,48,000/- (एक करोड़ साठ लाख अढ़तालीस हज़ार रुपये मात्र)** की ऋण सेवा ली है और हमारे पक्ष में अन्य सेवा दस्तावेज़ों के साथ एक ऋण सह उपप्राधीयन अनुबंध संपन्न किया है। आपके द्वारा संपन्न किये गये सुरक्षा अनुबंधों/दस्तावेज़ों के संबद्ध घटक सूचना की **सूची 'A'** में दिये गये हैं और चल संपत्तियों की प्रतिभूतियों के विवरण सूचना की **सूची B** में दिये गये हैं।

2) जैसा कि आप जानते हैं आपने कथित ऋण का भुगतान नियमित रूप से नहीं किया है और बार-बार हमारे आग्रह और मांगों के बावजूद आप बकाया राशि चुकाने में असफल रहे हैं।

3) आपकी ओर से हुई अनियमियता के कारण आपके ऋण खाते को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किये गये आदेशों और दिशानिर्देशों के अनुसार नॉन-परफॉर्मिंग असेट (एनपीए) के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है इसलिये हम आपको आर्थिक संपत्ति प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (''कानून'') की धारा 13 की उपधारा (2) के तहत सूचित करते हैं और और आपसे इस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 (साठ) दिनों के भीतर महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनांशियल सर्विसेज़ लिमिटेड को 1 मई 2022 तक की **रु. 1,51,96,444.24/- (एक करोड़ इक्यावन लाख छियानवे हज़ार चार सौ चौवालीस रुपये चौबीस पैसे मात्र) की रकम का पूरा भुगतान करने और आपके दायित्व को पूरा करने की मांग करते हैं,** जिसके विवरण नीचे व्यक्त हैं:

4) हम आपको यह सूचना भी देते हैं, कि अगर आप भुगतान की वास्तविक प्राप्ति की तिथि तक के ब्याज समेत **रु. 1,51,96,444.24/- (एक करोड़ इक्यावन लाख छियानवे हज़ार चार सौ चौवालीस रुपये चौबीस पैसे मात्र)** का कथित भुगतान करने में असफल रहते हैं, तो हमें कानून की धारा 13 की उपधारा (4) के तहत प्राप्त अधिकारों और शक्तियों में से किसी का भी प्रयोग करने का अधिकार होगा, जिसमें सुरक्षा संपत्ति का अधिपत्य लेने और उसे बेचने की शक्ति का समावेश है।

5) हम कानून की धारा 13 की उपधारा (13) की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहेंगे, जिसके अनुसार आप हमारी लिखित पूर्वानुमति के बिना ''परिच्छेद 1'' में व्यक्त किसी भी सुरक्षा संपत्ति का बिक्री, लीज़ या अन्य किसी पद्धति से हस्तांतरण नहीं कर सकते। हम यह भी बताना चाहेंगे कानून की धारा 13(13) में दिये गये उपर्युक्त प्रावधान का पालन न करना कानून की धारा 29 के तहत एक दंडनीय अपराध है।

6) आपको यह सूचना भी दी जाती है कि कथित कानून के अंतर्गत लगाई गयी कानूनी रोक/प्रतिबंध का कोई भी उल्लंघन एक अपराध है। कृपया ध्यान दें कि यह मांग सूचना हमारे द्वारा आपकी बकाया राशि की कोई अन्य मांग करने के अधिकार समेत हमारे पास उपलब्ध किसी भी अन्य अधिकार या उपाय को प्रभावित नहीं करती है।

7) कृपया इस सूचना में दी गयी मांग को पूरा करें और किसी भी असुविधा से बचें। अनुपालन न किये जाने पर, आगे की कार्रवाई की जायेगी, जिसके सभी ख़र्च और परिणामों का दायित्व आपका होगा।

सूची-A

दस्तावेज़ का नाम	दिनांक
स्वीकृति पत्र संदर्भ क्र. SME/VB/SPPL-001/21-22	20 सितंबर 2021
ऋण सह उपप्राधीयन अनुबंध	21 सितंबर 2021
मांग प्रतिज्ञा सूचना	21 सितंबर 2021
श्री विवेक कुमार अगरवाल की निजी गारंटी	21 सितंबर 2021
श्री विकास अगरवाल की निजी गारंटी	21 सितंबर 2021
श्री नरोत्तम लाल अगरवाल की निजी गारंटी	21 सितंबर 2021
श्रीमती सुनीता अगरवाल की निजी गारंटी	21 सितंबर 2021

सूची-B

चल संपत्ति का विवरण

खसरा नं. 1120, चोमू अजीतगढ़ रोड, ग्राम मरखी, जयपुर, राजस्थान – 303601 प्लांट और मशीनों, मशीनों के पुर्ज़ों, उपकरणों और औज़ारों, बिजली के इंस्टॉलेशन और फिक्सचर्स पर प्रथम और एकमात्र अधिकार, जैसा कि नीचे दिया गया है:

अनुक्रमांक	मशीन का प्रकार	आपूर्तिकर्ता	इनवॉइस दिनांक और क्रमांक
1	एस.ई.पी. के लिये मशीनें और उपकरण	ऑइलेक्स इंजीनियर्स (भारत) प्राइवेट लिमिटेड	इनवॉइस क्र – OEPL/21-22/017 दिनांक – 25 मई-2021

हस्ताक्षरकर्ता/-
प्राधिकृत अधिकारी
महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनांशियल सर्विसेस लिमिटेड

दिनांक: 2 जून 2022
स्थान: जयपुर

जरा सोचिए, आपकी शादी के दिन चीज़ का एक चक्का उठाकर अलग रख दिया जाए, और आपके अंतिम संस्कार के दिन उसे परोसा जाए, तो वो कैसा दिखेगा? उसके स्लाइस बनाने के लिए कुल्हाड़ी की ज़रुरत पड़ेगी और गले के नीचे उतारने के लिए तेज़ शराब, क्योंकि तब तक इसमें ढेरों झुर्रियाँ पड़ चुकी होंगी, रंग गहरा भूरा हो चुका होगा और दशकों तक चूहे और घुन इसका सेवन कर चुके होंगे। लेकिन यह चीज़ इतनी दुर्लभ होगी कि, कोई इसे काटना नहीं चाहेगा, क्योंकि जीवाश्म बन चुकी इस चीज़ का अर्थ है कि आपने एक लंबा जीवन जिया है। वैलडैनिविअर्स वैली के पहाड़ों पर बहुत ऊँचाई पर स्थित ग्रिमैंट्ज़ गांव में, ज़ाँ ज़ाक ज़ूफरी का घर उन अंतिम स्थानों में है जहाँ आपको इस विचित्र परंपरा के सबूत मिल जाएंगे। जैसे, अंत्येष्टि के दिन खाने के लिए उठाकर रखा हुआ चीज़ का चक्का। वैलडैनिविअर्स इस बात का उदाहरण है कि कैसे, ऊँचे -ऊँचे पहाड़ घाटियों व गाँवों को अलग-थलग कर देते हैं। जब स्विस एन्थ्रोपॉलजिस्ट, ईवॉन प्राइसवर्क सबसे पहले फील्ड वर्क के लिए यहाँ आईं तो उन्होंने अंत्येष्टि संबंधी अजीबोगरीब रिवाज़ देखे, जो प्राचीन मिस्र की याद दिलाते थे। सन् 1992 के अपने एक पेपर में उन्होंने लिखा, "विशेष प्रकार का माउन्टेन कथॉलसिज़्म देखकर हम चकित थे।" उन्होंने बताया कि पिछली सदियों में, इन रिवाज़ों को देखकर यहाँ आने वाले लोग स्तंभित थे और उन्होंने यहाँ के लोकल लोगों को "असभ्य व बर्बर" करार दिया था। ग्रिमैंट्ज़ गांव में ज़ूफरी के घर के तहखाने में, अंत्येष्टि के समय खाई जाने वाली चीज़ के कई चक्के रखे हैं। उसने बताया कि उसका परिवार इनके बारे में भूल चुका था, फिर 1944 में जब उसकी दादी की मृत्यु हुई तब ज़ूफरी के पिता को अपनी माँ के तहखाने में चीज़ के दो बहुत पुराने चक्के मिले, जिन पर सन् 1870 उकेरा हुआ था। ज़ूफरी के पिता ने इन्हें प्रिज़र्व करने का निर्णय लिया। उसके बाद से ज़ूफरी के परिवार ने चीज़ जमा करनी शुरु कर दी है। अंत्येष्टि के भोज की तैयारी के बजाय यह परिवार बड़ी निष्ठा के साथ लुप्त हो रही परम्परा के सबूतों को प्रिज़र्व कर रहा है।

मार्बल एवं ग्रेनाइट व्यवसायी सुमेरराम माली के पास अफीम का दूध मिला?

मार्बल व्यापारी से रूपए मांगने के मामले में एन.सी.बी. और पुलिस आमने-सामने

जोधपुर, 24 जून (कासं)। जोधपुर शहर के मार्बल एवं ग्रेनाइट व्यवसायी सुमेरराम से एनसीबी अधिकारी निरीक्षक, थानेदार एवं कांस्टेबल द्वारा 30 लाख रूपए मांगे जाने के मामले में अब जांच की दिशा पूरी तरह एफएएसल रिपोर्ट पर टिक गई है। जिस कार में अफीम होना बताया गया है, उसकी एफएसएल जांच की गई है।

इसी जांच में पुष्टि हो पाएगी कि कार में अफीम थी या नहीं। सबसे बड़ी बात है कि एनसीबी के अधिकारी सुमेरराम को पाली में कार सहित पकड़ने के बावजूद आठ दस घंटे लेकर घूमते रहे और बाद में जोधपुर के अशोक उद्यान के पीछे आकर कार में बैठे रहे।

कथित रूप से सामने आई ऑडियो वॉयस के सैम्पल को भी एफएसएल जांच के लिए भेजा जाएगा। इसके बाद ही पता लगेगा कि माजरा क्या है। आज दूसरे दिन भी एनसीबी ने सुमेरराम को पूछताछ के लिए बुलाया।

प्रकरण की तफ्तीश कर रही एसीपी प्रतापनगर प्रेमधणदे ने बताया कि एनसीबी के आसूचना अधिकारी निरीक्षक खींयाराम, कनिष्ठ आसूचना

■ **वॉयस सैंपल और एफ.एस.एल. रिपोर्ट पर टिकी है पुलिस की जांच।**

अधिकारी थानेदार भगवान सहाय मीणा एवं कांस्टेबल भागीरथ से पूछताछ की गई, लेकिन कहानी में कहीं भी यह सच्चाई नहीं लग रही कि मार्बल एवं ग्रेनाइट व्यवसायी सुमेरराम माली के पास से अफीम का दूध मिला है। उसके पास से आठ से दस किलो दूध होना बताया गया। इधर एनसीबी ने आरोप पुलिस पर मड़ दिया कि पुलिस ने इस अफीम दूध को खुर्दबुर्द कर डाला।

पुलिस ने मौका स्थल अशोक उद्यान के पीछे पीड़ित के परिजन से पांच लाख रूपए मंगवाएं वो जब्त कर लिए गए थे। इन लोगों ने पीड़ित मार्बल व्यवसायी से 30 लाख की डिमांड की थी।

एनडीपीएस एक्ट की कार्रवाई में मौके पर ही होती है और वहां से माल बरामदगी दर्शायी जाती है, जबकि ये लोग मौके से कार सहित पीड़ित सुमेरराम को साथ लेकर आए मगर उसमें माल नहीं था। एनसीबी अधिकारियों ने पुलिस को बताया कि यह लोग रिसीवर को पकड़ने के लिए सुमेरराम को साथ लेकर अशोक उद्यान के पीछे कार में बैठे थे। पाली टोल नाके पर उसे उठाया गया तो अशोक उद्यान के पीछे लाकर क्यूं बिठाया गया। माल बरामदगी होनी थी तो वक्त घटना पाली टोल नाके पर ही बताते मगर ऐसा नहीं हुआ और वे सुमेरराम को आठ दस घंटे लेकर घूमते रहे।

यह भी विदित रहे कि मंडोर पोस्ट ऑफिस के पीछे रहने वाले कुलदीप माली पुत्र सोहनसिंह माली ने रिपोर्ट दी थी, जिसमें बताया गया था कि उसका भाई सुमेरराम काम के सिलसिले में राजसमंद गया था।

जहां से वह सोमवार को लौट रहा था कि पाली टोल नाके पर उसे तीन जनों ने रोक दिया। यह लोग खुद को एनसीबी वाला बताते हुए उसके भाई को मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त होने का कहकर 30 लाख रूपयों की डिमांड करने लगे। इसमें एक ने खुद को एनसीबी का निरीक्षक खींयाराम, दूसरे सब इंस्पेक्टर भगवान सहाय मीणा एवं कांस्टेबल भागीरथ होना बताया था।

उसे मादक पदार्थ की तस्करी में फंसाने की धमकी देने लगे। इस पर बाद में परिवादी ने चौपासनी हाउसिंग बोर्ड से संपर्क साधा और केस दर्ज करवाया गया। घटना में कुलदीप पंवार माली की तरफ से एनसीबी के निरीक्षक खींयाराम, सब इंस्पेक्टर भगवान सहाय एवं कांस्टेबल भागीरथ के खिलाफ केस दर्ज करवाया गया।

डी.आर.डी.ओ. की नई मिसाइल

नई दिल्ली, 24 जून (वार्ता)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) और नौसेना ने सतह से हवा में मार करने वाली छोटी दूरी की वर्टिकल लांच मिसाइल का सफल परीक्षण किया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिसाइल के सफल परीक्षण पर डी.आर.डी.ओ. और नौसेना तथा उद्योग जगत को बधाई देते हुए कहा है कि इससे नौसेना के युद्धपोतों की हवाई खतरों से निपटने में मारक क्षमता बढ़ेगी।

यह परीक्षण शुक्रवार को नौसेना के युद्धपोत द्वारा ओडिशा स्थित चांदीपुर परीक्षण रेंज से किया गया। परीक्षण के दौरान हवा में तेज गति से आ रहे लक्ष्य पर निशाना साधा गया जो पूरी तरह सटीक रहा।

डी.आर.डी.ओ. और नौसेना के अधिकारी मिशन पर निरंतर नजर रखे हुए थे जिसने अपने सभी उद्देश्यों को पूरा किया।

दिल्ली हाई कोर्ट ने इण्डियन ओलंपिक चीफ बत्रा को सभी कामकाज छोड़ने के आदेश दिये

कोर्ट के अनुसार आई.ओ.ए. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल खन्ना एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष होंगे

नई दिल्ली, 24 जून दिल्ली उच्च न्यायालय ने खेल प्रशासक नरिंदर बत्रा को इण्डियन ओलंपिक एसोसिएशन (आई.ओ.ए.) के अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करने का शुक्रवार को आदेश दिया।

न्यायमूर्ति दिनेश शर्मा की अवकाश पीठ ने ओलंपियन और हॉकी विश्व कप विजेता असलम शेर खान द्वारा दायर अवमानना याचिका पर यह आदेश पारित किया। खान की ओर से पेश हुए वकील वंशदीप डालमिया ने कहा, "अदालत ने आदेश दिया कि नरिंदर बत्रा को तत्काल प्रभाव से आईओए अध्यक्ष के रूप में काम करना बंद कर देना चाहिए।"

उन्होंने बताया, "यह अवमानना थी क्योंकि बत्रा इस अदालत के पहले के आदेश के बावजूद आईओए अध्यक्ष के रूप में बैठक में भाग ले रहे थे।"

उन्होंने बताया, "अदालत ने यह भी कहा कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल खन्ना आईओए के कार्यवाहक अध्यक्ष होंगे।"

बत्रा को गत 25 मई को आईओए प्रमुख के पद से हटा दिया गया था, जब दिल्ली उच्च न्यायालय ने हॉकी इंडिया में आजीवन सदस्य के पद को रद्द कर दिया था, जिसके सौजन्य से उन्होंने 2017 में शीर्ष निकाय चुनाव लड़ा और जीता था। बत्रा ने हॉकी इंडिया के प्रतिनिधि (आजीवन सदस्य) के रूप में आईओए अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था।

दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा 25 मई को हॉकी इंडिया में 'आजीवन सदस्य' का पद खत्म किये जाने के बाद वरिष्ठ खेल प्रशासक बत्रा को आईओए अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था।

बत्रा ने हॉकी इंडिया के आजीवन सदस्य के रूप में ही 2017 में आईओए अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ा और जीता था।

खान ने कहा, " बत्रा पिछले महीने के उच्च न्यायालय के आदेश के बाद भी आईओए अध्यक्ष के पद से इस्तीफा नहीं दे रहे थे। इसलिए, मुझे अदालत की अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी। यह उनकी निजी संपत्ति नहीं है, यह एक राष्ट्रीय निकाय है और सभी को अदालत के फैसले का पालन करना होगा। लेकिन वह ऐसा नहीं कर रहे हैं।"

खान की याचिका पर न्यायमूर्ति नजमी वजीरी और न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ पिछले महीने फैसला दिया था, "हॉकी इंडिया का प्रशासनिक ढांचा, आजीवन अध्यक्ष और आजीवन सदस्यों के कारण गलत और अवैध ढंग से गठित है।

क्रैश टैस्ट

नई दिल्ली, 24 जून (वार्ता)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत-एन.सी.ए.पी. (नये कार आंकलन कार्यक्रम) शुरू करने संबंधी जी.एस.आर. अधिसूचना के प्रारूप को मंजूरी दे दी है। इसके तहत देश में वाहन को क्रैश टेस्ट (टक्कर परीक्षण) में उनके प्रदर्शन के आधार पर स्टार रेटिंग दी जाएगी। सरकार की योजना के तहत अब भारत में निर्मित कारों को क्रैश टैस्ट के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा बल्कि

■ **अब सभी भारतीय कार मॉडल्स की सेफ्टी रेटिंग भारत में ही दी जायेगी।**

अपने ही देश में क्रैश टैस्ट करवाकर कारों को सैफ्टी रेटिंग दी जायेगी।

गडकरी ने शुक्रवार को इस संबंध में सिलसिलेवार ट्वीट कर बताया कि भारत- एन.सी.ए.पी. सुरक्षित वाहनों के निर्माण के लिए भारत में ओ.ई.एम. (मूल उपकरण निर्माता) के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हुए एक उपभोक्ता- केंद्रित मंच के रूप में काम करेगा, जिससे ग्राहक स्टार- रेटिंग के आधार पर सुरक्षित कारों का चयन कर सकेंगे।

मां ही बनी ढाई माह की बच्ची की दुश्मन

पिता ने बच्ची की जान बचाने के लिए सदर थाना चूरू में गुहार लगाई

चूरू, 24 जून (का. सं.)। गाजसर निवासी प्रकाश नाथ ने सदर थाना में एक लिखित रिपोर्ट देकर अपनी ढ ाई माह की बच्ची की जान बचाने की गुहार लगाई है। सबसे दु:खद बात यह है कि बच्ची की मां ही उसे मारने पर उतारू है।

प्रकाश नाथ पुत्र चावल नाथ ने सदर थाना में दर्ज रिपोर्ट में लिखा है कि उसका विवाह सवा साल पहले लाडनूं निवासी मोक नाथ की पुत्री कृष्णा से हुआ था। तीन चार माह पहले मोक नाथ

■ **मां ने बच्ची को उल्टा लटकाए हुए एक वीडियो बच्ची के पिता को भेजा और बच्ची को जान से मारने की धमकी दी।**

और अन्य लोग आए और कहा कि कृष्णा के खून की कमी है, उसके पेट में पल रहे बच्चे को गिरा दो। पर उसने गर्भपात नहीं करवाया और कृष्णा को चूरू के शिला हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। उसे खून भी चढ़ाया । उसके बाद वह स्वस्थ हो गई। इस दौरान मोक नाथ ने अपनी छोटी बेटी का विवाह प्रकाश नाथ के छोटे भाई से करने की बात कही। बदले में पचास हजार रुपए मांगे। उसके पिता चावल नाथ ने रुपए मोक नाथ को दे दिए। मोकनाथ और अन्य कृष्णा को लेकर चले गए।

दर्ज रिर्पोट के अनुसार प्रकाश नाथ के विवाह से पहले भी पचास हजार रुपए और जेवर आदि मोकनाथ को दिए गए।

अभी चार पांच दिन पहले मोकनाथ ने फोन करके एक लाख रुपए मांगे। रुपए नहीं देने पर नन्हीं बच्ची को जान से मारने की धमकी दी। और दो दिन पहले बच्ची के पांव पकड़कर उल्टा लटकाए जाने के वीडियो भेजे। वीडियो में ।बच्ची की मां ही यह क्रूरता करती हुई नज़र आ रही है।

स्कूल कॉलेजों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्तर के नीचे का पुलिसकर्मी ना हो। इसके अलावा थाना प्रभारी गश्ती दल में शामिल पुलिसकर्मियों के नाम रोजनामचे में दर्ज करें, ताकि दल की जिम्मेदारी तय की जा सके।

आयोग ने कहा कि संभव हो सके तो इस दल में एक महिला पुलिसकर्मी को शामिल किया जाए, ताकि पीड़ित छात्राएं गलत व्यवहार की सूचना महिला पुलिसकर्मी को दे सकें। वहीं इस संबंध में थानाधिकारी शाला प्रधानों के साथ समन्वय करें, जिससे कोई अप्रिय घटना ना हो। आयोग ने यह आदेश गत दिनों शहर की महारानी कॉलेज के बाहर कार सवार एक युवक की बेहुदा हरकतों का वीडियो सार्वजनिक होने के बाद लिए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान पुलिस की ओर से आयोग को बताया गया कि आरोपी युवक कार चालक की नौकरी करता था। मामले में उसे शांतिभंग में पकड़ा गया था। वहीं डीसीपी की ओर से आयोग में गत 14 जून को भेजी रिपोर्ट में कहा गया कि आरोपी मोहम्मद युसुफ मंसूरी के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप प्रमाणित है और जल्द ही उसके खिलाफ आरोप पत्र पेश किया जाएगा। इस पर आयोग ने डीजीपी को निर्देश देते हुए प्रकरण को निस्तारित कर दिया है। दूसरी ओर आयोग ने जैसलमेर में महिला से मिलने आए पैराटीचर को निर्वस्त्र कर उसके बाल काटने और गाड़ी में तोड़फोड़ करने के मामले में प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही आयोग ने जैसलमेर एसपी को कहा है कि वह इस घटना का वीडियो तुरंत सोशल मीडिया से हटाने की कार्रवाई करें और पन्द्रह दिन में तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करे।

'अग्निपथ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हुई फिजीकल, मैडिकल व लिखित परीक्षा के नतीजों की प्रतीक्षा कर हैं। अपने खाचे के लिए कर्ज ले रहे है। क्या सरकार ने उनकी पीड़ा के बारे में सोचा है। सिंह ने कहा, "हम अग्निपथ योजना के तुरंत रोल बैक की मांग करते है क्योंकि यह राष्ट्रपति के खिलाफ होने के साथ युवाओं के भविष्य के भी विरूद्ध है। प्रधानमंत्री की चुप्पी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे युवाओं का अपमान है।"

देश के "इंन्टैलिजैन्स सैट-अप"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एस. अधिकारी हैं और फिलहाल दिल्ली में इन्टैलीजेंस ब्यूरो में विशेष निदेशक हैं।

सामंत कुमार गोयल को रिसर्च एण्ड एनालैसिस विंग (रॉ) के प्रमुख के रूप में एक वर्ष के कार्यकाल का एक्सटैंशन दिया गया है। रॉ भारत की फॉरेन इन्टैलीजैंस एजेंसी है।

यह एक संयोग ही है कि दिनकर गुप्ता के बाद गोयल पंजाब कैडर के दूसरे ऐसे आई.पी.एस. अधिकारी हैं जिन्हें अपने पद पर बने रहने के लिए कहा गया है। गुप्ता को एन.आई.ए. प्रमुख बनाया गया था। सामन्त गोयल का सेवाकाल इस माह के अन्त में समाप्त हो रहा था।

कैबिनेट अपाइन्टमैंट कमेटी ने इन्टैलीजेंस ब्यूरो (आई.बी.) के अगले निदेशक के रूप में तपन कुमार डेका की नियुक्ति की भी पुष्टि की। हिमाचल प्रदेश कैडर के वर्ष 1998 के आई.पी.एस. अधिकारी डेका 30 जून को पदभार ग्रहण करेंगे और दो वर्ष तक इस पर बने रहेंगे।

सामंत कुमार गोयल को जून 2019 में अनिल धस्माना के स्थान पर रॉ का सचिव बनाया गया था।

डेका वर्ष 1988 बैच के आई.पी.एस. अधिकारी है और उत्तर-पूर्वी भारत के मामलों में उन्हें विशेषज्ञता प्राप्त है। वर्ष 2019 में हुए सी.ए.ए. विरोधी दंगों के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हे असम की जिम्मेदारी दी थी। आई.बी. में फिलहाल उनसे सीनियर चार अधिकारी है।

विद्रोहियों से लड़ने के लिये मु.मंत्री उद्धव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्पाइसजैट विमान तैयार खड़ा था। राज्य के करीब 12.30 बजे, शिंदे तथा उनके साथ वाले विधायकों को हवाई अड्डे तक ले जाने के लिए, तीन लग्जरी बसें होटल पहुंच गयी और आगे गुवाहाटी तक की यात्रा सम्पन्न हुई।

इस पूरे प्रकरण की बढ़ती जा रही आलोचना से लोगों का ध्यान हटाने के उद्देश्य से, असम के मुख्यमंत्री हिमन्ता बिस्वा सरमा ने महाराष्ट्र के विद्रोही शिव सेना विधायकों के अपने राज्य में रुके होने की आलोचना को कम करने की कोशिश करते हुए आज कहा कि उनके राज्य में तो सभी "पर्यटकों" का स्वागत है।

सरमा ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र की राजनीति से उन्हें कोई लेना देना नहीं हैं, जहां शिवसेना के 38 विधायकों के विद्रोह के बाद, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार का भविष्य दांव पर लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि विभिन्न फ्लाइट्स से यहां आये ये सब विद्रोही विधायक यहां एक होटल में ठहरे हुए हैं।

यहां पार्लियामेंट कॉम्प्लैक्स में अपना नामांकन पत्र पेश करने जा रही एन.डी.ए.की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रोपदी मुर्मू के साथ जाते समय, उन्होंने मीडियाकर्मियों को बताया,"कुछ लोग असम में आये हैं। उन्होंने होटल बुक किये थे। मुझे इसकी बड़ी खुशी है। आप लोग भी आइये, इससे असम की अर्थव्यवस्था को मदद मिलेगी। इसके जरिए, असम के पर्यटन व्यवसाय को प्रोत्साहन मिल रहा है।

अब तक, सेना ने 16 विद्रोही विधायकों को अयोग्य घोषित किये जाने की मांग की है। उद्धव ठाकरे की टीम ने आरोप लगाया है कि "दोषी विधायक" पार्टी में शंका एवं अविश्वास पैदा करने तथा सरकार का तख्ता पलटने की कोशिश कर रहे हैं। शिवसेना ने विद्रोही विधायकों पर आरोप लगाया कि वे दलबदल की संवैधानिक "पाप" कर रहे हैं।

सेना विधायक दिलीप लांडे को आज गुवाहाटी की एक होटल में देखा गया। एकनाथ शिंदे कैम्प के विधायकों की संख्या के 50 से अधिक होने की उम्मीद है क्योंकि और विधायक गुवाहाटी पहुंच सकते हैं।

इस बीच, एकनाथ शिंदे कैम्प के एवं भाजपा के निकट माने जाने वाले दो निर्दलीय विधायकों ने विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि ज़िरवाल को पद से हटाने की मांग की है।

ज़िरवाल, शरद पवार की नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन. सी. पी.) से हैं। दोनों विधायकों महेश बालदी और विनोद अग्रवाल ने अरूणाचल प्रदेश के एक केस के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के एक ऑर्डर का जिक्र करते हुए विधानसभा उपाध्यक्ष से अनुरोध किया है कि वह शिवसेना के विद्रोही विधायकों को विधानसभा की सदस्यता के अयोग्य ठहराने को लेकर अपना निर्णय ना दें।

विधानसभा उपाध्यक्ष ने इस बीच विधायक अजय चौधरी को राज्य विधानसभा में शिवसेना विधायक दल का नेता नियुक्त करने के शिवसेना के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि उपाध्यक्ष के आज उन विद्रोही विधायकों को नोटिस भेजने की उम्मीद है। जिनके विरुद्ध पद से हटाए जाने की याचिकाएं दायर की जा चुकी है।

सूत्रों ने बताया कि विद्रोही विधायक एक बार नोटिस जारी होने की सूरत में सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने आगे बताया कि एकनाथ शिंदे कैम्प के अपनी पार्टी और पार्टी सिम्बल के दावे को लेकर चुनाव आयोग जाने की उम्मीद है।

जहां कानूनी लडाई की अटकलें लगाईं जा रही है, वहीं राज्यपाल की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण है। अब यह देखना कि राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी शीर्ष अदालत के कई निर्णयों को ध्यान में रखकर क्या फ्लोर टैस्ट का आदेश देते हैं या कोई अन्य कदम उठाते हैं।

आज दिन की शुरुआत में शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र सरकार गठबंधन के नेता शरद पवार को एक केन्द्रीय मंत्री द्वारा धमकाया गया है। राउत ने दावा किया कि "वह महाराष्ट्र के पुत्र हैं। वे उन्हें धमका रहे हैं। मोदी जी, अमित शाह क्या आपने सुना? आपका मंत्री शरद पवार को धमका रहा है क्या आप ऐसी धमकियों का समर्थन करते हैं ? महाराष्ट्र जानना चाहता है।"

राउत ने एकनाथ शिंदे कैम्प के शक्ति प्रदर्शन को भी फीका बताया। शिवसेना नेता राउत को यह कहते हुए उद्धत किया गया कि "उनके नंबर्स सिर्फ कागजों पर हैं। शिवसेना एक महासमुद्र है, जिसमें ऐसी लहरें आती और जाती हैं।"

शिंदे जो यह दावा कर चुके हैं कि उनका धड़ा ही "वास्तविक शिवसेना" है, वे 37 विधायकों के हस्ताक्षरों वाला एक पत्र राज्य विधानसभा के उपाध्यक्ष, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और विधान परिषद के सचिव को भेजकर कहा है कि उनकी नियुक्ति एक विधायक दल के नेता के रुप में की जाए।

वी.सी. रिमोट...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने ई-उद्घाटन कर इसकी विधिवत शुरुआत की। इस मौके पर मुख्य पीठ जोधपुर से जस्टिस अरुण भंसाली और जस्टिस दिनेश मेहता सहित सभी जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीसी के जरिए शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुधीर भंडारी ने बताया कि एसएमएस अस्पताल की ओपीडी में रोजाना करीब 14 हजार मरीज आते हैं। इस दौरान चिकित्सकों को विभिन्न प्रकरणों में अपने बयान दर्ज कराने के लिए निचली अदालतों में जाने से इनका इलाज प्रभावित होता है। अब वीसी रिमोट पॉइंट की स्थापना होने से न सिर्फ चिकित्सकों का समय बचेगा, बल्कि इस समय का सदुपयोग कर मरीजों का इलाज कर सकेंगे। वहीं सीजे एसएस शिंदे ने कहा कि कोविड के बाद से न्यायिक कार्य प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिल रहा है। प्रदेश के लगभग सभी अधीनस्थ अदालतों में वीसी के लिए संसाधन मुहैया कराए जा चुके हैं और स्टाफ को प्रशिक्षित भी किया जा चुका है। सीजे ने वीसी से जुड़े सभी न्यायाधीशों को मामले और गवाह की परिस्थितियों को देखते हुए वीसी रूल्स के तहत अधिक से अधिक गवाहों के बयान वीसी के जरिए लेने के निर्देश भी दिए।

सुप्रीम कोर्ट ने एस.आई.टी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कपिल सिब्बल ने बैंच से कहा था कि उनके कथन तत्कालीन मुख्यमंत्री मोदी के कथित रुप से लिप्त होने के बारे में बिल्कुल भी नहीं, क्योंकि मोदी तो एक बहुत बड़ी साजिश के निर्गम बिन्दु (इश्यू) थे तथा एस.आई.टी. ने उस साजिश की छानबीन नहीं की थी। जाफरी के साथ उनके सहायक एक सोशल ऐक्टिविस्ट तथा वकील तीस्ता सीतलवाड़ भी थीं।

इस फैसले में एक पुराने केस का भी परीक्षण किया गया है, तथा गुजरात कैडर के डी.आई.जी.रैंक के एक आई.पी.एस.अधिकारी संजीव भट्ट (58) द्वारा लगाये गये आरोपों पर भी विचार किया गया है। आई.पी.एस. भट्ट ने सर्वोच्च न्यायालय में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ एक शपथ पत्र प्रस्तुत किया। इसके बाद, एक पुराने केस, जिसमें उनके अधीन पुलिस हिरासत में एक मौत हो गई थी, के सिलसिले में उन्हें उम्रकैद की सजा हो गयी थी। वे दंगों के दौरान, अहमदाबाद में डिप्टी कमिश्नर (कम्यूनल) थे तथा उन्होंने दावा किया था कि वे मोदी द्वारा बुलाई गई उन मीटिंगों में उपस्थित थे, जो दंगों से निबटने के सिलसिले में बुलाई गईं थी।

फैसले में कहा गया है कि वरिष्ठ वकील राजू रामचन्द्रन, जो अदालत की सहायता के लिए "न्यायमित्र" नियुक्त किये गये थे, ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि "आई पी सी की धारा 153 ए (1) (ए) तथा (बी), 166 एवं 505 (2) के तहत पृथम दृष्टया, मोदी के खिलाफ केस बनता है, लेकिन यह तो सक्षम क्षेत्राधिकार वाली अदालत को तय करना है कि किसी या सभी अपराधों या अन्य किसी अपराध के सिलसिले में उन्हें (मोदी) को तलब किया जाना है अथवा नहीं।"

रामचन्द्रन ने अदालत में प्रस्तुत किये गये अपने मसौदे में यह नहीं कहा था कि "इस बात की संभावना नजर नहीं आती कि एक सेवारत पुलिस अधिकारी (भट्ट), बिना किसी आधार के, नरेन्द्र मोदी, जो उस समय मुख्यमंत्री थे, के खिलाफ इतने गंभीर आरोप लगायेगा।... यह स्वीकार करना मुश्किल है कि भट्ट का बयान किसी कारण विशेष से प्रेरित था क्योंकि उनके कैरियर से संबंधित मुद्दों पर उन्हें राज्य सरकार के साथ अपना हित भी दिखाई दे रहा था, और केवल इस आधार पर ही, उन पर अविश्वास करना भी उचित नहीं होगा कि अन्य अधिकारी भट्ट के बयानों का समर्थन नहीं कर रहे थे तथा बयान देने में हुई देर अविश्वास का ठोस आधार नहीं मानी जा सकती।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि एस.आई.टी. ने एक रिपोर्ट और प्रस्तुत की थी, जिसमें "न्यायमित्र" के निष्कर्षों को ध्यान रखा गया था, जिन्होंने अपनी रिपोर्ट 25.07.2011 को सौंपी थी। अदालत में 12.09. 2011को एस.आई.टी.द्वारा पेश की गयी रिपोर्ट ने, जांच पूरी होने के बाद अदालत को संतुष्ट कर दिया था। फैसला बहुत लम्बा है क्योंकि अदालत ने दंगों से संबंधित सारे तथ्यों एवं घटनाओं को इसमें शामिल किया है। ज्ञातव्य है कि इन दंगों में अधिकांशत: अल्पसंख्यक समुदाय के लोग या तो मारे गये थे या उनकी संपत्तियां नष्ट कर दी गयी थीं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908